राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 306
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 18 मई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 केजरीवाल सरकार ने किया दिल्ली के रोडसाइड ग्रीन कवर को बढ़ाने के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स का गठन, रोड ओनिंग एजेंसीज से

पेज 5 शादी के तीन साल बाद भी प्रेमी को नहीं भुला पा रही थी पत्नी, पति ने पंचायत बुलाकर दोनों का कराया विवाह

पेज 7 हमारे अंदर एक-दूसरे की मदद करने की भूख और इच्छा है : डेविड वॉर्नर

रक्षा सेवा स्टाफ

मंगलवार को तमिलनाडु में रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन में उपराष्ट्रपति, श्री एम. वेंकैया नायडू।

दिल्ली: अशोक विहार में समारोह स्थल में लगी आग

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के उत्तर पश्चिमी के अशोक विहार इलाके में जीटी करनाल रोड स्थित एक बैंक्वेट हॉल/समारोह स्थल में मंगलवार को आग लग गई।
दिल्ली अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि समारोह स्थल में आग लगने की सूचना करीब 17:47 बजे प्राप्त हुई। इसके बाद आग बुझाने के लिए दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। अग्निशमन विभाग ने कहा कि इस हादसे में हर्ष चोपड़ा (30) नाम के एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में पाया गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है। गौरतलब है कि राजधानी में पिछले पांच दिनों में आग लगने की यह चौथी घटना है।
इससे पहले दिल्ली के मुंडका मेट्रो स्टेशन के निकट शुक्रवार को एक इमारत में भीषण आग लग गई, जिसमें 27 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक लोग झुलस गए।

मुंडका अग्निकांड : भवन मालिकों को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने मुंडका अग्निकांड मामले में मंगलवार को एक इमारत के मालिकों को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। इस हादसे में 27 लोगों की मौत हो गयी तथा 12 से अधिक अन्य झुलस गये। अदालत ने परिसर के मालिकों मनीष लाकड़ा, हरीश गोयल और वरुण गोयल को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पश्चिमी दिल्ली के मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास 13 मई को एक चार मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई जिसमें 27 लोगों की जान चली गई थी और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार कुछ लोगों को खिड़कियों को तोड़कर और रस्सियों का उपयोग करके बचाया गया। बरामद किए गए 27 शवों में से अब तक 25 की पहचान हो चुकी है जबकि 29 लोगों के लापता होने की खबर है।

ज्ञानवापी पर सुप्रीम कोर्ट

अगर शिवलिंग मिला है तो उसे सुरक्षित रखें, नमाज को न रोका जाए

नई दिल्ली। वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वे कराने के वाराणसी कोर्ट के आदेश के खिलाफ मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा निर्देश जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि परिसर में जिस जगह शिवलिंग मिला है, उस जगह को सुरक्षित रखा जाए।
शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि लोगों को नमाज अदा करने से रोका न जाए। सुनवाई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और पीएस नरसिम्हा की बेंच में हुई। मुस्लिम पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे हुफैजा अहमदी से सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह याचिका पूजा-अर्चना के लिए है, न कि मालिकाना हक के लिए। इस पर अहमदी ने कहा था कि ऐसे में वहां के हालात ही बदल जाएंगे।
सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में हिंदू पक्ष को भी नोटिस जारी किया है। जस्टिस चंद्रचूड़ ने निर्देश दिया- अगर शिवलिंग मिला है तो हमें संतुलन बनाना होगा।
हम डीएम को निर्देश देंगे कि वह उस स्थान की सुरक्षा करें, पर मुस्लिमों को नमाज से न रोका जाए।

सुनवाई के दौरान किसने क्या कहा

मुस्लिम पक्ष

सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे हुजैफा अहमदी ने कहा कि पूजा की जिस तरह मांग की गई है, इससे तो हालात ही बदल जाएंगे।
अहमदी ने कहा कि इसी अदालत ने कहा था कि 15 अगस्त 1947 को जो धर्म स्थल जिस स्थिति में थे, उन्हें बदला नहीं जा सकता। इस तरह के ऑर्डर (वाराणसी कोर्ट) में साजिश की बहुत आशंका है।
उन्होंने कहा कि आप परिसर को सील कैसे कर सकते हैं। गैरकानूनी निर्देशों की झड़ी लगी हुई है। अगर आप परिसर को सील कर देंगे तो ये यथास्थिति बरकरार रखने के निर्देश का उल्लंघन होगा। आप लोअर कोर्ट के सभी फैसलों पर रोक लगाने का आदेश दें।

यूपी सरकार

तुषार मेहता ने कहा कि वजूखाने में शिवलिंग मिला है, जो हाथ-पैर धोने की जगह है। नमाज की जगह अलग होती है।
उन्होंने आगे कहा कि अगर नमाज पढ़ने की इजाजत दी गई तो शिवलिंग को नुकसान पहुंच सकता है। मेहता ने आगे कहा कि अगर किसी ने शिवलिंग पर पैर लगा दिया तो कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट

कोर्ट में सुनवाई के दौरान जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि यह मामला मालिकाना हक का नहीं है, पूजा करने की परमिशन मांगी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा कि हम आदेश देंगे कि आपने जो आवेदन दाखिल किया है, सिविल कोर्ट उसका जल्द निपटारा करे।
दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने आदेश दिया कि अगर शिवलिंग मिला है, तो उसे सुरक्षित रखा जाए। साथ ही नमाजियों को न रोका जाए। कोर्ट ने कहा कि 19 मई को अगली सुनवाई होगी। हिंदू पक्ष और मुस्लिम पक्ष दोनों शामिल रहे।

सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर के 3 अहम पॉइंट

- 1. शिवलिंग के दावे वाली जगह को सुरक्षित किया जाए।
- 2. मुस्लिमों को नमाज पढ़ने से न रोका जाए।
- 3. सिर्फ 20 लोगों के नमाज पढ़ने वाला ऑर्डर अब लागू नहीं।

जज के शिवलिंग बोलने पर मुस्लिम पक्ष को ऐतराज

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान जज ने शिवलिंग वाली जगह बोलने का इस्तेमाल किया तो, इस पर मुस्लिम पक्ष ने आपत्ति जताई। मुस्लिम पक्ष ने कहा कि मामला अभी विवादित है। ऐसे में शिवलिंग मिलने वाली जगह न कहा जाए, जिसके बाद जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि हम ऑर्डर में इसे इंडिकेट कर देंगे।

सर्वे के दौरान शिवलिंग मिला, वहां ट्रायल कोर्ट ने एंट्री बैन की थी

वाराणसी कोर्ट के आदेश के बाद 3 दिन में सर्वे का काम पूरा हुआ है। वहीं, तीसरे दिन सोमवार को सर्वे के दौरान ज्ञानवापी परिसर के अंदर शिवलिंग मिला।
हिंदू पक्ष की अपील पर वाराणसी कोर्ट ने डीएम को आदेश दिया था कि जिस जगह शिवलिंग मिला है, उसे तत्काल सील कर दें। वहां पर किसी भी व्यक्ति का प्रवेश वर्जित किया जाए।
कोर्ट ने डीएम, पुलिस कमिश्नर और सीआरपीएफ कमांडेंट को जगहों को संरक्षित और सुरक्षित रखने की व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदारी दी है। प्रशासन की टीम वहां पहुंची और 9 ताले लगाकर साक्ष्य को सील किया।

1993 मुंबई धमाके के 4 आरोपी गिरफ्तार

एटीएस ने अहमदाबाद से पकड़ा; ब्लास्ट के बाद विदेश भागे फिर फर्जी पासपोर्ट से वापस आए

सैयद कुरैशी | शोएब बाबा | युसुफ भटका | अबु बकर

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात के आतंकवाद निरोधी दस्ते ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के करीबी और 1993 मुंबई धमाकों के वांटेड 4 आरोपियों को अहमदाबाद से पकड़ा है। मुंबई बम धमाकों के बाद ये सभी आरोपी विदेश भागने में कामयाब रहे थे और फर्जी पासपोर्ट पर अहमदाबाद आए थे।
गुजरात एटीएस ने अबू बकर, यूसुफ भटाका, शोएब बाबा और सैयद कुरैशी को पकड़ने में कामयाबी पाई है। इस संबंध में इंटेलिजेंस इनपुट मिलने पर गुजरात एटीएस ने कार्रवाई को अंजाम दिया। एटीएस से मिली जानकारी के अनुसार चारों आरोपी फर्जी पासपोर्ट के जरिए एक देश से दूसरे देश में घूम रहे थे। कुछ समय पहले इन चारों के दुबई में होने का जानकारी मिली थी। चारों फर्जी पासपोर्ट के साथ अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचे थे, जहां पहले से ही एटीएस इनका इंतजार कर रही थी।

धमाकों में 250 से अधिक लोगों की मौत हुई थी

अबू बकर, यूसुफ भटाका, शोएब बाबा और सैयद कुरैशी ने सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों को गुमराह करने के लिए अपने पते बदल दिए थे। इनके पासपोर्ट में दर्ज सभी जानकारियां फर्जी निकलीं। जांच में यह सत्यापित हुआ कि ये चारों 1993 के मुंबई बम धमाकों के आरोपी हैं। बता दें कि 12 मार्च, 1993 को शुक्रवार के दिन मुंबई में 12 सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे, जिसमें 250 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और 800 से अधिक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसे गुजरात एटीएस का एक बड़ा ऑपरेशन माना जा रहा है।

बम प्लांट करने के साथ अन्य साजो-सामान भी जुटाए थे

आरोपियों ने 1993 के सिलसिलेवार धमाकों के लिए बम प्लांट करने के साथ ही अन्य साजो-सामान जुटाए थे। माना जा रहा है कि ये अभी भी दाऊद गैंग के संपर्क में हैं, जिसके आधार पर अब डी कंपनी के और भी कनेक्शन सामने आ सकते हैं। फिलहाल ये पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इनका अहमदाबाद आने का क्या मकसद था। आरोपियों से अब केंद्रीय एजेंसी पूछताछ करेगी।

असम में बाढ़ का कहर : 24 जिलों में 2 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित

अब तक 7 की मौत; केरल में भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी

गुवाहाटी। असम में बाढ़ के चलते हालात खराब हो गए हैं। राज्य के कछार, चराईदेव, दरांग, धेमाजी, डिब्रूगढ़ और दीमा हसाओ सहित 24 जिलों में अब तक 2 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बाढ़ और लैंडस्लाइड से अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग ने केरल के 4 जिलों में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।
असम स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के अनुसार, बारिश के बाद हुई लैंडस्लाइड के बाद पहाड़ी जिला दीमा हसाओ राज्य के बाकी हिस्सों से कट गया है। कम्युनिकेशन पूरी तरह बंद है। हाफलोंग की ओर जाने वाली सभी सड़कें और रेलवे लाइन 15 मई से बंद हैं।

लगातार बारिश के कारण कई जिलों में सड़कें, पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। फसलों तबाह हो गई हैं। कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कछार जिले में बाढ़ से दो मौतें हो गई हैं, जबकि दीमा हसाओ में लैंडस्लाइड के कारण तीन मौतें हुई हैं।

बाढ़ से अब तक 652 गांव प्रभावित

बाढ़ से 20 जिलों के 46 राजस्व मंडलों के कुल 652 गांव अब तक प्रभावित हुए हैं। लोगों को राहत देने के लिए सात जिलों में करीब 55 राहत शिविर खोले गए हैं, जिसमें 32 हजार 959 लोगों को आश्रय दिया गया है। NDRF, सेना, SDRF के जवान बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव और राहत अभियान में जुटे हैं।

केरल में भारी बारिश, 4 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने केरल में भारी बारिश की चेतावनी दी है और मलप्पुरम, कोझीकोड, कन्नूर और कासरगोड जिलों सहित चार जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।
अन्य सभी जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने के लिए कहा गया है। इसके अलावा कई इलाकों में बाढ़ का अलर्ट भी जारी किया गया है।

कोरोना : 24 घंटे में मिले 1,221 नए केस, 1 मरीज की मौत

पिछले 24 घंटे में 2,156 लोग कोरोना से रिकवर हुए

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना के 1,221 नए मामले सामने आए हैं, जबकि एक मरीज की मौत हो गई। इस तरह से देश में सोमवार के मुकाबले कोरोना से थोड़ी सी राहत देखने को मिली। मंगलवार को कोरोना के एक्टिव केस भी करीब 2 हजार कम हुए हैं। बीते दिन देश में कोरोना के 15,057 केस सामने आए, वहीं एक दिन पहले इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 17,692 दर्ज की गई थी। शनिवार को 1,913 नए केस मिले थे। भारत में रिकवरी रेट 98.74 प्रतिश पहुंच गया है। अगर कोरोना टीकाकरण की बात करें तो पिछले 24 घंटे में कोरोना वैक्सीन की 3,10,218 डोज लगाई गई। पिछले 24 घंटे में 2,156 लोग कोरोना से रिकवर हुए हैं, जिसके बाद कोरोना से जंग जीतने वाले लोगों की संख्या 42,572,697 हो गई है।

वहीं मरने वालों की संख्या 5 लाख 24 हजार 242 हो गई है।

दिल्ली में पॉजिटिविटी रेट 3.37 प्रतिशत पहुंचा

राजधानी दिल्ली में कोरोना का कहर कम नहीं हो रहा है। यहां सबसे अधिक मामले सामने आ रहे हैं। बीते दिन 377 नए मामले सामने आए। अच्छी बात यह है कि 910 लोग रिकवर हो गए। दिल्ली में अभी 3,228 लोग कोरोना का इलाज करा रहे हैं। बीते दिन यहां सिर्फ एक मरीज की मौत हुई। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों की मानें तो दिल्ली में कोरोना संक्रमण की पॉजिटिविटी रेट 3.37 प्रतिशत हो गई है और कंटोनमेंट जोन की संख्या 1,486 है।
इसके अलावा महाराष्ट्र में कोरोना के 129 नए केस सामने आए और 121 मरीज स्वस्थ्य हुए। उत्तर प्रदेश में 138 नए मरीज मिले जबकि 186 मरीज रिकवर हो गए। वहीं हरियाणा में 218 नए केस दर्ज किए गए, जबकि 428 मरीज रिकवर हो गए।

भारत ने विकसित की mRNA वैक्सीन तकनीक, देश में कम होंगे कोरोना केस

mRNAवैक्सीन तकनीक को लेकर सेंटर फार सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलाजी के CEO डाक्टर एन मधुसूदन राव ने दावा किया है कि उन्होंने भारत में इस तकनीक को विकसित कर लिया है। मधुसूदन राव ने कहा mRNA वैक्सीन तकनीक से देश में कोरोना केस कम होंगे। साथ ही इससे वैक्सीन का संक्रमण पर अधिक असर पड़ेगा।

कोविड टीकाकरण में 191.48 करोड़ टीके लगे

नयी दिल्ली। देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 191.48 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 191 करोड़ 48 लाख 94 हजार 858 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 1569 नये मरीज सामने आयें हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या 16 हजार 400 रह गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.04 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.44 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 2467 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 25 लाख 84 हजार 710 कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.75 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में तीन लाख 57 हजार 484 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 84 करोड़ 44 लाख 91 हजार 640 कोविड परीक्षण किए हैं।

भीषण हादसा

23 साल बाद पिता की अस्थियां लेकर हरिद्वार गए थे, लौटते समय हादसा; मृतकों में 2 महिलाएं

सड़क हादसा : कंटेनर से भिड़ी क्रूजर, 5 लोगो की मौत

चौमूं। पिता की अस्थियों का विसर्जन कर हरिद्वार से लौट रहे जयपुर के परिवार की कार रेवाड़ी (हरियाणा) में कंटेनर से जा भिड़ी। इस भीषण हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वालों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। मंगलवार सुबह हुए इस हादसे की जानकारी मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। गाड़ी में सवार 12 लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। परिजन 23 साल बाद पिता की अस्थियां लेकर हरिद्वार गए थे।
जानकारी के अनुसार चौमूं के परिवार की क्रूजर गाड़ी सामने से आ रहे कंटेनर से टकरा गई। हादसे में 2

महिलाओं समेत 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया है। पिता की अस्थियां हरिद्वार में विसर्जित करने के बेटे अपनी मां और बहन के साथ गाड़ी लेकर गए थे। जानकारी के अनुसार सामोद के वार्ड नंबर 11 निवासी गोरधन लाल रेगर की 1999 में मौत हो गई थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उस समय परिवार के लोग अस्थि विसर्जन नहीं कर पाए थे। अब 15 मई को परिवार के लोग अस्थि विसर्जन करने हरिद्वार गए थे। क्रूजर गाड़ी में परिवार और रिश्तेदारों को मिलाकर कुल 15 लोग थे। वापस लौटते वक्त मंगलवार सुबह करीब 6 बजे शाहजहांपुर बॉर्डर से 8 किलोमीटर पहले बावल थाना क्षेत्र में इनकी गाड़ी सामने से आ रहे कंटेनर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि क्रूजर के परखच्चे उड़ गए।
मृतकों में मोहरी देवी (76) पत्नी गोरधन पिंगोलिया, मालूराम (53) पुत्र गोरधन पिंगोलिया, महेंद्र (39) पुत्र गोरधन पिंगोलिया, आशीष (15) पुत्र मालू राम और सुगना (47) पत्नी बनवारी लाल रेगर निवासी ढोढसर शामिल है। इस दुर्घटना में गाड़ी में सवार कैलाश, बीना देवी, गीता देवी, मंगली देवी, बनवारी लाल, संतोष कुमारी, अंकित, राजा, वीरेंद्र, उर्मिला, डुग्गु और गुड़िया घायल हो गए।
हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर कंटेनर लेकर फरार हो गया। हाईवे से गुजर रहे लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने घायलों को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया। स्थानीय पुलिस मामले की जांच में जुटी है। उधर हादसे की सूचना के बाद परिजन रेवाड़ी के लिए रवाना हो चुके हैं।
सामोद के एक ही परिवार के 5 लोगों की सड़क हादसे में मौत की सूचना मिलने पर कस्बे में शोक की लहर छा गई। कस्बे के बाजार में भी सन्नाटा पसरा है।

कार्ति चिदम्बरम के आवास और कार्यालयों पर सीबीआई का छापा

चेन्नई/नयी दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने विदेशों से मिलने वाले फंड और चीनी कंपनी को वीजा जारी करने की सुविधा के लिए रिश्वत लेने के मामलों में मंगलवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम के सांसद पुत्र कार्ति चिदम्बरम के यहां स्थित आवास और कार्यालयों पर छापे मारे।
सीबीआई के सूत्रों के मुताबिक श्री कार्ति और उसके सहयोगी एस भास्कररमन समेत छह अन्य के खिलाफ नया मामला दर्ज किया है। सीबीआई ने अपनी प्राथमिकी में चीनी कंपनी को वीजा जारी करने की सुविधा और मनसा (पंजाब) में 1980 मेगावाट उर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए 56 लाख रुपये की रिश्वत लेने के मामले में पहले नंबर का आरोपी नामजद किया है। वहीं श्री कार्ति को दूसरे नंबर के आरोपी के रूप में नामित किया गया है।
उन्होंने बताया कि श्री कार्ति के दिल्ली, मुंबई और चेन्नई स्थित कई ठिकानों पर छापे मारे गये हैं। इससे पहले 2017 में भी विदेशों से मिलने वाले फंड को विदेश निवेश संवर्द्धन बोर्ड (एफआईपीबी) की मंजूरी में कई तरह अनियमितताओं को लेकर श्री कार्ति के कई ठिकानों पर छापे मारे गये थे। इस बीच श्री कार्ति ने अपने ट्वीट में कहा , सीबीआई की एक टीम ने आज सुबह चेन्नई और दिल्ली स्थित मेरे आवास की तलाशी ली। टीम ने मुझे एक प्राथमिकी की प्रति दिखाई जिसमें मेरा नाम आरोपी के रूप में नहीं है। तलाशी टीम को ना कुछ मिला और ना ही कुछ जब्त किया। मैं कह सकता हूं कि छापे मारने का यह समय दिलचस्प है।
उन्होंने आगे कहा , मैं गिनती भूल गया हूं कि ऐसा कितनी बार हुआ है। यह एक रिकॉर्ड बनेगा।
कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीपसिंह सुरजेवाला ने कहा , श्री पी चिदम्बरम राष्ट्रवादी और देशभक्त हैं और देश के प्रति उनकी प्रतिबद्धता निर्विवाद है।

नई दिल्ली
बुधवार 18 मई 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

हरिद्वार हेट स्पीच मामले में वसीम रिजवी को मिली राहत, सुप्रीम कोर्ट ने दी अंतरिम जमानत

हरिद्वार। हरिद्वार हेट स्पीच मामले में जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी को सुप्रीम कोर्स से अंतरिम जमानत मिल गई है। बता दें कि वसीम रिजवी ने धर्म परिवर्तन करने के बाद अपना नाम जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी रख लिया था। वह उत्तर प्रदेश शिया वक्फ बोर्ड के चेयरमैन रह चुके हैं। हरिद्वार धर्म संसद में भड़काऊ भाषण देने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया गया था। हरिद्वार में 17 से 20 दिसंबर तक धर्म संसद का आयोजन किया गया था। इसमें जितेंद्र नारायण, गाजियाबाद डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद, साध्वी अन्नपूर्ण व महेंद्र दास के साथ कई संत शामिल हुए थे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा जिसमें विशेष समुदाय के खिलाफ हथियार उठाने की बात की जा रही थी। बाद में जितेंद्र नारायण और यति नरसिंहानंद को गिरफ्तार किया गया। वसीम रिजवी को 13 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था और इसके बाद वह हरिद्वार की जेल में बंद थे। रिजवी के वकील ने हृदय रोग के इलाज के लिए जमानत मांगी थी। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत मंजूर करते हुए कहा कि वह कोई भड़काऊ भाषण नहीं देंगे। त्यागी की तरफ से पेश हुए वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि वह 6 महीने से जेल में बंद हैं और कई बीमारियों से पीड़ित हैं। कुछ दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने धर्म संसद जैसे आयोजनों पर चिंता जताते हुए कहा था कि ऐसे कार्यक्रम सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ रहे हैं। कोर्ट ने कहा था कि लोगों को जागरूक और संवेदनशील बनना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने त्यागी की जमानत याचिका को लेकर राज्य सरकार को नोटिस दिया था।

नागालैंड एसडीएमए ने भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया

कोहिमा। नागालैंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनएसडीएमए) ने मंगलवार को यहां के निचले इलाकों में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है और भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़, भूस्खलन और जलभराव की आशंका जताते हुए चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग की आधिकारिक सूचना में एनएसडीएमए ने कहा कि राज्य में लगभग एक सप्ताह से लगातार बारिश हो रही है। भारी बारिश होने के कारण दीमापुर में 191.25 मिमी, पेरेन में 351 मिमी और कोहिमा में 342 मिमी बारिश हुई है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में लगातार बारिश होने के कारण राज्य के कुछ क्षेत्रों में भूस्खलन भी हो सकता है। एनएसडीएमए ने बताया कि राज्य में लगातार बारिश होने के कारण कई क्षेत्रों में सड़क मार्ग अवरुद्ध होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि इस दौरान सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार विभागों और एजेंसियों को इस अवधि के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्था और आकस्मिक योजना बनाने की सलाह दी गई है। इस अवधि के दौरान पेरेन, कोहिमा, वोखा, मोन और त्युएनसांग जिलों में भारी वर्षा के साथ बिजली गिरने का अनुमान जताया गया है है। राज्य के अन्य हिस्सों में हालांकि हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने के आसार हैं। एनएसडीएमए द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार पर्वतीय क्षेत्रों में पिछले सप्ताह से हो रही भारी बारिश के कारण धनसारी नदी और चठे नदी का जलस्तर बढ़ सकता है। इन दोनों नदियों के आस-पास के क्षेत्रों जैसे डोमोखिया क्षेत्र और धनसारी नदी से सटे क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है।

कर्नाटक : पाठ्यपुस्तकों में आरएसएस संस्थापक के भाषण पर मंत्री ने किया बचाव

बंगलुरु। कर्नाटक में कुछ शैक्षिक संगठनों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संस्थापक केशव बलिराम हेगडेवार के दिए भाषण को दसवीं कक्षा के संशोधित पाठ्यपुस्तकों में शामिल किए जाने पर एतराज जताया है। राज्य मंत्री बीसी नागेश ने मंगलवार को इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पुस्तक में संस्थापक के बारे में कोई जिक्र नहीं है, सिर्फ उनके प्रेरणादायक भाषण का उल्लेख है। नागेश ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, पाठ्यपुस्तक में हेगडेवार के बारे में कुछ नहीं लिखा है, सिर्फ उनके प्रेरणादायक भाषण का जिक्र है जो लोगों, खासकर युवाओं को प्रेरित करेगा। जो हंगामा कर रहे हैं, उन्होंने इस पर गौर ही नहीं फरमाया है। अखिल भारतीय लोकतंत्र छात्र संगठन और अखिल भारतीय शिक्षा बचाओ समिति ने स्कूली पाठ्यपुस्तकों में श्री हेगडेवार के भाषण को शामिल किए जाने पर एतराज जताया है। श्री नागेश ने कहा कि इन संगठनों ने टीपू सुल्तान या मुसलमान आक्रमणकारी के बारे में किताब में लिखे जाने का कभी विरोध नहीं किया, जिन्होंने हजारों की संख्या में मंदिरों को बर्बाद किया है। ये बिना किसी बात के हेगडेवार के प्रेरणादायक भाषण पर बखेड़ा खड़ कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि हेगडेवार ने अपने भाषण में समाज और राष्ट्र की महत्ता के बारे में बताया था। श्री नागेश के मुताबिक इसमें कुछ गलत नहीं है।

अनिल सिंगला स्पाइसजेट के वाइस प्रेसीडेंट और इंजीनियरिंग हेड नियुक्त

कोलकाता। स्पाइसजेट ने अनिल सिंगला को कंपनी का वाइस प्रेसीडेंट और इंजीनियरिंग हेड नियुक्त किया है। स्पाइसजेट ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। सिंगला इससे पहले एयर वर्क्स में एसोसिएट वाइस प्रेसीडेंट और सहारा एयरलाइंस में डायरेक्टर (इंजीनियरिंग) रहे हैं। स्पाइसजेट के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा, स्पाइसजेट परिवार में अनिल सिंगला का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। उनके पास काम की काफी समझदारी और अनुभव है। मैं उन्हें उनकी नई भूमिका के लिए शुभकामनाएं देता हूं। सिंगला ने कहा, मैं खुश और सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं स्पाइसजेट में शामिल होने के लिए और टीम के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हूं। मुझे सिंह के कुशल नेतृत्व में कंपनी की विकास गाथा में योगदान देने और कंपनी को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने की उम्मीद है।

गहलोत ने बूंदी के रामगढ़ विषधारी को बाघ अभयारण्य के रुप में अधिसूचित करने पर जताई खुशी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बूंदी जिले के रामगढ़ विषधारी अभयारण्य को बाघ अभयारण्य के रुप में अधिसूचित करने पर खुशी जताई हैं। गहलोत ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि मुझे बताते हुए खुशी है कि बूंदी के रामगढ़ विषधारी को राजस्थान के चौथे टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित किया गया है। हमारी सरकार वन्यजीव संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। यह श्रीमती इन्दिरा गांधी के कार्यकाल में शुरू हुए प्रोजेक्ट टाइगर की सफलता का एक और आयाम है। उन्होंने देश और दुनिया के सैलानियों एवं वन्यजीव प्रेमियों को यहां घूमने के लिए आमंत्रित किया है। उधर इससे प्रदेश एवं बूंदी जिले के वन प्रेमियों में भी खुशी की लहर दौड़ गई। उल्लेखनीय है कि रामगढ़ विषधारी अभयारण्य को सोमवार को देश के 52वें बाघ अभयारण्य के रूप में अधिसूचित किया गया। नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीएीए) गजट नोटिफिकेशन जारी कर देश का 52वां एवं राजस्थान का चौथा बाघ अभयारण्य के तौर पर मंजूरी दी है। गहलोत ने दो साल पहले बजट सत्र में बूंदी में चौथा बाघ अभयारण्य बनाने की घोषणा की थी।

विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को मिली जमानत

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने कांग्रेस विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को धौलपुर जिले में बिजली विभाग के सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता के साथ मारपीट के मामले में आज जमानत दे दी। न्यायमूर्ति फरजंद अली की एकलपीठ ने विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा की जमानत अर्जी को मंजूर कर लिया। उल्लेखनीय है कि इस मामले में विधायक ने गत 11 मई को पुलिस के सामने आत्मसर्मपण कर दिया था। इसके बाद सीआईडी सीबी उन्हें धौलपुर लेकर गई और इसके अगले दिन धौलपुर के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति न्यायालय में पेश किया गया जहां उन्हें पन्द्रह दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

देश को मिले दो जंगी जहाज, नौसेना की बढ़ेगी ताकत

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के लिए मंगलवार का दिन बेहद खास रहा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुंबई के मझगांव डॉक में दो युद्धपोत सूरत और उदयगिरी को लॉन्च किया। ये दोनों युद्धपोत मेक इन इंडिया के तहत भारत में निर्मित हैं। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने कहा कि यह पहली बार है कि स्वदेशी निर्मित दो युद्धपोतों को एक साथ लॉन्च किया गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा लॉन्च किए गए इन दोनों युद्धपोतों के नाम पर्वत और शहर के नाम से रखे गए हैं। दोनों युद्धपोतों को नौसेना डिजाइन निदेशालय (डीएनडी) द्वारा इन-हाउस डिजाइन किया गया है और एमडीएल, मुंबई में बनाया गया है। सूरत प्रोजेक्ट 15बी श्रेणी का चौथा निर्देशित मिसाइल विध्वंसक है, जबकि उदयगिरि पी17ए श्रेणी का दूसरा स्टील्थ युद्धपोत।

दोनों युद्धपोतों को लॉन्च करते हुए राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में दोनों युद्धपोतों को देश की समुद्री क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता के एक अवतार के रूप में वर्णित किया, जिसमें आत्मनिर्भर भारत का भी खास ध्यान रखा गया है। इन स्वदेशी युद्धपोतों का लॉन्च इस वक्त काफी अहम इसलिए भी है क्योंकि इस वक्त पूरी दुनिया कोरोना महामारी और यूक्रेन-रूस के बीच महायुद्ध को झेल रही है।

आईएनएस सूरत

आईएनएस सूरत भारतीय नौसेना के प्रोजेक्ट 15 बी का नेक्स्ट जेनरेशन स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर है। यह 7400 टन भारी है। इसकी लंबाई 163 मीटर और गति करीब 56 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी।

इस पर चार इंटरसेप्टर बोट के साथ 50 अफसर और 250 नौसैनिक रह सकते हैं। यह करीब 45 दिनों तक समुद्र में रह सकता है।

आईएनएस उदयगिरि

आईएनएस उदयगिरि भारतीय नौसेना के प्रोजेक्ट 17 ए का तीसरा फ्रिगेट युद्धपोत है।

स्वदेश निर्मित यह आधुनिक सुविधाओं और उन्नत हथियारों से लैस युद्धपोत है।

इसमें उन्नत हथियार, सेंसर और प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम है। आईएनएस उदयगिरि नौसेना के प्रोजेक्ट का तीसरा फ्रिगेट युद्धपोत है। नौसेना के इस प्रोजेक्ट के तहत देश में ही 7 फ्रिगट तैयार किये जाने हैं।

बजरंग दल के एयर गन प्रशिक्षण को लेकर मामला दर्ज

बेंगलुरु। कर्नाटक में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया ने कोडागु जिले के एक स्कूल में सप्ताह भर के शिविर के दौरान बजरंग दल कार्यकर्ताओं द्वारा दिये गये एयर गन प्रशिक्षण के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि पीएफआई सदस्य इब्राहिम की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।स्कूल मैदान में एयर गन प्रशिक्षण की अनुमति को लेकर शिक्षा विभाग से जवाब देने के लिए कहा गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक पोन्नमपेट स्थित एक स्कूल में गत पांच से 11 मई तक शिविर आयोजित किया गया था। प्रशिक्षुओं ने 10 मई को कस्बे में एक जुलूस भी निकाला था।

एयर गन प्रशिक्षण के मामले के सामने आने के बाद राज्य में सत्ताधारी और विपक्षी दलों के बीच रस्साकशी जारी है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा है कि उनकी सरकार किसी भी अवैध गतिविधि की अनुमति नहीं देगी।

इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव एवं विधायक सीटी रवि ने तर्क दिया कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का एक हिस्सा है। हर साल आयोजित होने वाले शिविर में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को इस तरह का प्रशिक्षण उनकी आत्मरक्षा के लिए दी जाती है। प्रशिक्षुओं को एके-47 और बम का प्रशिक्षण नहीं दिया गया है।

बजरंग दल ने तर्क दिया कि उसने कानून का उल्लंघन नहीं किया है क्योंकि हवाई बंदूकें और त्रिशूल शस्त्र अधिनियम के दायरे में नहीं आते हैं।

इस बीच कर्नाटक कांग्रेस ने स्कूल परिसर में युवा छात्रों को हथियार प्रशिक्षण देने के लिए बजरंग दल के नेताओं की गिरफ्तारी की मांग की। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सिद्धारमैया ने आरोप लगाया कि बजरंग दल ने एयर गन का प्रशिक्षण देकर देश की कानून व्यवस्था को चुनौती दी है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि क्या राज्य में गृह मंत्री या शिक्षा मंत्री हैं और क्या सरकार अभी भी जीवित है। सिद्धारमैया ने तर्क दिया कि हथियार प्रशिक्षण कानून के खिलाफ है और गृह मंत्री को बजरंग दल के नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज करना चाहिए और उन्हें गिरफ्तार करना चाहिए।

विश्व दूरसंचार दिवस के कारण विश्व बना ग्लोबल विलेज : खट्टर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने विश्व दूरसंचार दिवस के अवसर पर मंगलवार को लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि इसी दिवस के कारण आज पूरा विश्व एक ग्लोबल विलेज बन गया है। सूचना प्रौद्योगिकी का आज का युग डिजिटल युग के रूप में परिवर्तित होना संभव हुआ है।

विश्व दूरसंचार दिवस के अवसर पर आज यहां जारी एक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दिन का उद्देश्य दूरसंचार के महत्व को प्रदर्शित करना और हमारे जीवन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरुकता बढ़ाना है। इस वर्ष दूरसंचार दिवस की थीम भी सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग और शारीरिक, भावनात्मक और वित्तीय स्तर पर स्वस्थ,जुड़े और स्वतंत्र रहने के लिए इसके महत्व पर जोर देना है।

उन्होंने कहा कि संयोग से आज नारद जयंती भी है। पौराणिक कथाओं के अनुसार नारद जी को संदेशवाहक के रूप में ही जाना जाता है जो कहीं न कहीं उनको प्राचीन काल से ही दूरसंचार से जुड़ा होना दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के दौरान दूरसंचार के कारण ही लोगों ने टेलीमेडिसन जैसी सुविधाएं डॉक्टरों से ली और घर बैठे ही अपना इलाज करवा सके।

कर्नाटक में स्कूली पाठ्यक्रमों से हटा भगत सिंह का चैप्टर

केजरीवाल बोले- शहीदों का अपमान क्यों करती है भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कर्नाटक में स्कूल की एक किताब से भगत सिंह पर आधारित एक पाठ को हटाने को लेकर दक्षिणी राज्य की भाजपा नीत सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह कदम महान स्वतंत्रता सेनानी की शहादत का अपमान है और कर्नाटक सरकार को यह निर्णय वापस लेना चाहिए।

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने ट्वीट किया कि देश अपने शहीदों का इस तरह से अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने भाजपा से सवाल किया कि 'उसके लोग' भगत सिंह से इतनी नफरत क्यों करते हैं? ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक

स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन (एआईडीएसओ) और ऑल इंडिया सेव एजुकेश कमेटी (एआईएसईसी) समेत कुछ संगठनों ने दावा किया है कि कर्नाटक सरकार ने भगत सिंह पर आधारित एक पाठ को स्कूली किताब से हटा दिया है तथा दसवीं कक्षा की संशोधित कन्नड़ पाठ्यपुस्तक में आरएसएस के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार का भाषण शामिल किया है।

केजरीवाल ने कहा, भाजपा के लोग अमर शहीद सरदार भगत सिंह जी से इतनी नफरत क्यों करते हैं? स्कूल की किताबों से सरदार भगत सिंह जी का नाम हटाना अमर शहीद की कुर्बानी का अपमान है। उन्होंने कहा, देश अपने शहीदों का ऐसा अपमान बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा। भाजपा सरकार को यह फैसला वापस लेना होगा। 'आप' ने कन्नड़ पाठ्यपुस्तक से भगत सिंह पर आधारित पाठ को हटाने के फैसले को 'शर्मनाक' बताया। पार्टी ने कर्नाटक सरकार इस पाठ को स्कूली किताब में दोबारा शामिल करने की मांग की। 'आप' के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया गया, शर्मनाक। कर्नाटक की भाजपा सरकार ने स्कूल की किताबों से भगत सिंह जी से जुड़ा पाठ हटा दिया है। भाजपा शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह जी से इतनी नफरत क्यों करती है? पार्टी ने कहा, भाजपा को यह फैसला वापस लेना चाहिए। भारत हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के इस तरह के अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगा।

इस बीच, कर्नाटक के प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा मंत्री बीसी नागेश ने दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए जारी संशोधित कन्नड़ पाठ्यपुस्तक में हेडगेवार के एक भाषण को शामिल करने के फैसले का बचाव किया है।

पेपर का झांसा देकर धोखाधड़ी के मामले में पांच लोग गिरफ्तार

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर में मथुरागेट पुलिस ने कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में प्रथम पारी की परीक्षा से पहले पेपर उपलब्ध कराने का झांसा देकर लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का खुलासा कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

गिरोह ने करीब दो दर्जन से अधिक अभ्यर्थियों से सम्पर्क कर कई अभ्यर्थियों से लाखों रुपए भी हड़पे लेकिन जब बे अभ्यर्थियों को पेपर उपलब्ध नहीं करा पाये तो गिरोह का भांडा फूट गया। पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह के अनुसार सोमवार को डीएसटी टीम की सूचना पर थाना मथुरागेट पुलिस ने एक एसेंट कार से गोविन्द (28) निवासी सोनोटी थाना उच्चैन, शुभम निवासी कुरका थाना उच्चैन, रवि (22) निवासी कुरका थाना उच्चैन, देवेन्द्र सिह निवासी कुंदेर थाना उच्चैन, राजासिंह (24) साल निवासी सोनोठी थाना उच्चैन को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर पाया कि शकील, देवेन्द्र, लालसिंह व हेमन्त की ओर से गिरोह बनाकर परीक्षार्थियों को झूठे प्रलोभन देकर परीक्षा से पूर्व पेपर उपलब्ध कराने की धोखाधड़ी कर पैसे ऐंठने का काम किया जा रहा है। परीक्षार्थी शुभम की ओर से पुलिस भर्ती परीक्षा 2022 की गत 13 मई का प्रथम पारी का पेपर प्राप्त करने के लिए शकील गद्दी निवासी कुन्देर को दो लाख रुपए दिए, लेकिन शकील की ओर से किए गए वादे अनुसार परीक्षा से पूर्व पेपर उपलब्ध नहीं कराने पर शुभम ने दुबारा शकील से संपर्क किया तो शकील ने कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2022 के फर्जी पेपर भेजकर अन्य लोगों को बेचकर पैसे कमाने का कहा, लेकिन सही पेपर नहीं होने के कारण पैसे नहीं मिले। इस पर शकील, लालसिंह, हेमंत, देवेन्द्र, शुभम, राजा, रवि, गोविन्द व हेमन्त की ओर से परीक्षा से पूर्व परीक्षार्थियों के साथ धोखाधड़ी कर रुपए कमाने के आशय से फर्जी पेपर उपलब्ध कराए गए। हिरासत में लिए गए आरोपियों के मोबाइल में इससे संबंधित पेपर के नमूने व चैट मिलने से आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आरोपी देवेन्द्र, शुभम, राजा, रवि व गोविन्द से पूछताछ की जा रही है।

उच्च न्यायालय के अधीनस्थ समस्त सिविल न्यायालयों में 30 मई से 26 जून तक ग्रीष्मावकाश

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर के अधीनस्थ समस्त सिविल न्यायालय ग्रीष्मावकाश के कारण 30 मई से 26 जून तक बंद रहेंगे। हांलाकि इस दौरान शीतकालीन अवकाश की भांति आवश्यक प्रकृति का सिविल कार्य संबंधित पीठासीन अधिकारी, लिंक अधिकारी द्वारा संपादित किया जायेगा। उच्च न्यायालय जोधपुर (रजिस्ट्रार प्रशासन) युधिष्ठिर शर्मा की ओर से इस संबंध में जारी आदेशानुसार ग्रीष्मावकाश की इस अवधि में जिला एवं सेशन न्यायाधीश, अपर जिला एंव सेशन न्यायाधीश सहित सभी पीठासीन अधिकारी अपने न्यायालयों में लंबित फौजदारी प्रकरण एवं ग्रीष्मावकाश के लिए अंतरिम फौजदारी प्रकरणों की सुनवाई एवं निस्तारण का कार्य करेंगे। आदेशानुसार आगामी 11 जुलाई तक समस्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश द्वारा निर्धारित प्रारूप में इस अवधि में कितने प्रकरणों का अन्तकरण एवं निस्तारण किया गया कि जानकारी भी ई-मेल एवं डाक से भिजवानी होगी।

पश्चिम चंपारण में सड़क दुर्घटना में कार पर सवार चार लोगों की मौत, चार घायल

बगहा। बिहार में पश्चिम चंपारण जिले के नौरंगिया थाना क्षेत्र में बाल्मीकि नगर बगहा मुख्य पथ पर मंगलवार की सुबह सड़क दुर्घटना में कार पर सवार चार लोगों की मौत हो गयी तथा चार अन्य घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के घने जंगल से होकर गुजरने वाले बाल्मीकि नगर बगहा मुख्य पथ पर नौरंगिया थाना के हरदिया चाती के पास एक अनियंत्रित कार सड़क किनारे पेड़ से टकरा गयी। इस दुर्घटना में कार पर सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि छह लोग घायल हो गये। घायलों को बगहा अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया, जहां दो बच्चियों की इलाज के दौरान मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल चार लोगों का इलाज चिंताजनक स्थिति में चल रहा है।

सूत्रों ने बताया कि जिले के नवलपुर थाना के कवलापुर गांव निवासी निवासी उदय नारायण साहनी के यहां शादी थी। उनका बेटा नागमणि चालक रामबाबू के साथ शादी समारोह में शामिल कराने के लिए बाल्मीकि नगर के लव-कुश घाट स्थित अपनी बहन के घर गया था।

सुबह कार में बहन और दो भांजी समेत आठ लोग सवार होकर शादी समारोह में भाग लेने के लिए लौट रहे थे तभी यह दुर्घटना हुयी। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया गया है।

सुशासन एवं पारदर्शिता बढ़ाने में सूचना प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका : ऊषा

जयपुर। राजस्थान के मुख्य सचिव ऊषा शर्मा ने सुशासन एवं पारदर्शिता बढ़ाने में सूचना प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए कहा है कि विभाग को आईटी के माध्यम से सभी सरकारी सेवाओं तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचानें का प्रयास करना चाहिए जिससे ये सेवाएं त्वरित गति से उनके पास पहुंच सकें।

श्रीमती शर्मा आज यहां शासन सचिवालय में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित ई- गर्वनेंस प्रोजेक्ट्स की समीक्षा बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि राजस्थान आईटी के क्षेत्र में बेहतरीन काम कर रहा है तथा अन्य राज्य भी विभाग के द्वारा बनाए गए विभिन्न ई-गर्वनेंस प्रोजेक्ट्स का अनुसरण कर रहें है। उन्होंने विभाग द्वारा बनाए गए विभिन्न प्रोजेक्ट्स जैसे- ई- ग्रास, पे मैनेजर, राजस्थान ई- प्रोक्योरमेंट पोर्टल, राज गिरदावरी, आशा सॉफ्ट, शाला दर्पण सहित विभिन्न प्रोजेक्ट्स की तारीफ करते हुए कहा कि इनके क्रियान्वयन से भष्ट्राचार कम हुआ है और पेपरलेस सिस्टम को भी बढ़ावा मिला है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक ई- प्रोजेक्ट्स के क्रियान्वयन के लिए मुद्दों पर आधारित माइक्रो मॉनीटरिंग को बढ़ावा दिया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि ई- प्रोजेक्ट्स के क्रियान्वयन में प्रेक्टिकल पहलुओं की भी लगातार समीक्षा की जाए।

इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव, आई टी अखिल अरोड़ा ने विस्तार से विभाग द्वारा संचालित विभिन्न आई-टी प्रोजेक्ट्स की प्रगति की जानकारी दी।

वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक से जुड़े।

मुरैना में मप्र मानव अधिकार आयोग ने किया वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण

मुरैना। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति नरेन्द्र कुमार जैन सरबजीत सिंह ने आज यहाँ स्थित वन स्टॉप सेंटर (सखी केन्द्र) का निरीक्षण किया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार मानव अधिकार आयोग के पदाधिकारियों ने वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण करने के दौरान यहाँ तैनात स्टॉफ एवं रजिस्टर्स से सखी केन्द्र में आने वाली पीड़ित, आश्रय वंचित, महिलाओं, बालिकाओं को दी जाने वाली सुविधाओं तथा उन्हें होने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर कलेक्टर बी. कार्तिकेयन, पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी, सीईओ जिला पंचायतरौशन कुमार, संयुक्त कलेक्टर सुरेश बहरादिया, एसडीएम मुरैना शिवलाल शाक्य और जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग महेन्द्र सिंह अम्ब सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। वन स्टॉप सेंटर की प्रशासिका अपूर्वा चौधरी ने बताया कि सेंटर में आने वाली महिलाओं एवं बालिकाओं की देखभाल करने के साथ उनको जरूरी परामर्श दिया जाता है। उन्होंने बताया कि केन्द्र प्रवर्तित वन स्टाप सेन्टर की उषा किरण योजना के तहत किसी भी प्रकार की हिंसा से पीड़ित या आश्रय वंचित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही स्थान पर अस्थायी आश्रय सहायता, पुलिस सहायता, विधिक सहायता, चिकित्सकीय सहायता एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श सहायता आदि सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है।

शादी समारोह में ट्रक की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत, 10 अन्य लोग घायल

खण्डवा। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले के मूंदी क्षेत्र में बुखारदास बाबा मेला स्थल के पास आयोजित शादी समारोह में ट्रक की चपेट में आने से एक बालिका सहित तीन लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए हैं।

पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि कल देर रात यहाँ मूंदी क्षेत्र में बुखारदास बाबा मेला स्थल के पास एक परिसर में राठौर समाज का शादी समारोह आयोजित था। इस समारोह में सड़क किनारे आने जाने वाले लोगों को एक छोटे लोडिंग ट्रक ने रौंद दिया।

घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस बल ने स्थानीय लोगों के सहयोग से तत्काल घायलों को मूंदी अस्पताल और जिला अस्पताल पहुंचाया। इस हादसे में एक ही परिवार के गेंदालाल राठौर (50) की मौत घटनास्थल पर और उनके भतीजे विशाल राठौर और तथा एक बालिका खुशी राठौर (8) की मौत अस्पताल में हुई है। हादसे में 10 लोग घायल हैं, जिनका उपचार अस्पताल में किया जा रहा है।

बताया गया है कि यह ट्रक इसी शादी समारोह में दहेज का सामान लेकर आया था। इसी दौरान ट्रक अनियंत्रित होकर लोगों को टक्कर मारता हुआ सड़क से नीचे उतर कर एक गड्डे में फंस गया। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

शिवराज ने सड़क हादसे में तीन लोगों के निधन पर व्यक्त किया शोक

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खंडवा जिले में सड़क हादसे में तीन लोगों के असमय निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपने शोक संदेश में ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की है। उन्होंने ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की है।

शार्ट न्यूज

भारत में इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन ने की मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल से आज दिल्ली सचिवालय में भारत में इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली और इज़राइल, दोनों में मानवता के लिए शांति और कल्याण करने की दिशा में मिलकर काम करने की क्षमता है। वहीं, भारत में इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन ने दिल्ली और इज़राइल के संबंधों को लेकर बात की और कहा कि मैं दिल्ली में रहता हूं। इसलिए अरविंद केजरीवाल हमारे भी मुख्यमंत्री हैं और मुझे उनसे मिलकर बहुत खुशी हो रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और भारत में इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन के बीच आज दिल्ली सचिवालय में मुलाकात हुई। इस बैठक में चर्चा की गई कि समय के साथ दिल्ली और इज़राइल के बीच संबंधों को कैसे बढ़ाया जा सकता है? दोनों नेताओं ने मजबूत संबंधों के बारे में बात की। साथ ही चर्चा की कि इसे कैसे और मजबूत बनाया जा सकता है। दोनों नेताओं ने इस बात पर भी विचार-विमर्श किया कि कैसे दिल्ली और इज़राइल एक-दूसरे को अधिक कुशल बनने में मदद कर सकते हैं और प्रगति व विकास की दिशा में मिलकर काम कर सकते हैं। सीएम अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि दिल्ली और इज़राइल दोनों में मानवता के लिए शांति और कल्याण करने की दिशा में मिलकर काम करने की क्षमता है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय राजपूत महासंघ-दिल्ली के पदाधिकारी अकबर रोड का नाम बदलकर महाराणा प्रताप रोड करने के उपलक्ष्य में उपाध्यक्ष - पालिका परिषद् से मिले

नई दिल्ली। अखिल भारतीय क्षत्रिय राजपूत महासंघ-दिल्ली के पदाधिकारियों ने आज श्री सतीश उपाध्याय, उपाध्यक्ष - नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् से अकबर रोड का नाम बदलकर महाराणा प्रताप रोड करने के विषय में आज उनसे उनके कार्यालय में मुलाकात की और एक प्रार्थना पत्र दिया। पदाधिकारियों ने अपने पत्र में आग्रह करते हुए कहा कि भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे देश में आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में अलग-अलग तरीकों से मनाया जा रहा है और यदि एनडीएमसी अकबर रोड का नाम वीर योद्धा महाराणा प्रताप रोड के रूप में बदलने का नेक कार्य करेगी तो यह स्वतंत्रता सेनानियों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उपाध्याय ने कहा कि महाराणा प्रताप एक क्षत्रिय और वीर योद्धा थे, जिन्होंने राजपूताना की धरती पर जीवन भर संघर्ष किया और मुगलों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने अपने इतिहास में कई युद्धों में अपना गौरव लहराया। हमारे राजपूताना के इतिहास के पन्नों में महाराणा प्रताप का नाम सर्वोपरि है। वे राजसी और कुशल योद्धा थे और वे बचपन से ही वीर बहादुर थे। उन्होंने कहा कि यह न केवल हमारे युवाओं को बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी लंबे समय तक प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि इस पहल के पीछे हमारा उद्देश्य न केवल उनकी वर्षगांठ पर याद करना है बल्कि हर समय जब भी वहां से लोग गुजरे उन्हें याद करना है। उपाध्याय ने कहा कि एनडीएमसी हमारे संविधान में सड़कों के नामकरण में परिवर्तन के लिए उचित प्रक्रिया और दिशा-निर्देशों के अनुसार इस पर विचार करेगी।

NHPC में 16 से 31 मई तक 'स्वच्छता पखवाड़ा 2022' का आयोजन

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारत की अग्रणी जलविद्युत कंपनी, एनएचपीसी अपने निगम मुख्यालय और देश भर में स्थित अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों, परियोजनाओं और पावर स्टेशनों में भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार स्वच्छता पखवाड़ा 2022 मना रही है। इस अवसर पर श्री ए.के. सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी, श्री वाई.के. चौबे, निदेशक (तकनीकी), श्री आर.पी. गोयल, निदेशक (वित्त), श्री बिश्वजीत बासु, निदेशक (परियोजनाएं), एनएचपीसी के क्षेत्रीय कार्यालयों, परियोजनाओं और पावर स्टेशनों के प्रमुखों और निगम मुख्यालय के विभागाध्यक्षों ने 17 मई, 2022 पूर्वाह्न 11.00 बजे सभी एनएचपीसी कार्मिकों को स्वच्छता प्रतिज्ञा दिलाई। एनएचपीसी के कार्मिकों द्वारा mygov.in के ऑनलाइन प्लेज प्लेटफॉर्म पर भी स्वच्छता ई-प्रतिज्ञा ली जा रही हैं। इस पखवाड़े के दौरान, एनएचपीसी द्वारा अपने सभी कार्यस्थलों पर स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम, वृक्षारोपण/पौधारोपण, स्किट प्रस्तुति, सफाई किट/सेनेटरी पैड वितरण, स्वच्छता जागरूकता के लिए विशेष रैली, ड्राइंग/पेंटिंग प्रतियोगिता आदि गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

महिला स्वराज ने POCSO अपराधों के आरोपी को जमानत देने के बंबई उच्च न्यायालय के आदेश पर निराशा व्यक्त की

एक नाबालिग लड़के के यौन उत्पीड़न के मामले में बंबई उच्च न्यायालय का हालिया फैसला चिंताजनक है और ध्यान देने योग्य है। माननीय न्यायाधीश ने आरोपी को यह कहते हुए जमानत दे दी कि होंठों पर चुंबन और नाबालिग के निजी अंगों को छूना आईपीसी की धारा 377 के तहत अप्राकृतिक अपराध नहीं है। यह देखते हुए कि यहां पीड़ित नाबालिग है और मामले को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत निपटाया जाना है, ऐसा आदेश चौंकाने वाला है। खास तौर पर जब अमेरिका स्थित नेशनल सेंटर फ़ॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रन की एक रिपोर्ट के आधार पर इंटरपोल ने आगाह किया था कि, 2017 में भारत में 24 लाख से अधिक बच्चों को यौन शोषण का सामना करना पड़ा था, और 2020 तक मामले और बढ़ जाएंगे। सितंबर 2021 में जारी एनसीआरबी के आंकड़ों में कहा गया है कि POSCO अधिनियम के तहत देश भर के 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में 47,221 मामले दर्ज किए गए थे। जहां ज्यादातर मामले लड़कियों के यौन शोषण के हैं, वहीं नाबालिग लड़कों के शोषण के मामले भी बड़े पैमाने पर सामने आ रहे हैं। POCSO अधिनियम का मूल उद्देश्य ही हमारे बच्चों को यौन शोषण से बचाना और अपराधों के प्रति सख्ती बरतना है। POCSO अधिनियम के सिद्धान्तों में यह मानना भी है कि, भले ही दुर्व्यवहार करने का सिर्फ इरादा रहा हो और किसी भी कारण से वह असफल रहा हो, फिर भी अपराधी को दंडित किया जाना चाहिए। गुड टच से बैड टच का भेद करने में मदद के लिए स्कूलों के माध्यम से नाबालिगों में जागरूकता पैदा करने की मांग बढ़ रही है। ऐसी परिस्थितियों में, बंबई उच्च न्यायालय के बयान निराशा और घबराहट पैदा करते हैं। यह वास्तव में पहला उदाहरण नहीं है जब न्यायपालिका के कुछ वर्गों द्वारा यौन अपराधों को हल्के में लिया गया है। जनवरी 2021 में बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने POCSO अधिनियम के तहत यौन उत्पीड़न की व्याख्या में केवल यौन इरादे से त्वचा से त्वचा के संपर्क को शामिल किया। मार्च 2021 में, एक युवती को न्यायिक कार्यवाही के दौरान उनके खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी के संबंध में भारत के माननीय मुख्य न्यायधीश श्री बोबडे को पत्र लिखना पड़ा। जहां हमारी न्यायपालिका ने लैंगिक न्याय को कायम रखने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं, वहीं ऐसी घटनाएं पितृसत्तात्मक मानसिकता और संवेदनहीनता को दर्शाती हैं। पीड़ित व्यक्ति को ऐसे आघात से गुजरना पड़ता है जिसे वह जीवन भर झेलता/झेलती है। महिला स्वराज भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश से अपील करती है कि वे POSCO अधिनियम के प्रावधानों पर समझ बनाने के लिए न्यायपालिका के भीतर एक संवाद शुरू करें, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि स्वेच्छित व्याख्याओं को कम से कम किया जाए, और न्याय प्रक्रिया और भावना दोनों में दिया जाए।

केजरीवाल सरकार ने किया दिल्ली के रोडसाइड ग्रीन कवर को बढ़ाने के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स का गठन, रोड ओनिंग एजेंसीज से रोडसाइड ग्रीन कवर एरिया बढ़ाने से सम्बंधित 15 दिनों में मांगी रिपोर्ट

रोड डस्ट प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी रोड ओनिंग एजेंसीज को एक्शन प्लान बनाने के दिए गए निर्देश : गोपाल राय

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज दिल्ली सचिवालय में दिल्ली के रोडसाइड ग्रीन कवर को बढ़ाने के लिए सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय संयुक्त समीक्षा बैठक की गई 7 इस बैठक में वन विभाग, पीडब्लूडी ,डीएसआईआईडीसी , एमसीडी और अन्य सम्बंधित रोड ओनिंग एजेंसीज के अधिकारी मौजूद रहें। दिल्ली के रोडसाइड ग्रीन कवर को बढ़ाने के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है। डस्ट प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी रोड ओनिंग एजेंसीज को रोडसाइड ग्रीन कवर बढ़ाने के लिए 15 दिनों में रिपोर्ट बनाने के लिए भी निर्देश जारी किए गए हैं।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि समर एक्शन प्लान के 14 बिंदुओं में शामिल दिल्ली के रोडसाइड ग्रीन कवर बढ़ाने के लिए आज दिल्ली सचिवालय में सभी सम्बंधित विभागों के साथ संयुक्त समीक्षा बैठक की गई। इस बैठक के दौरान सभी रोड ओनिंग एजेंसीज को दिल्ली में बढ़ रहें डस्ट प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एक्शन प्लान बनाने के निर्देश जारी किए गए हैं। सभी रोड ओनिंग एजेंसीज दिल्ली में मौजूद रोडसाइड ग्रीन कवर की उपलब्धता का निरीक्षण करेंगी। साथ ही रोड मैपिंग के ज़रिए यह भी पता लगाया जाएगा की किस क्षेत्र में कितना और किस तरह का ग्रीन कवर मौजूद हैं। जिसे बेहतर और ख़राब के वर्ग में विभाजित कर, आगे की कार्रवाही की जाएगी। इसके साथ साथ उन जगहों की भी मैपिंग होगी जहाँ ग्रीन कवर बिलकुल ना के बराबर हैं।

उन्होंने बताया कि इस तरह की रोड मैपिंग के ज़रिए सभी रोड ओनिंग एजेंसीज को एक्शन प्लान तैयार करना हैं।

जिसकी रिपोर्ट अगले 15 दिनों में विभाग को सौंपी जाएगी। जिसके अनुसार ही दिल्ली के ग्रीन कवर को बढ़ाने के लिए आगे का एक्शन प्लान बनाया जाएगा।

रोडसाइड ग्रीन कवर की निगरानी के लिए सेंट्रल मॉनिटरिंग टीम का गठन

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली में रोड साइड ग्रीन कवर को बढ़ाने के लिए पीडब्लूडी को पहले ही निर्देश जारी किए जा चुके हैं। साथ ही अन्य रोड ओनिंग एजेंसीज को भी इसमें सम्मिलित करने के आदेश आज जारी किए गए हैं। जिसके तहत दिल्ली में रोडसाइड ग्रीन कवर बढ़ाने के लिए जिला स्तर पर भी टीमें तैनात की गई है 7 साथ ही एक सेंट्रल मॉनिटरिंग टीम का भी गठन करने का पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिया गया है , जिसमें पीडब्लूडी एनडीपीएल , दिल्ली जल बोर्ड , बीएसईएस आदि सम्बंधित विभागों के अधिकारी भी शामिल होंगे। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि रोडसाइड ग्रीन कवर बढ़ाने के इस एक्शन प्लान का दिल्ली के पर्यावरण सुधारने और प्रदुषण नियंत्रण करने में एक एहम भूमिका रहेगी।

सुखी पड़ी यमुना, हरियाणा सरकार नहीं छोड़ रही दिल्ली के हिस्से का पानी

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। यमुना में लगातार घटते जलस्तर को देखते हुए दिल्ली जल मंत्री श्री सत्येंद्र जैन ने मंगलवार को वजीराबाद बैराज का स्थलीय निरीक्षण किया। साथ ही यमुना नदी में हरियाणा सरकार द्वारा कम पानी छोड़ने की वजह से वजीराबाद और चंद्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से पानी का उत्पादन प्रभावित होने पर चिंता जाहिर की। हरियाणा सरकार द्वारा कम पानी छोड़े जाने के कारण वजीराबाद बैराज में जलस्तर सामान्य 674.5 फुट से घटकर इस साल के न्यूनतम स्तर 669 फुट (समुद्र तल से 5.5 फीट नीचे) पर पहुंच गया है। जल मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि वजीराबाद तालाब दिल्ली का सबसे महत्वपूर्ण जलाशय है। यह उत्तरी और पश्चिमी दिल्ली के लिए पानी के प्रमुख स्त्रोतों में से एक है। वर्तमान में हरियाणा से पानी की कम निकासी के कारण दिल्ली के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स अपनी कैपेसिटी से कम क्षमता पर काम कर रहे हैं। नतीजतन वजीराबाद डब्ल्यूटीपी में पानी का उत्पादन 60-70 एमजीडी कम हो गया है। हरियाणा सरकार द्वारा दिल्ली के लोगों के हिस्से का पानी रोके जाने के चलते यमुना सूख गई है।

इस वजह से महत्वपूर्ण है वजीराबाद बैराज

दिल्ली एक लैंडलॉक शहर है। यहां ज़्यादातर पानी की आपूर्ति पड़ोसी राज्यों से आने वाली नदी से होती है। यूपी गंगा के पानी की आपूर्ति करता है और हरियाणा से यमुना के पानी की आपूर्ति होती है। वहीं, पंजाब के भाखड़ा नंगल से भी कुछ पानी मिलता हैं। इनमें सबसे ज्यादा पानी की आपूर्ति हरियाणा से होती है। यमुना दिल्ली में वजीराबाद बैराज से 15 किमी ऊपर पल्ला में प्रवेश करती है, जो दिल्ली का एक मुख्य जलाशय है। बता दें, वजीराबाद बैराज को साल 1959 में उत्तरी दिल्ली में यमुना नदी पर बनाया गया था।

बैराज एक विशेष प्रकार का बांध होता है, जिसमें बड़े-बड़े द्वारों की श्रंखला होती है। बैराज द्वारा नदियों के प्रवाह तथा उनके जलस्तर को नियंत्रित किया जाता है। इस साल वजीराबाद तालाब का जलस्तर गिरकर इस साल के न्यूनतम 669 फुट के स्तर पर आ गया है। इस संबंध में दिल्ली जल बोर्ड की ओर से लगातार हरियाणा सिंचाई विभाग से स्थिति में सुधार की मांग की जा रही है, लेकिन हरियाणा सराकर की तरफ से कोई सुध नहीं ली जा रही है।

हरियाणा सरकार दिल्लीवालों को उनके हिस्से का पर्याप्त पानी नहीं दे रही है- सत्येंद्र जैन

जल मंत्री श्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा पर्याप्त पानी की आपूर्ति न किए जाने के कारण वजीराबाद बैराज में पानी का स्तर बेहद कम हो गया है। बता दें कि यमुना का जलस्तर यदि 1 फीट भी नीचे चला जाता है तो दिल्ली में पानी की भारी किल्लत हो जाती है क्योंकि दिल्ली अपने पीने कि पानी कि पूर्ति का बड़ा हिस्सा यमुना से ही लेती है। दिल्ली की बढ़ती आबादी के साथ ही पानी की मांग भी बढ़ गई है।

पानी का एक बढ़ा हिस्सा वजीराबाद और चंद्रावल वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से आता है। आज यमुना का जलस्तर 669 फुट पर पहुंच गया है, क्योंकि हरियाणा ने दिल्ली के हिस्से का पानी रोक रखा है। हरियाणा द्वारा पानी की निरंतर सप्लाई में बाधा आने से दिल्लीवालों को उनके हिस्से का पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है जोकि उनका मूल अधिकार है। हरियाणा सरकार द्वारा दिल्ली के नागरिकों के लिए पानी की आपूर्ति में बाधा उत्पन्न की जा रही है। वे हमें हमारे हिस्से का पानी नहीं दे रहे हैं।

दिल्ली के कई हिस्सों में जलापूर्ति हो रही है प्रभावित

जल मंत्री श्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में सीधे यमुना से पानी लेकर ट्रीट किया जाता है, यह पानी हरियाणा द्वारा वजीराबाद बैराज की ओर छोड़ा जाता है। इस पानी को ट्रीट करने के बाद दिल्ली के लोगों के घरों में सप्लाई होती है। आमतौर पर यह नदी पूरी तरह से भरी होती है।

लेकिन आज स्थिति यह है कि नदी सूख गई है। क्योंकि हरियाणा ने दिल्ली के हिस्से का पानी रोक रखा है। हरियाणा सरकार के इस कदम के चलते दिल्ली के कई इलाकों में पानी की सप्लाई प्रभावित हो रही है। यहां तक कि दिल्ली के सिविल लाइंस, हिंदूराव अस्पताल क्षेत्र, कमला नगर, शक्ति नगर और करोल बाग के आसपास के क्षेत्र, पहाड़गंज, ओल्ड और न्यू राजिंदर नगर, पटेल नगर, बलजीत नगर, इंद्रपुरी और आसपास के क्षेत्रों में भी इस दौरान जलापूर्ति प्रभावित हो रही है।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस मुंडका अग्निकांड की हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की निगरानी में जांच की मांग करती है : चौ0 अनिल कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि मुंडका में बनी अवैध बिल्डिंग में 13 मई को आग लगने के कारण 30 निर्दोष गरीब लोगों की मौत हो गई, जिसके लिए पूरी तरह अरविन्द केजरीवाल सरकार जिम्मेदार है क्योंकि बिल्डिंग को दमकल विभाग से एन.ओ.सी. नही मिलने के बावजूद बिल्डिंग चल में औद्योगिक गतिविधियां भ्रष्टाचार के तहत चलाई जा रही थी। प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस की ओर से मांग की कि मुंडका में हुई दर्दनाक घटना की हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की निगरानी में जांच की जानी चाहिए। चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने मुंडका के अग्निकांड के घटना स्थल का दौरा सिर्फ औपचारिकता निभाने के लिए किया और वहां जाकर पश्चिम विभाग जिले के जिला अधिकारी को जांच के लिए नियुक्ति की घोषणा करने के निर्देश दे डाले। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की दिल्ली सरकार ने इस अवैध बिल्डिंग में शराब के ठेके खोलने की अनुमति कैसे दे दी जबकि भाजपा शासित उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने अवैध शराब के ठेके को निगरानी समिति से डी-सील करवाया। अवैध बिल्डिंग को बिजली पानी कनैक्शन कैसे मिला, यह जांच के लिए गंभीर विषय है। चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस केजरीवाल सरकार के अंतर्गत जिलाधिकारी स्तर पर जांच का विरोधी करती है। हमारा मानना है कि जिला अधिकारी प्रोफेशनल तरीके से पूरे मामले की जांच करने में केजरीवाल सरकार की कठपुतली के रुप में काम करेगा। दिल्ली कांग्रेस हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज द्वारा जांच की मांग कर रही है। उन्होंने कहा कि घटना स्थल पर फायर टेंडर आखिर डेढ़ घंटे लेट क्यों पहुॅचा, जिसके प्रत्यक्षदर्शी गवाह है। केन्द्र सरकार द्वारा एनडीआरएफ की टीम को भेजने में 7 घंटे की देरी की जांच भी होनी चाहिए। मुंडका अग्निकांड के मृतकों की अस्पताल में मौत कैसे हुई इसकी भी जांच की जानी चाहिए। चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि केजरीवाल तथा भाजपा के मेयर सहित दिल्ली सरकार के मंत्री दोनो पार्टियों के बड़े-बड़े नेताओं को बचाने के लिए जिलाधिकारी स्तरीय जांच में टर्म एवं कंडीशन डालकर जांच का दायरा जानबूझ कर संकुचित किया गया है।

मुंडका अग्निकांड में मारे गए 27 लोगों के सिलसिले में निगम के तीन अधिकारी सस्पेंड

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने मुंडका गांव में फैक्टरी अग्निकांड में मारे गए 27 लोगों की मौत के मामले में लाइसेंसिंग विभाग के निरीक्षक सहित तीन अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। इनमें लाइसेंसिंग विभाग के अलावा सामान्य शाखा और हाउस टैक्स विभाग के अधिकारी शामिल हैं। निगम अधिकारियों का कहना है कि यह फैक्टरी लाल डोरा की जमीन पर चल रही थी।

मुंडका अग्निकांड में जिन निगम अधिकारियों को निलंबित किया गया है उनमें संदीप कौशिक लाइसेंसिंग निरीक्षक, हाउस टैक्स विभाग के विभागीय अधिकारी बीआर मीणा तथा एक अधिकारी सामान्य शाखा में कार्यरत हैं।

तीनों अधिकारियों को मंगलवार शाम को निलंबित किया गया है। बताया गया कि तीनों अधिकारी नरेला जोन में हैं। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के सूचना निदेशक ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मुंडका गांव की यह इमारत लाल डोरा की जमीन पर बनी है और यह 376.25 स्वेक्यर मीटर का प्लाट है। इस इमारत में एक बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और उसके बाद पहली मंजिल से चार मंजिल का निर्माण किया गया था। इस इमारत का मालिक मनीष लाकड़ा है। मनीष लाकड़ा ने पहली तथा तीसरी मंजिल को हरीश गोयल और उसके भाई को किराये पर दिया था।

निगम अधिकारियों का कहना है कि जांच में पता चला है कि नरेला जोन के तहत आने वाली इस इमारत का निर्माण करीब 11 साल पहले किया गया था। उस समय एकीकृत दिल्ली नगर निगम होता था और यह सम्पत्ति नजफगढ़ जोन में आती थी। उस समय नजफगढ़ जोन के अधिकारियों ने इस सम्पत्ति को आठ मार्च 2011 तथा 26 जून 2011 को बुक किया था।

भाजपा केशवपुरम जिला में दिल्ली सरकार के विरुद्ध 'पोल खोल अभियान' में प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने किया घर घर सम्पर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी द्वारा दिल्ली में केजरीवाल सरकार की वायदा खिलाफी और झूठ का पर्दाफाश करने के लिए पोल खोल अभियान शुरू किया गया है। जिसके माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता दिल्ली के 25 लाख घरों में जा कर सम्पर्क करेंगे पत्रक दे संवाद करेंगे।

भाजपा जिला केशव पुरम के मीडिया प्रभारी विनोद शर्मा ने बताया कि पोल खोल अभियान के तहत मंगलवार को जिले में प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता का रहना हुआ जिन्होंने जिले की त्रिनगर विधानसभा के त्रिनगर मण्डल , शकूरबस्ती विधानसभा के रानीबाग मण्डल और शालीमार बाग विधानसभा के शालीमार बाग दक्षणी मण्डल में स्थानीय कार्यकर्ताओं व जिला व मण्डल पदाधिकारियों और पार्षदो के साथ पोल खोल अभियान में घर घर जा

लोगों को पम्पलेट देने के साथ संवाद के द्वारा केजरीवाल सरकार के झूठ की पोल खोली। इस दौरान आदेश गुप्ता के साथ चाँदनी चौक लोकसभा से अभियान के प्रभारी अनिल गुप्ता , जिला प्रभारी श्याम शर्मा और जिला अध्यक्ष राजकुमार भाटिया साथ थे।

प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने बताया कि केजरीवाल ने अपने सात साल के शासन में दिल्लीवासियों से केवल झूठ बोला और झूठे वायदे कर ठगा है। उन्होंने अपने किए एक भी वायदे को पूरा नही किया। उन्हीं के झूठ को उजागर कर जनता तक पहुँचा उसकी पोल खोलने का अभियान है। केजरीवाल ने 12 लाख नोकरी का वायदा करने वाले केवल 440 ही नोकरी दे पाए। हर घर व झुग्गी में नल पहुँचाने का वायदा तो दूर वो साफ पानी तक देने में नाकामयाब हैं। उन्होंने 20 नए हॉस्पिटल व 500 नए स्कूल बनाने की बात की थी लेकिन एक भी नया होस्पिटल व स्कूल नही बनाया। दिल्ली की जनता को आयुष्मान की योजना से अब तक दूर रखा है। दिल्ली में ग्यारह हजार बस लाने की बात कही पर एक भी बस अभी नही दे पाए। अब भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता एक एक घर जाकर केजरीवाल का असली चेहरा जनता के सामने ला उसकी हकीकत बयान कर रहे हैं।

जिला अध्यक्ष राजकुमार भाटिया ने कहा कि ये हर भाजपा कार्यकर्ता का अभियान है जिसके मन मे केजरीवाल की नाकामियों को लेकर मन में आग जल रही है और हम सब मिलकर घर घर पहुँच केजरीवाल के झूठ को भाजपा के सच के साथ रूबरू कराएंगे। भाटिया ने आगे कहा कि ये अभियान महज एक पम्पलेट अभियान नही है, इसमें हर बिंदु पूरे तथ्यात्मक विवरण के साथ आर. टी. आई. द्वारा ली गई सूचना व विधानसभा में भाजपा के विधायकों द्वारा उठाए सवाल के जबाब के सच के साथ है।

मुंडका अग्निकांड की जिम्मेदार भाजपा, भाजपा की नार्थ एमसीडी गैर कानूनी तौर पर लाइसेंस देकर लालडोरा क्षेत्र में भाजपा नेता से चलवा रही थी फैक्ट्री : आतिशी

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने कहा कि मुंडका अग्निकांड की जिम्मेदार भाजपा है। भाजपा की नार्थ एमसीडी गैर कानूनी तौर पर लाइसेंस देकर लालडोरा क्षेत्र में भाजपा नेता से फैक्ट्री चलवा रही थी। भारतीय जनता पार्टी बताए कि कानून के मुताबिक लाल डोरा एक्सटेंशन में कमर्शियल गतिविधि संचालित नहीं हो सकती तो भाजपा नेता मनीष लाकड़ा को लाइसेंस कैसे मिला? उन्होंने कहा कि पूरी दिल्ली में भाजपा के पार्षद अवैध निर्माण करवा रहे हैं और अवैध लाइसेंस दे रहे हैं। भाजपा के भ्रष्टाचार से हो रहे अवैध निर्माण और अवैध लाइसेंस ने दिल्ली की जान-माल को ख़तरे में डाला है। आम आदमी पार्टी ? मांग करती है कि लालडोरा एक्सटेंशन में भारतीय जनता पार्टी की नगर निगम ने व्यावसायिक गतिविधि करने का लाइसेंस कैसे दिया, इसकी जांच कराई जाए।

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और विधायक आतिशी ने आज महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित किया। विधायक आतिशी ने कहा कि दिल्ली में 13 मई को एक बहुत बड़ी त्रासदी हुई। मुंडका की एक बिल्डिंग में आग लगी और 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। 27 लोगों में से सिर्फ 8 लोगों की पहचान हो पाई है। पूरी दिल्ली और पूरा देश जानना चाहता है कि इतनी बड़ी त्रासदी के लिए कौन जिम्मेदार है। ऐसा कैसे हो जाता है कि इतना अवैध निर्माण हो जाता है और व्यावसायिक गतिविधि संचालित होती है। इसके बावजूद कोई सवाल पूछने और कार्रवाई करने नहीं आता है।

उन्होंने कहा कि मुंडका की जिस इमारत में आग लगी वह लाल डोरा की एक्सटेंशन में जमीन थी। लाल डोरा की एक्सटेंशन में कोई भी व्यावसायिक गतिविधि संचालित करने की कानून के अनुसार अनुमति नहीं मिलती है। मुंडका की इस इमारत में कमर्शियल गतिविधि कैसे चल चल रही थी और किसने अनुमति दी थी। जिसकी वजह से 27 लोगों की जान चली गई। इस सवाल का जवाब हर दिल्ली वाले के पास है? कि वहां पर अवैध निर्माण किसने करवाया? वहां पर अवैध निर्माण और व्यावसायिक गतिविधि संचालित करने की अनुमति किसने दी? क्योंकि पूरी दिल्ली में अवैध काम करवाने वाले भारतीय जनता पार्टी के नेता और भाजपा के पार्षद हैं। पूरी दिल्ली में आज अवैध निर्माण होता है तो भारतीय जनता पार्टी के पार्षदों के आशीर्वाद के साथ होता है। अवैध निर्माण के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेता और भाजपा के पार्षद पैसे लेने आते हैं। अगर पूरी दिल्ली में कहीं पर अवैध व्यावसायिक गतिविधि होती है तो भारतीय जनता पार्टी के पार्षद और भाजपा का नगर निगम पैसे लेकर अनुमति देते हैं। मुंडका की इस इमारत के निर्माण में भी बिल्कुल वैसा ही हुआ है।

दस्तावेज पेश करते हुए विधायक आतिशी ने कहा कि मुंडका की इस इमारत को उत्तर दिल्ली नगर निगम ने व्यावसायिक गतिविधि करने की अनुमति दी। इस इमारत के मालिक मनीष लाकड़ा को व्यावसायिक गतिविधि चलाने के लिए लाइसेंस दिया गया। ? भारतीय जनता पार्टी से पूछना चाहती हूं जब कानून कहता है कि लाल डोरा एक्सटेंशन में कमर्शियल गतिविधि संचालित नहीं हो सकती तो यह लाइसेंस मनीष लाकड़ा को कैसे मिला? क्योंकि भारतीय जनता पार्टी के पास दो ही काम हैं पहला दिल्ली के लोगों से अवैध वसूली करना और दूसरा अपनी पार्टी के गुंडों-लफंगों को हर तरह से बचाना और समर्थन करना।

उन्होंने कहा कि इस इमारत के मालिक मनीष लाकड़ा भारतीय जनता पार्टी के नेता हैं। भाजपा नेता साहिब सिंह वर्मा के चाचा के साथ वह कैंपेन में दिख रहे हैं। मनीष लाकड़ा ने भारतीय जनता पार्टी का पटका पहना हुआ है। यह स्पष्ट है कि गैरकानूनी तरीके से मुंडका की इस इमारत में कमर्शियल गतिविधि चलाने का लाइसेंस भारतीय जनता पार्टी ने अपने नेता को दिया। अगर आज पूरी दिल्ली में देखने जाएंगे तो इस प्रकार के अवैध लाइसेंस अपने नेताओं, गुंडों और भाजपा के पार्षदों ने अवैध वसूली करके पूरी दिल्ली में बांटे हुए हैं। अगर दिल्ली में किसी भी इमारत में आग लग जाती है तो उसके लिए कौन जिम्मेदार होगा? अगर आज दिल्ली में कोई भी इमारत गिर जाती है, क्योंकि वहां पर अवैध निर्माण हुआ तो उसके लिए कौन जिम्मेदार होगा? उसके लिए सिर्फ भाजपा जिम्मेदार होगी। पिछले 15 साल से एमसीडी में भाजपा शासन कर रही है। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी हर प्रकार की अवैध गतिविधि उगाही और, जेब भरकर कर रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी? आज इस बात की जांच की मांग करती है कि लालडोरा एक्सटेंशन में भारतीय जनता पार्टी की नगर निगम ने व्यावसायिक गतिविधि करने का लाइसेंस कैसे दिया? भाजपा की नगर निगम ने इस प्रकार के कितने अवैध लाइसेंस दिए हुए हैं जो पूरी दिल्ली के लोगों की जान माल पर खतरा बने हुए हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने केजरीवाल सरकार से सभी वर्ग के बच्चों की ट्यूशन फीस माफ करने की मांग की

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास जैसे नीति को अपनाते हुए काम करती है, लेकिन दिल्ली की केजरीवाल सरकार तुष्टिकरण की राजनीति से पूरी तरह ग्रसित है। कांग्रेस की राह पर निकल पड़ी आम आदमी पार्टी भी देश को बहुत नुकसान पहुंचाने वाली है क्योंकि अब 'आप' की तुष्टिकरण की राजनीति शिक्षा तक पहुंच चुकी है। 12 मई को दिल्ली शिक्षा निदेशक द्वारा जारी किया गया सर्कुलर में पब्लिक स्कूलों से अल्पसंख्यक वर्ग के सभी बच्चों का कोरोना काल के दौरान दिए गए ट्यूशन फीस वापस करने का निर्देश दिया गया है जो सही नहीं है। इसलिए भाजपा यह मांग करती है कि केजरीवाल तुष्टिकरण की राजनीति से ऊपर उठकर इस आदेश को तुरंत वापस लें और सभी वर्ग के गरीब बच्चों के लिए ट्यूशन फीस माफ करने का नया ऑर्डर जारी करें। आदेश गुप्ता ने आज नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी के साथ एक संयुक्त प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म विशेष की राजनीति करने वाले केजरीवाल को इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि कोरोना काल के दौरान सभी मध्यमवर्गीय परिवार या निम्न मध्यम वर्गीय परिवार के अभिभावकों ने आर्थिक मार झेली है। दो साल के अंदर लोगों का काम धंधा मंदा पड़ गया। उन्होंने कोरोना काल के दौरान कई बार फीस कम करने की गुहार लगाई, लेकिन उनकी एक भी बात नहीं सुनी गई। उन्होंने कहा कि भाजपा खुद पैरेंट्स एसोसिएशन के साथ मिलकर धरना दिया लेकिन उसके बावजूद कोई राहत नहीं दी गई, लेकिन अब अल्पसंख्यकों की फीस कम करके शिक्षा पर राजनीति की जा रही है। आदेश गुप्ता ने केजरीवाल पर आरोप लगाते हुए कहा कि केजरीवाल दिल्ली को धर्म और मजहब के आधार पर बांट रहे हैं। पहले केजरीवाल सरकार द्वारा मस्जिदों के इमाम को सेलरी देने का काम किया गया। अगर आप सरकार चाहती तो समानता का व्यवहार करके मंदिर के पुजारियों और गुरुद्वारे के ग्रंथियों को भी सेलरी दे सकती थी, लेकिन ऐसा उन्होंने नहीं किया। उन्होंने कहा कि आखिर अनुसूचित जाति जनजाति के बच्चों की चिंता केजरीवाल क्यों नहीं कर रहे हैं आखिर उनके बच्चे कहां जाएंगे। भाजपा का एक ही प्रयास है कि देश समान व्यवस्था के आधार पर चले।

वक्फ की भूमि नही है ज्ञानवापी, व्यास परिवार और विश्वनाथ मंदिर की है पूरी जमीन

अकांशा ओझा

आज हर एक सनातनी हर्षोल्लास से भरा हुआ है लेकिन इस बीच शायद हम भूल रहे इस धर्म युद्ध के सबसे बड़े योद्धा व्यास परिवार को। आदरणीय पूजनीय स्व सोमनाथ व्यास को, आदरणीय पूजनीय स्व केदारनाथ व्यास को जिन्होंने 150 सालों से ज्ञानवापी की कानूनी लड़ाई लड़ी है। अनेक दुर्लभ पांडुलिपियां,ग्रंथों के रचयिता पूजनीय स्व केदारनाथ व्यास। ज्ञानवापी की संपत्ति पर मालिकाना हक और स्थापत्य स्व केदारनाथ व्यास के परिवार का रहा है। इन्ही व्यास परिवार की बदौलत सन् 1936 में दीन मोहम्मद को पूरे ज्ञानवापी में नमाज पढ़ने के दावे को नकार कर कोर्ट ने बैरंग लौटाया था और ज्ञानवापी परिक्षेत्र को वक्फ बोर्ड की संपत्ति होने के दावे से इंकार किया था। ज्ञानवापी परिसर और बाबा विश्वनाथ का यह विवाद सैकड़ों साल पुराना है.

साल 1991 में ज्ञानवापी मस्जिद के लोहे की बैरिकेडिंग के पहले यह पूरा इलाका खुला हुआ था, इसकी पुरानी तस्वीरें आज भी मौजूद हैं जिसमें ज्ञानवापी मस्जिद के पिछले हिस्से में एक मैदान जैसा था, जबकि मंदिर के खंडहर पर मस्जिद का निर्माण साफ दिखाई देता था। जब यह पूरी मस्जिद खुली थी तब इसका एक हिस्सा मंदिर के तौर पर भी इस्तेमाल होता था. काफी पहले से यहां विध्वंस के हिस्से में श्रृंगार गौरी की पूजा होती थी जिसके तस्वीर और प्रमाण आज भी मौजूद हैं. हालांकि, तब श्रृंगार गौरी की पूजा की इजाजत सिर्फ साल में एक बार ही दी जाती थी। मगर साल 1991 के बाद जब ज्ञानवापी परिसर को पूरी तरीके से लोहे के बड़े बैरिकेडिंग से घेर दिया गया और वहां सुरक्षा बलों के कैंप स्थापित कर दिए गए उसके बाद ना कोई श्रृंगार गौरी की पूजा कर पाता था और ना ही विध्वंस के उस हिस्से को खुली आंखों से देख पाता था। इस ज्ञानवापी परिसर को लेकर दो मामले– 1936 में सबसे पहले दीन मोहम्मद वर्सेस सेक्रेटरी ऑफ स्टेट का एक मामला है, जिसमें दीन मोहम्मद ने ज्ञानवापी मस्जिद और उसके आसपास की जमीनों पर अपना हक जताया था. इसका मूवी मुकदमा नंबर 62/ 1936 जोकि एडिशनल सिविल जज बनारस के यहां दाखिल हुई थी, तब की अदालत ने इसे मस्जिद की जमीन मानने से इनकार कर दिया. उसके बाद दीन मोहम्मद यह केस लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट गए और 1937 में जब फैसला आया तब हाई कोर्ट ने मस्जिद के ढांचे को छोड़कर बाकी सभी जमीनों पर व्यास परिवार का हक बताया और उनके पक्ष में फैसला दिया।

इसी फैसले में बनारस के तत्कालीन कलेक्टर का वह नक्शा भी फैसले का हिस्सा बनाया गया है जिसमें ज्ञानवापी मस्जिद के तहखाने का मालिकाना हक व्यास परिवार को दिया गया है. तब से आज तक व्यास परिवार ही ज्ञानवापी मस्जिद के नीचे के तहखाना का देखरेख करता है, वहां पूजा करता है और प्रशासन के अनुमति से वही तहखाने को खोल सकता है .आज भी उसमें मंदिर के ढेरों सामान रखे गए हैं.

1937 के इस फैसले में ही इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक नक्शा भी लगाया और उस नक्शे में बकायदा डॉटेड लाइंस के साथ मस्जिद की सीमा रेखा तय की

और उसके अलावा बाकी चारों तरफ की जमीन का फैसला विश्वनाथ मंदिर के व्यासपठ के महंत व्यास परिवार पक्ष में दिया। तब से ही मस्जिद की अपनी सीमा थी, जबकि बाकी आसपास की पूरी जमीन को व्यास परिवार को दे दिया गया. 1937 के बाद 1991 तक इस मामले में कोई विवाद नहीं हुआ। व्यास परिवार और उनके वकील के पास पिछले पौने दो सौ साल से लड़े गए मुकदमों की फेहरिस्त और फाइलों का पुलिंदा है। 1937 का मुकदमा दीन मोहम्मद का मुकदमा बाबा विश्वनाथ और ज्ञानवापी मस्जिद के बीच का सबसे अहम मुकदमा माना जाता है. इस मुकदमे की सुनवाई हाई कोर्ट तक चली, जिसमें हाई कोर्ट ने बहुत सारी बातें साफ कर दीं. यानी ढांचागत मस्जिद को छोड़कर तमाम जमीने व्यास परिवार की और बाबा विश्वनाथ मंदिर की होगी. मस्जिद के अलावा आसपास की किसी जमीन पर न तो नमाज हो सकेगी ना ही उर्स या फिर जनाजे की नमाज होगी।

बनारस के रहने वाले दीन मोहम्मद ने Civil Suit कोर्ट में दाखिल किया। Civil Suit 62 of 1936 में किया की जो सेटलमेंट प्लाट –9130 को (वास्तविक काशी विश्वनाथ का पूरा एरिया Revenue Record में 9130 के नाम से जाना जाता है.) वक्फ प्रॉपर्टी declare किया जाये और उन्हें नमाज पढ़ने का पूरा अधिकार दे दिया जाये। दूसरा पक्ष इस केस में ब्रिटिश सरकार थी , हिन्दुओ ने जब इस केस में पक्ष बनने की बात की तो उसे हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में ख़ारिज दिया गया। ब्रिटिश सरकार ने लिखित रूप में कोर्ट में हलफनामा दायर किया और Paragraph –2 में यह लिखा की यह परिसर वक्फ प्रॉपर्टी नहीं है। (यहाँ आप को जान लेना चाहिए की किसी Valid मस्जिद होने के लिए कोई भी स्थान वक्फ संपत्ति होना चाहिए)

Paragraph –11 में लिखा है की यहाँ की मूर्तिया मुगलकाल के पहले से यहाँ है।

Paragraph –12 इस सम्पत्ति का मालिक औरंगजेब नहीं था। और इस्लामिक द्यङ्ग2 के मुताबिक यह अल्लाह को Dedicate नहीं किया जा सकता। दावेदारों की ओर से सात, ब्रिटिश सरकार की ओर से 15 गवाह पेश हुए थे। सब जज बनारस ने 15 अगस्त 1937 को मस्जिद के अलावा ज्ञानवापी परिसर में नमाज पढने् का अधिकार नामंजूर कर दिया था।

दीन मोहम्मद इससे खुश नहीं हुए और फिर उन्होंने हाई कोर्ट में Suit दायर किया जिसका Appeal No – 466 of 1937 जिसका फैसला आया। 1942 SCC OnLine Allahabad/ Page No. 56 के Paragraph–5 में ये HOLD किया है की यहाँ मंदिर तोड़ी गई है। और Paragraph–16 में HOLD किया है की यह वक्फ सम्पति नहीं है.और नमाज पढ़ लेने से किसी स्थान पर आप का उस पर हक़ नहीं हो जाता।

साल 1937 से लेकर 1991 तक दोनों पक्षों में कोई विवाद नहीं हुआ. मुसलमान अपनी मस्जिद में जाते थे, जबकि हिंदू अपने मंदिरों में। हालांकि यह मस्जिद भी 1991 तक विरान ही पड़ी रही, जिसमें इक्के दुक्के मुसलमान ही नमाज अदा करते थे लेकिन बाबरी विध्वंस के बाद से यहां अचानक नमाजियों की संख्या काफी बढ़ गई और तब से यहां हर रोज नमाज होती भी है.

1991 में व्यास परिवार की ओर से स्वामी सोमनाथ व्यास ने एक मुकदमा दर्ज कराया और उन्होंने ज्ञानवापी मस्जिद को आदि विशेश्वर मंदिर कहते हुए इसे मंदिर को सौंपने का मामला दर्ज कराया. 1991 से लेकर यह मामला अभी तक चल रहा है और इसी मामले में सुनवाई करते हुए 1996 में पहली बार अदालत ने कोर्ट कमिशन बनाया था और पहला सर्वे 1996 में किया था.

इस मुकदमे में सोमनाथ व्यास की तरफ से विजय शंकर रस्तोगी वकील थे. बाद में सोमनाथ व्यास की मृत्यु के बाद वह वादी मित्र होकर इस मामले की पैरवी कर रहे हैं।

मस्जिद के ढांचे को मंदिर या मूल विश्वेश्वर मंदिर कहकर अदालत में याचिका लगाई गई तो उसमें कई तस्वीरें भी लगाई गईं। वह तमाम तस्वीरें उस विध्वंस किए गए ढांचे की हैं, जो मंदिर दिखाई देता है। मंदिर के विध्वंस पर बनी मस्जिद की कई तस्वीरें अदालत में सुबूत के तौर पर संलग्न की गईं और उसी को देखते हुए साल 1996 में एक सर्वे कमीशन बनाया गया था. इस केस की सुनवाई के दौरान बनारस की अदालत ने इसमें एएसआई से खुदाई का आदेश दिया था। आदि विशेश्वर मंदिर% को तोड़कर बनाया गया है इसका नक्शा भी 1937 में तत्कालीन बनारस के डीएम ने अदालत में सौंपा था. जिस जमीन पर या जिस ढांचे पर आज ज्ञानवापी मस्जिद खड़ी है उस ढांचे का नक्शा पहली बार अदालत में पेश किया था और उस नक्शे में कई चीजें साफ–साफ लिखी हैं. मसलन यह पहला और एकमात्र ऐसा नक्शा है जो दिखाता है कि मंदिरनुमा कोई ढांचा रहा है जिसके बड़े हिस्से पर मस्जिद बनी है, बकायदा डॉटेड लाइन से इस नक्शे पर मस्जिद के हिस्से को दिखाया गया है। पूजनीय स्व केदारनाथ व्यास 2020 में इहलोक गमन कर गये।

आज भले इन्हें सारा देश ना जानता हो। आज भले स्वयं को सनातनी कहने वाले लोंगों को इनका योगदान और नाम तक ना पता हो लेकिन महादेव के इस सपूत का, व्यास परिवार का पूरी काशी श्रृणी रहेगी चिरकाल तक। महादेव के लोक में महादेव के पुत्र आज चिर निद्रा में सो रहे।

संपादकीय

फव्वारा प्रेमी यदि ठीक से देखेंगे तो ज्ञानवापी में शिवलिंग ही दिखाई देगा

नीरज कुमार दुबे

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में शिवलिंग मिलने की खबर से देश–विदेश के करोड़ों हिंदुओं में उल्लास का माहौल है लेकिन मुस्लिम पक्ष और बड़बोले बयान देने वाले नेता असद्दुदीन ओवैसी शिवलिंग को फव्वारा बता रहे हैं। लेकिन हम यहां फव्वारा प्रेमी ओवैसी जैसे लोगों को बताना चाहेंगे कि पौराणिक ग्रंथों में जहां शिवलिंग होने का उल्लेख किया गया है एकदम वहीं पर शिवलिंग मिले हैं। नंदी बाबा वर्षों से बैठे–बैठे जिस ओर देख रहे हैं, वहीं भोले बाबा मिले हैं। इस समय सोशल मीडिया पर ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के वायरल हो रहे वीडियो को जरा गौर से देखिये। इस वीडियो की क्वालिटी सही नहीं होने के बावजूद कोई भी इसे देखकर बता देगा कि वहां तो शिवलिंग है। जो इसे फव्वारा बता रहे हैं क्या वह जानते नहीं कि फव्वारे में छेद होता है और उसमें नीचे से कोई पाइप भी होता है। जब इसमें नीचे पाइप नहीं है और ऊपर छेद नहीं है तो क्या यह कोई चमत्कारी फव्वारा था ? सवाल यह भी उठता है कि शिवलिंग को फव्वारा कहने वाले फव्वारा प्रेमी क्या इस फव्वारे को चलाकर दिखा सकते हैं ? जो लोग सर्वे के दौरान वहां मौजूद थे वह खुद बता रहे हैं कि वहां चिकने काले पत्थर का शिवलिंग था। मुगल काल में प्रमुख हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुँचाया गया इस इतिहास से सब परिचित हैं। मासिर–ए–आलमगिरी से लेकर वाराणसी वैभव तक में प्राचीन विश्वेश्वर मंदिर के विध्वंस का जिक्र है। यही नहीं जिस जगह शिवलिंग मिला है पौराणिक ग्रंथों में उसके वहीं पर होने की बात का उल्लेख भी है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष नागेंद्र पाण्डेय ने भी मीडिया से बातचीत में इस बात की पुष्टि की है कि पुराणों में स्पष्ट रूप से ज्ञानवापी मंदिर और वहां स्थित एक ज्योतिर्लिंग के बारे में विस्तार से उल्लेख है। उन्होंने कहा है कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वर्तमान ज्ञानवापी मस्जिद हमारे शास्त्रों में वर्णित मंदिर परिसर का एक हिस्सा था। अब मुस्लिम पक्ष कह रहा है कि हम जहां वर्षों से नमाज पढ़ रहे हैं वह हमारी मस्जिद हुई इसलिए हिंदू पक्ष का कोई दावा नहीं बनता। इस पर दो बातें हम कहना चाहेंगे। पहली यह कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदुओं के लिए पवित्र ज्योतिर्लिंग पर दूसरे पक्ष के लोग वजू करते रहे। दूसरी बात यह है कि किसी भी साफ जगह पर ही नमाज पढ़ी जा सकती है और सिर्फ मस्जिद में नमाज पढ़ने का कुरान में जिक्र नहीं है। ऐसे तो आप रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, सड़क आदि पर भी नमाज पढ़ते हैं तो क्या वह भी मस्जिद हो गयी ? किसी स्थान पर केवल नमाज पढ़ने से वह स्थान मस्जिद नहीं बन जाता है। स्वेच्छा से दान की जमीन या खरीदी हुई जमीन या निजी जमीन पर ही मस्जिद बन सकती है। इसके अतिरिक्त सब अवैध निर्माण है। इस्लामिक लॉ के अनुसार दूसरे समुदाय के धर्मस्थल पर मस्जिद नहीं बन सकती है वहीं हिंदू मान्यताओं के अनुसार जब तक विधि पूर्वक पूजन अर्चन के बाद मूर्ति का विसर्जन नहीं किया जाता तब तक वह स्थान मंदिर कहलाता है। इसलिए ज्ञानवापी मंदिर आज भी मंदिर है। चाहे गुंबद बदल दीजिये या मंदिर की दीवार तोड़ दीजिये, मंदिर हमेशा मंदिर ही रहता है। और अभी तो कमीशन की कार्रवाई में जो शिवलिंग मिला है वह मलबे से ढका हुआ होने के कारण 3–4 फीट ही दिखाई दे रहा है। संभावना है कि वो और भी बड़ा हो इसलिए मलबे को हटाकर और दरवाजे को खोलकर स्पष्ट शिवलिंग की रिपोर्ट सामने आना जरूरी है।

ब्रह्माण्ड के प्रथम पत्रकार भी माने जाते हैं देवर्षि नारद

मृत्युंजय दीक्षित

सृष्टिकर्ता प्रजापति ब्रहमा के मानस पुत्र नारद– महान तपस्वी, तेजस्वी, सम्पूर्ण वेदान्त एवं शस्त्र के ज्ञाता तथा समस्त विद्याओं में पारंगत हैं, वे ब्रहमतेज से संपन्न हैं। नारद जी के महान कृतित्व व व्यक्तित्व पर जितनी भी उपमाएं लिखी जायें कम हैं। देवर्षि नारद ने अपने धर्मबल से परमात्मा का ज्ञान प्राप्त कर लिया। वे समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए उपस्थित रहते थे। वे देव, दानव और मानव समाज के हित के लिये सर्वत्र विचरण करते हुए चिंतन व विचार मग्न रहते थे। देवर्षि नारद की वीणा से निरंतर नारायण की ध्वनि निकलती रहती थी। भगवदभक्ति की स्थापना तथा प्रचार के लिए ही नारद का अवतार हुआ। नारद चिरंजीवी हैं। नारद जी का संसार में अमिट प्रभाव है। देव, दानव, मानव सबके सत्कार्यों में देवर्षि नारद सहायक सिद्ध होते हैं। नारद जी पर श्री विष्णु की विशेष कृपा है। देवर्षि नारद त्रिकालदर्शी व पृथ्वी सहित सभी ग्रह नक्षत्रों में घट रही घटनाओं, चिंताओं व दुखों के ज्ञाता तो थे ही उनके मन में सभी प्रकार की कठिन से कठिन समस्याओं के समाधान भी चलायमान रहते हैं। देवर्षि नारद व्यास, वाल्मीकि, शुकदेव जी जैसे महँ ऋषियों के गुरू हैं। नारद ने ही प्रहलाद, ध्रुव, राजा अम्बरीष, आदि को भक्तिमार्ग पर प्रवृत्त किया। नारद ब्रहमा, शंकर, सनतकुमार, महर्षि कपिल, मनु आदि बारह आचार्यों में अन्यतम हैं। प्रचलित कथा के अनुसार देवर्षि नारद अज्ञात कुलशील होने पर भी देवर्षि पद तक पहुंच गये थे। बालक होते हुए भी उनके मन में चंचलता नहीं थी। नारद मुनिजनों की आज्ञा का पालन किया करते थे। नारद की सेवा से प्रभावित होकर मुनिगण उन पर अपनी कृपा रखने लगे। उनकी अनुमति प्राप्त करके वे बरतनों में लगी हुई जूठन दिन में एक बार खा लिया करते थे। इससे उनके जन्म के सारे पाप धुल गये। संतों की सेवा करते–करते उनका हृदय शुद्ध रहने लगा। भजन–पूजन में उनकी रूचि बढ़ती गयी। उनके हृदय में भक्ति का प्रादुर्भव हो गया। वे अपनी माता के साथ ब्राहमण नगरी में रहते थे। माता के कारण वे भी कहीं अन्यत्र नहीं जा सके। कुछ दिनों बाद एक दिन उनकी माता को सर्प ने काट लिया जिससे उनकी मृत्यु हो गयी नारद जी ने उसे विधि का विधान माना और गृह का त्याग करके उत्तर दिशा की ओर चल दिये। इसके बाद उन्होनें अपनी सतत साधना और तपस्या के बल पर देवर्षि का पद प्राप्त किया। किसी–किसी पुराण में देवर्षि नारद को उनके पूर्वजन्म में सारस्वत नामक एक ब्राहमण बताया गया है। जिन्होनें ओम नमो नारायणाय इस नारायण मंत्र के जाप से भगवान नारायण का साक्षात्कार किया। कालान्तर में पुन: ब्रह्मा जी के दस मानसपुत्रों के रूप में जन्म लिया। नारद शुद्धात्मा, शांत, मृदु तथा सरल स्वभाव के हैं। मुक्ति की इच्छा रखने वाले सभी लोगों के लिए नारद जी स्वयं ही प्रयत्नशील रहते हैं। नारद जी को ईश्वर के प्रत्यक्ष दर्शन होते थे। उन्हें ईश्वर का मन कहा गया है। वे परम हितैषी हैं उनका अपना कोई स्वार्थ नहीं हैं। वे प्रभु की प्रेरणा से निरंतर कार्य करते रहते हैं। नारद जी ने दक्ष प्रजापति के हयाष्व–शबलाक्ष नामक सहस्त्र पुत्रों को अध्यात्म तत्व का पाठ पढ़ाया। देवर्षि नारद ने सभी के लिये भगवदभक्ति का द्वार खोल रखा है। वे जीवमात्र के कल्याण के लिये भगवान नाम कीर्तन की प्रेरणा देते रहते हैं। देवर्षि नारद का वर्ण गौर सिर पर सुंदर शिखा सुशोभित है। उनके शरीर में एक विषेष प्रकार की उज्ज्वल ज्योति निकलती रहती है। वे देवराज इंद्र द्वारा प्राप्त श्वेत, महीन तथा दो दिव्य वस्त्रों को धारण किये रहते हैं। वे अनुषांगिक धर्मों के ज्ञाता हैं। नारद लोप, आगम, धर्म तथा वृत्ति संक्रमण के द्वारा प्रयोग में आये हुये एक–एक शब्द की अनेक अर्थो में विवेचना करने में सक्षम हैं। नारद जी ने कृष्ण युग में गोपियों का वर्चस्व स्थापित किया। प्रथम पूज्य देव गणेश जी को भी नारद जी का ही मार्ग दर्शन प्राप्त हुआ था। देवर्षि नारद स्वभावत: धर्म निपुण तथा नाना धर्मो के विशेषज्ञ हैं। वे चारों वेदों के ज्ञाता हैं। उन्होंने वैदिक धर्म की विभिन्न मर्यादाएं स्थापित की हैं। वे अर्थ की व्याख्या के समय सदा संशयों का उच्छेद करते हैं। नारद जी के द्वारा रचित अनेक ग्रंथों का उल्लेख मिलता है– जिसमें प्रमुख हैं नारद पंचरात्र, नारद महापुराण, वृहदरदीय उपपुराण, नारद स्मृति, नारद भक्ति सूत्र, नारद परिवाज्रकोपनिषद आदि। इसके अतिरिक्त नगरीय शिक्षा शास्त्र के साथ ही अनेक स्तोत्र भी नारद जी के द्वारा रचित बताये जाते है। नारद जी के सभी उपदेशों का निष्कर्ष हैं कि सर्वदा सर्वभाव से निश्चिन्त होकर केवल भगवान का ही भजन करना चाहिये।

मान गई तो जिंदा नहीं तो जलकर मरना है...

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

फिर किसी ने एकतरफा प्रेम में सात लोगों को जिंदा जला दिया। जलाने की चिंगारी जलने से शुरु होती है और जलने की प्रक्रिया में बाहर का जलना भीतर के जलने की तुलना में बेबस नजर आता है। वैसे ये बातें आँखोंदेखी–कानोंसुनी कलम की स्याही से लिखी जाती हैं। इसीलिए समाचार पत्र के पन्नों पर छपी ऐसी खबरों को पलटने में तकलीफ नहीं होती। भोगने वाले इसी को दर्द की स्याही से अपने मन–मस्तिष्क पर लिख लेते हैं। इसीलिए जिनके लिए यह एक सामान्य सी खबर बनकर रह जाती है, वही कुछ लोगों के जीवन में अरमानों की कब्र बनकर रह जाती है। दर्द की स्याही से लिखी बातों को समझने के लिए शब्दकोश की नहीं हृदय की आवश्यकता पड़ती है। शब्दकोश फलाँ अक्षर से आरंभ होकर फलाँ अक्षर तक जाकर समाप्त हो जाते हैं। दर्द के मामले में पदबंध के नियम भी धराशायी हो जाते हैं। न इसका भाषा भेद पहचाना जा सकता है, न वचन, न लिंग और न काल। यह तो इन सबसे परे है। जलना और जलाना भाषा, वचन, लिंग और काल से ऊपर है। चीखों की कोई भाषा नहीं होती। इसमें वचन नहीं बेचैन का बोलबाला होता है। लिंग तो मात्र पहचान है, वास्तव में जलना और जलाना उसका प्रारब्ध है। काल की दृष्टि से यह अतीत और भविष्य के साथ साथ शोरगुल का कलकल है।

प्रेम की दाल में जोर–जबरदस्ती का तड़का लग जाए तब उसमें से खुश्बू नहीं जलने की बू आने लगती है। एकतरफा प्रेम यह मान लेता है कि उसका प्रेम हर हाल में स्वीकार्य होना चाहिए। बाजार में स्वीकार्य बनाने की कई सुविधाएँ उपलब्ध हैं। माचिस, तेल, चाकू, तलवार, एसिड, फंदा और जहर ऐसे एकतरफाओं के शब्दकोश में मोटे और गहरे स्याही में छपे पड़े होते हैं। इनके लिए किसी पादटिप्पणी की आवश्यकता नहीं पड़ती। ये अपने आप में इतने व्याप्त हैं कि बेबसों की बेबसी को बस्साने पर मजबूर कर देते हैं। इनके हिसाब से प्रेम का मतलब एक–दूसरे को काटकर खा जाना है। यह एक ऐसा रसायन है जो शरीर के कार्बन को इतना काला कर देता है कि एकतरफा प्रेमी का नाम जो भी हो वह नाम से काला, काम से काला और खून से भी काला होता है। इनके प्रेम के सात चरण होते हैं– पहला वासना दूसरा जबरन छीनने की चाह, तीसरा धमकाना, चौथा उठाकर ले जाना, पांचवा न मिलने पर ऊटपटांग सोचना, छठवां सनकी हरकतें करना और सातवा वासना की वस्तु न बनने पर जिंदा जला डालना। आज प्रेम करने वाले नहीं फ्रेम में चढ़ाने वाले मिल रहे हैं। जलती लाशों के बीच निकलने वाली सड़ांध को खुश्बू समझने वाले ये एकतरफा प्रेमी 'जिगर मुरादाबादी' को ढूंढ़ रहे हैं। उन्हें चुनौती देते हुए कह रहे हैं–

कौन कहता है ये इश्क नहीं आसां,
ज़रा हमसे मिलकर तो समझ लो तुम।
यह आग का जजीरा है,
मान गई तो जिंदा नहीं तो जलकर मरना है।

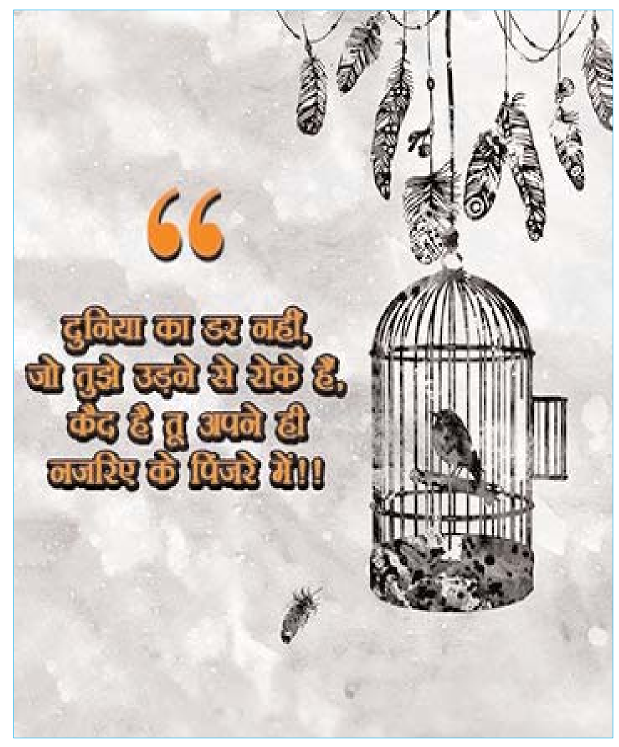

अबला नहीं दुर्गा रूप हो तुम, इसकी याद दिलाने का काम कर रहे प्रधानमंत्री मोदी

स्वाती सिंह

मानव जाति खुद का विकास करने में सक्षम है, यदि उसको कोई उसके बल की याद दिलाए। उसके कामों में आने वाले अर्थ आदि का व्यधान न रहे। उसके मार्ग में सुगमता दिखे। वह पुरूष हो या महिला सब खुद में एक नई कृति, नई सोच, नया कार्य करने की क्षमता रखते हैं। महिलाओं के बारे में तो इसे और सबल ढंग से कहा जा सकता है। महिलाओं को परिवार व समाज में माहौल मिल जाए तो कोई ऐसा काम नहीं है, जिसे वे पुरूषों की अपेक्षा बेहतर न कर सकें। वर्तमान सरकार यही कर रही है, महिलाओं को आत्मबल देने का काम।

दरअसल जब तक महिलाओं का विकास नहीं होता, तब तक राष्ट्र का संपूर्ण विकास कत्तई संभव नहीं है। राष्ट्र के विकास के लिए महिला का विकास होना जरूरी है। इस बात को ही शायद आजादी के बाद सरकारों ने नहीं समझा और महिला को सिर्फ अबला मानकर उसकी रक्षा के लिए कानून बनाकर मौन हो गयीं। इसे पहली बार समझने का काम किया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने। यही कारण है कि उनकी तमाम योजनाएं महिलाओं को आत्मबल देने पर केन्द्रित थी और हैं। यहां तक की आज तो सरकारी योजना के तहत मिलने वाले आवास की चाभी भी महिला को सौंपी जाती है। इसका एकमात्र कारण है महिलाओं में आत्मबल पैदा करना।

यदि कोई सदियों से घुंघट की घुटन में जी रहा हो, उसे तुरंत पर्दे से बाहर नहीं लाकर हम दौड़ा नहीं सकते। वैसे ही आत्मबल भी है। यह एक दिन का काम नहीं है, जिसे तुरंत हवा की तरह भरे और वह फुल गया। यह धीरे–धीरे चलने वाली प्रक्रिया है, जिसका प्रतिफल एक साल में दिखना तो शुरू हो जाता है लेकिन मूल परिणाम आने में दशकों लग जाते हैं।

किसी भी समाज के विकास के लिए पहली जरूरत होती है, शिक्षित होना। इसकी सोच प्रधानमंत्री ने पहले ही पाल रखी थी और सत्तासीन होते ही 22 जनवरी 2015 को उन्होंने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना की शुरूआत की। इसका मुख्य उद्देश्य बेटियों को उच्च शिक्षा प्रदान किया जाना, उन्हें सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ाना है। आज गांव–गांव में यह गूंज दिख जाती है, 'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ।卐

वहीं महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक मई 2016 को उज्ज्वला योजना की शुरूआत कर दी। गरीब परिवारों की महिलाओं को भी धुआं से मुक्ति दिलाना। इस योजना का परिणाम रहा कि पिछले पांच वर्षों में ही इस योजना के तहत पिछले 4 वर्षों में इस योजना के अंतर्गत लगभग 8 करोड़ एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। अब उपभोक्ताओं की संख्या 30 करोड़ के लगभग हो गयी है।

इसी तरह यूपी सरकार ने भी महिलाओं को समृद्ध बनाने की फिक्र करते हुए महिला सामर्थ्य योजना की शुरूआत 22 फरवरी 2021 को शुरूआत की। इसका उद्देश्य महिलाओं को रोजगार देकर उनमें आत्मबल पैदा करना है।

22 जनवरी 2015 को शुरू किये गये सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बेटियों के नाम बैंक खाता खुलवाने की प्रक्रिया शुरू की, जिससे बेटियों की शादी बोझ न बने। इसके अलावा सरकार ने फ्री सिलाई मशीन योजना, समर्थ योजना, सुरक्षित मातृत्व योजना की भी शुरूआत की।

समर्थ योजना के तहत वस्त्र उद्योग में महिलाओं को आत्मबल पैदा करना है। केन्द्र सरकार द्वारा 20 दिसम्बर 2017 में शुरू किये गये योजना में 18 राज्यों में तीन करोड़ से ज्यादा महिलाओं को वस्त्र उद्योग से संबंधित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस योजना के तहत प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को उद्योग करने पर सरकार सहायता भी करेगी। इन तमाम योजनाओं का एकमात्र उद्देश्य महिलाओं में आत्मबल पैदा करना है, जिससे वे खुद के पैरों पर खड़ी हो सकें। वे किसी पर बोझ नहीं, बल्कि किसी का बोझ कम करने में सहभागी की भूमिका निभा सकें।

सबसे ज्यादा ध्यान देने योग्य बात है कि देश और कई प्रदेशों की बागडोर महिलाओं के हाथों में भी रही है, लेकिन कभी महिलाओं ने महिला विकास पर ध्यान नहीं दिया। शायद इसका कारण यही रहा कि उनमें अहम की भावना कूट–कूट कर भरी थी। उन्होंने कभी महिला वर्ग की प्रताड़ना नहीं दिखी अथवा वे महिलाओं का उत्थान इस कारण से नहीं करना चाहती थीं कि वे सिर्फ उन्हें वोट बैंक के लिए प्रयोग करने की नीयत रखती थीं। यूपी में बसपा प्रमुख द्वारा कभी किसी महिला को मंत्रालय में तवज्जो न देना। इंदिरा गांधी जी द्वारा कभी महिलाओं के उत्थान के लिए काम न करना, इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

महिलाओं के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जितनी चिंता की, उतना किसी ने नहीं की। इसमें विशेषकर ऐसी पार्टी, जिसके प्रमुख महिलाएं हैं, उनके लिए शर्म की बात होनी चाहिए।

इस दृष्टि से महिलाओं की चिंता देखें तो घर–परिवार में भी कई बार महिलाओं की विरोधी महिलाएं ही हो जाती हैं। जैसे सास–पतोहू का झगड़ा। एक ही नारी का ननद के रूप में दूसरा व्यवहार तो भाभी के रूप में दूसरा व्यवहार हो जाता है। इस तरह की संस्कृति में भी धीरे–धीरे बदलाव आ रहा है लेकिन इसे और बदलने की जरूरत है। यह सब धीरे–धीरे होने वाली चीजें हैं। इसको भावनाओं में बदलाव लाकर ही बदला जा सकता है। किसी कानून से नहीं। प्रधानमंत्री ने इसी तरह से तमाम भावनाओं को भी बदलने का काम किया है, जिसका असर अब चारों तरफ दिख रहा है। जैसे अब प्रत्यक्ष रूप से सफाई अभियान का लाभ दिख रहा है।

पुरुष व महिला में यदि अंतर को देखें तो महिलाएं भावुक ज्यादा होती हैं। उन्हीं भावनाओं के कारण कई बार उनको ठगा भी जाता है, लेकिन यही भावना उनके लिए कई बार वरदान भी साबित होता है। जैसे बिजनेस में पुरूषों की अपेक्षा महिलाएं आगे रहती हैं। वहीं महिलाओं की एक और विशेषता है, वे शादी से पूर्व एक दूसरी भूमिका में रहती हैं और शादी होते ही मां की ममता को छोड़कर वे एक अजनबी घर में जाकर दूसरे आंगन को अपना बना लेती हैं।

ऐसे में उन्हें जरूरत पड़ती है एक छांव की, जो पति के रूप में उसे दिखता है। उसके मन में एक विश्वास होता है कि वहां कोई है, जो उसकी पीड़ा को समझेगा, लेकिन ऐसे में अपना सबकुछ छोड़कर दूसरे की छांव में आने वाले को यदि छांव की जगह कांटा मिल जाए तो जिंदगी तो दुश्वार बन ही जाएगी। उसके लिए जिंदगी की तड़पन तो असह्य हो ही जाएगी।

इस छांव का कांटा के रूप में तब्दील होने का कारण है, नासमझी। मन में पुरूष प्रधानता का हावी होना, महिला को दबा–कुचला समझा जाना। अपनी संस्कृति को भुलाकर कभी अर्द्धागंनी के रूप में वेदों में वर्णित महिला को सिर्फ भोग की सामग्री समझ बैठना। इन सबको नियंत्रित करने के लिए सरकार ने बहुत पहले से कानून बना रखे हैं लेकिन भावना की धारा को कभी कानून से रोका नहीं जा सकता। जैसे दहेज जैसी कुरीति को रोकने के लिए कठोर कानून के बावजूद समाज में क्या हो रहा है, यह सब जानते हैं। उसके लिए धीरे–धीरे संस्कृति में बदलाव की जरूरत है। महिला को आगे बढ़ाने की जरूरत है। महिला ससुराल में जाकर बोझ नहीं, वह पुरुष के लिए आत्मबल का काम करने वाली है, पुरूष को यह समझाने की जरूरत है।

इन्हीं सब चीजों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बखूबी समझा। यही कारण है कि उन्होंने सबसे पहले महिलाओं में आत्मबल पैदा करने की ठानी।

हर महिला मां दुर्गा का अवतार है, यह उसको याद दिलाने की ठानी। अपनी संस्कृति महिलाओं का सम्मान सीखाती है, यह बात जन–जन तक पहुंचाने की ठानी। महिलाएं पुरूषों से हर काम में बहुत आगे हैं, इस बात को बताने की ठानी। यही कारण है कि उन्होंने महिलाओं को तमाम योजनाएं लाकर उनके प्रति कृतज्ञता जाहिर की। उन्होंने महिलाओं को बताया कि तुम अबला नहीं, सबला हो। तुम उठो तो राष्ट्र उठेगा। यदि तू सो गयी तो राष्ट्र सो जाएगा।

लेखक उप्र सरकार की पूर्व मंत्री व महिला उत्थान कार्य से जुड़ी हैं।

शार्ट न्यूज

शादी के तीन साल बाद भी प्रेमी को नहीं भुला पा रही थी पत्नी, पति ने पंचायत बुलाकर दोनों का कराया विवाह

लालगंज(बलिया)। 'प्यार दीवाना होता है मस्ताना होता है...' हिन्दी फिल्म का यह गीत इस समय चरितार्थ होता दिखा जब एक विवाहिता ने शादी के तीन साल बाद अपने पुराने प्रेमी से शादी कर ली। पहले पति व उसके परिजनों के सहयोग से पंचों के समक्ष लालगंज मठिया पर दोनों ने एक-दूसरे को माला पहनायी और प्रेमी के घर चली गयी। दोकटी थाना क्षेत्र के बाबू के शिवपुर निवासी रवि की शादी वर्ष 2019 में बैरिया थाना क्षेत्र के नई बस्ती बाज राय के टोला में हुई थी। इसी बीच पता चला कि पत्नी का प्रेम प्रसंग पहले से ही दोकटी थाना क्षेत्र के दलकी नंबर दो निवासी एक युवक से चल रहा है। इसके बाद रवि और उसके परिजनों ने इस बारे में क्षेत्र के संभ्रांत लोगों के साथ ही विवाहिता के मायके वालों को बताया। पंचायत के लिए लोगों को बुलाया। विवाहिता के प्रेमी के घर वालों को भी बुलवाया। विवाहिता के पिता ने यह कहते हुए इस पंचायत में आने से इंकार कर दिया कि जैसा ससुराल वालों को उचित लगे करें। हमें लड़की से कोई मतलब नहीं। पंचायत में दोनों पक्षों से बातचीत के बाद निर्णय किया गया कि विवाहिता की शादी उसके प्रेमी शिवशंकर राम से कर दी जाय। पंचायत में मौजूद सभी लोगों ने इस पर सहमति जताई। पंचायत के निर्णय के अनुसार पंचायतनामा लिखकर प्रेमी युगल की शादी लालगंज मठिया पर करा दी गयी। प्रेमी के परिवार वाले वहीं से लड़की को अपने साथ लेकर चले गए।

जीजा बना हैवान, सात साल की मासूम के साथ किया दुष्कर्म

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आई है। यहां के एक गांव में जीजा ने कथित तौर पर सात वर्षीय अपनी साली के साथ दुष्कर्म किया है। उतरौला कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अनिल सिंह ने मंगलवार को बताया कि पीड़िता की मां की तहरीर पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी युवक रविवार को अपनी ससुराल आया था और अपनी पत्नी के साथ एक कमरे में था। इसी बीच उसकी सात वर्षीय साली अपनी बड़ी बहन को बुलाने आ गई। आरोप के अनुसार पत्नी के कमरे से जाते ही मासूम को अकेला पाकर जीजा ने बच्ची के साथ दुष्कर्म कर दिया। बच्ची की हालत बिगड़ने पर उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई में जुटी है।

बाहर सिटकनी लगाकर रिपोर्टर के आवास को आग के हवाले किया, पुलिस ने शुरू की जांच

बहराइच। बहराइच में अराजक तत्वों ने एक रिपोर्टर के मकान में सोमवार आधी रात को बाहर से दरवाजे में सिटकनी लगाकर आग लगा दी। धुंआ उठता देखकर पीड़ित ने तत्काल यूपी डायल 112 को काल किया। शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने आग पर काबू पा लिया। घटना के पीछे भूमि विवाद का मामला बताया जा रहा है। फखरपुर थाने के गजाधरपुर निवासी प्रमोद कुमार शुक्ला लखनऊ से प्रकाशित एक समाचार पत्र के ब्लाक प्रतिनिधि हैं। सोमवार रात लगभग 2:30 बजे वह अपने घर में सो रहे थे। इसी दौरान अराजक तत्वों ने उनके मकान के बाहर के दरवाजे में कुंडली लगाकर छप्पर में आग लगा दी। धुआं उठने पर वे जागकर बाहर की ओर भागे तो कुंडी बंद मिली। उन्होंने यूपी डायल 112 पर काल कर पूरी स्थित बताई। उन्होंने काल के बाद जोर जोर से शोर मचाया, तो आसपास के लोग वहां पहुंचे। उन्होंने पानी की बौछार कर तत्काल आग पर काबू पा लिया। फखरपुर एसएचओ वेद प्रकाश शर्मा ने बताया कि जानकारी मिली है। मौके पर जाकर तहकीकात की गई। तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर आने पर कार्रवाई की जाएगी। वारदात के पीछे भूमि विवाद बताया जा रहा है।

सहारनपुर : तालाब की 13 बीघा जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में जिला प्रशासन ने मंगलवार को स्थानीय तालाब की 13 बीघा जमीन को अतिक्रमण मुक्त करा दिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक जिले के नागल ब्लॉक स्थित ग्राम भनेड़ा खास में जिला मुख्य विकास अधिकारी, ब्लॉक नागल से बीडीओ अंबरीश कुमार व जेई और ग्राम प्रधान डॉ. राव शारिक के नेतृत्व में गांव तालाब की 13 बीघा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। प्रधान डॉ. राव शारिक ने बताया कि तालाब के रास्ते का चौड़ीकरण करने के साथ- साथ तालाब का नाम अमृत सरोवर रखा जायेगा। डा शारिक ने बताया कि तालाब का सौंदर्यकरण कराया जाएगा। तालाब की साफ़-सफाई एवं बिजली की लाइटों से और सुंदर पेड़-पौधों से सुसज्जित कराया जायेगा। इसके अलावा तालाब के पास एक रेस्टोरेंट, फौव्वारा, तालाब में कश्ती और जिम आदि की व्यवस्था भी कराई जायेगी। जिससे गाँव की जनता को सैर- सपाटे के लिए एक मनोरंजन युक्त स्थान मुहैया कराया जा सके।

उप्र के 25 जिलों में आपदा मित्र और आपदा सखी योजना को मिलेगा विस्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में किसी भी प्रकार की आपदा के दौरान जनसामान्य को तत्काल सहायता पहुंचाने के लिये आपदा मित्र और आपदा सखी तैनात किये जायेंगे। योगी सरकार ने राज्य में प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की योजना को अमलीजामा पहनाने के तहत यह पहल की है। राज्य सरकार की ओर से मंगलवार को जारी बयान के अनुसार बारिश, ओलावृष्टि, बाढ़ के दौरान होने वाले नुकसान को रोकने और लोगों की जान बचाने का मजबूत तंत्र स्थापित किया जा रहा है। इसके लिए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ मिलकर राज्य सरकार प्रदेश के 25 जनपदों में आपदा मित्र और आपदा सखी योजना को विस्तार देगी। योजना में जनपद के 18 से 40 आयु वर्ग के ऐसे वॉलेंटियर्स को प्राथमिकता दी जाएगी जो सिविल डिफेंस, होमगार्ड और कम्युनिटी सर्विस व तैराकी में अनुभव रखते हों। आपदा रिस्पॉस ऑपरेशन्स का उनको पूर्व का भी अनुभव होगा। आपदा मित्र और आपदा सखियों को बचाव के उपकरण व सेफ्टी किट से लैस किया जाएगा ताकि किसी भी आपदा से निपट सकें। इसके लिए उनको प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। योजना के तहत प्राकृतिक आपदा जैसे बारिश, बादल फटना, ओलावृष्टि आदि से प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान की जाएगी। प्रदेश सरकार राहत एवं आपदा प्रबंधन के लिए इस कार्ययोजना पर तेजी से काम कर रही है। सरकार इस योजना के तहत स्वयं सहायता समूह की 10 लाख महिलाओं को आपदा प्रबंधन के लिए प्रशिक्षण देगी। साथ ही आपदा प्रबंधन हेल्पलाइन 1070 को 112 हेल्पलाइन से इंट्रीग्रेटेड भी किया जाएगा।

शुभ संयोग जुड़ा है योगी का सरकारी आवास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पांच,कालीदास मार्ग स्थित सरकारी आवास कुछ मायनों में काफी शुभ रहा। यह सुखद संयोग रहा कि जबसे योगी मुख्यमंत्री बन कर यहाँ आये तब से यहाँ बड़ी बड़ी हस्तियां आ चुकी हैं वह भी प्रोटोकॉल से हटकर। सोमवार को जब पीएम नरेंद्र मोदी ने मंत्रियों के साथ मुलाकात और बैठक की, तब यह उनकी प्रधानमंत्री रहते दूसरी विजिट थी। इससे पहले पिछली बार जब प्रधानमंत्री मोदी मुख्यमंत्री आवास पहुंचे थे तो राष्ट्रपति चुनाव से पहले का मौका था। योगी के पहले कार्यकाल में 20 जून 2017 को प्रधानमंत्री मोदी पांच कालिदास मार्ग स्थित सीएम आवास पर आये थे। इसमें विपक्ष के नेताओं, धर्मगुरुओं सहित दूसरे खास मेहमान भी बुलाए गए थे। इसके तुरंत बाद राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद भी पांच कालिदास मार्ग पर पहुंचे थे। कोविंद 25 जून 2017 में जब राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार घोषित हुए थे तब वहां पर वो भाजपा एवं सहयोगी दलों के सांसदों और विधायकों का समर्थन मांगने योगी के घर पहुंचे थे। गौरतलब है कि 24 जनवरी 2018 को उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू भी अपने लखनऊ आगमन पर मुख्यमंत्री के सरकारी आवास गए थे।

ज्ञानवापी सर्वे प्रकरण सांप्रदायिक उन्माद पैदा करने की साजिश : ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड

लखनऊ। भारत में मुसलमानों के प्रमुख संगठन ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद में कथित रूप से शिवलिंग मिलने के बाद अदालत के आदेश पर मस्जिद का वजू खाना बंद कराए जाने को नाइंसाफी करार देते हुए कहा कि यह पूरा घटनाक्रम सांप्रदायिक उन्माद पैदा करने की एक साजिश से ज्यादा कुछ नहीं है।

बोर्ड के महासचिव खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने सोमवार देर रात जारी एक बयान में कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद, मस्जिद है और मस्जिद ही रहेगी। इसको मंदिर करार देने की कोशिश सांप्रदायिक उन्माद पैदा करने की एक साजिश से ज्यादा कुछ नहीं है। यह संवैधानिक अधिकारों और कानून के खिलाफ है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1937 में दीन मोहम्मद बनाम स्टेट सेक्रेटरी मुकदमे में अदालत ने जबानी गवाही और दस्तावेजों के आधार पर यह बात तय कर दी थी कि यह पूरा अहाता (ज्ञानवापी मस्जिद परिसर) मुस्लिम वक्फ की मिल्कियत है और मुसलमानों को इसमें नमाज पढ़ने का हक है। अदालत ने यह भी तय कर दिया था कि कितना हिस्सा मस्जिद है और कितना हिस्सा मंदिर है। उसी वक्त वजू खाने को मस्जिद की मिल्कियत स्वीकार किया गया था।

बोर्ड महासचिव ने कहा कि फिर 1991 में प्लेसेस ऑफ़ वरशिप एक्ट संसद से पारित हुआ जिसका खुलासा यह है कि 1947 में जो इबादतगाहें जिस तरह थीं उनको उसी हालत पर कायम रखा जाएगा। साल 2019 में बाबरी मस्जिद मुकदमे के फैसले में उच्चतम न्यायालय ने बहुत साफ तौर पर कहा था कि अब तमाम इबादत गाहें इस कानून के मातहत होंगी और यह कानून दस्तूर हिंद की बुनियाद के मुताबिक है। उन्होंने वाराणसी की सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा, ×ह्लब्शह्ल;कानून का तकाजा यह था कि मस्जिद में मंदिर होने के दावे को अदालत फौरन खारिज कर देती लेकिन अफसोस, कि बनारस की सिविल अदालत ने इस स्थान के सर्वे और वीडियोग्राफी का हुक्म जारी कर दिया। वक्फ बोर्ड इस सिलसिले में उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा चुका है और वहां यह मुकदमा विचाराधीन है। इसी तरह ज्ञानवापी मस्जिद की इंतजामिया कमेटी भी सिविल कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटा चुकी है। वहां भी यह मसला सुनवाई के दौर में है लेकिन इन तमाम बातों को नजरअंदाज करते हुए सिविल अदालत ने पहले तो सर्वे का हुक्म जारी कर दिया और फिर उसकी रिपोर्ट कुबूल करते हुए वजू खाने के हिस्से को बंद करने का हुक्म जारी कर दिया।

उन्होंने कहा कि यह आदेश ज्यादती है और कानून का उल्लंघन भी है जिसकी एक अदालत से हरगिज़ उम्मीद नहीं की जा सकती। अदालत के इस अमल ने इंसाफ के तकाजों को घायल कर दिया है, इसलिए सरकार को चाहिए कि फौरी तौर पर इस फैसले पर अमल को रोके, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले का इंतजार करे और 1991 के कानून के मुताबिक तमाम मजहबी स्थलों का संरक्षण करे।

रहमानी ने मस्जिद के अंदर मंदिर होने की हिंदू पक्ष की दलीलों की तरफ इशारा करते हुए कहा, अगर ऐसी खयाली दलीलों के आधार पर इबादतगाहों की हैसियत बदली जाएगी तो पूरा मुल्क अफरा-तफरी का शिकार हो जाएगा, क्योंकि कितने ही बड़े-बड़े मंदिर बौद्ध और जैन इबादतगाहों को तब्दील करके बनाए गए हैं और उनके प्रत्यक्ष निशान भी मौजूद हैं। मुसलमान इस जुल्म को हरगिज बर्दाश्त नहीं कर सकते। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड हर स्तर पर इस अन्याय का मुकाबला करेगा।

गौरतलब है कि वाराणसी की एक स्थानीय अदालत के आदेश पर ज्ञानवापी मस्जिद के अंदर किए गए सर्वे वीडियोग्राफी में सोमवार को कथित रूप से एक शिवलिंग पाया गया और इसके बाद अदालत के निर्देश पर वजू खाने को सील कर दिया गया है।

हालांकि मुस्लिम पक्ष इस दावे को गलत ठहराते हुए कह रहा है कि मुगल काल की बनी सभी मस्जिदों के वजू खाने के अंदर फव्वारा लगाया जाता था। उसका कहना है कि जिस पत्थर को शिवलिंग बताया जा रहा है वह उसी फव्वारे का एक हिस्सा है।

सीएम योगी का अधिकारियों को निर्देश

बच्चों का कोरोना टीकाकरण अभियान तेज करें

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अधिकारियों को 12 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए चल रहे कोविडरोधी टीकाकरण अभियान को तेज करने का निर्देश दिया और कहा कि बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर सतर्क रहना होगा। मंगलवार को यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रदेश में कोरोना की स्थिति की समीक्षा करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सभी पात्र बच्चों का जल्द से जल्द टीकाकरण कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि 12 से 14 साल तक के आयुवर्ग में बड़ी संख्या में बच्चे अभी टीका नहीं ले सके हैं, इसलिए इस अभियान को तेज करने की जरूरत है।

सीएम योगी ने कहा कि अधिक संक्रमण दर वाले जिलों में सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाने की व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू की जाए। योगी ने कहा कि कोविड टीकाकरण अभियान की प्रगति संतोषप्रद है, किंतु बच्चों के टीकाकरण अभियान को और तेज करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 32 करोड़ नौ लाख से अधिक कोविड टीकाकरण के साथ ही 18 वर्ष से अधिक आयु की पूरी आबादी को टीके की कम से कम एक खुराक लग चुकी है, जबकि 90त्न से अधिक वयस्क लोगों को दोनों खुराक मिल चुकी है।

सीएम ने कहा कि प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी नागरिक टीकाकवर से वंचित न रहे तथा बूस्टर डोज की महत्ता और बूस्टर टीकाकरण केंद्रों के बारे में आमजन को जागरूक किया जाए। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में कोरोना के उपचाराधीन मरीज1024 हैं और विगत 24 घंटों में 70 हजार से अधिक परीक्षण किए गए और 129 नए कोरोना मरीजों की पुष्टि हुई।

इसी अवधि में 202 लोग उपचारित होकर कोरोना मुक्त भी हुए। बुंदेलखंड में भी नए केस मिल रहे हैं। अधिक संक्रमण दर वाले जिलों में सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाया जाने की व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू की जाए।

बस्ती में दो करोड़ रुपए की स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बस्ती। उत्तर प्रदेश में बस्ती जिले के कोतवाली थाने और एसटीएफ यूनिट लखनऊ और गोरखपुर की संयुक्त टीम ने दो अंतर्जनपदीय स्मैक तस्कर को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से दो करोड़ रुपये की कीमत का एक किलो 44 ग्राम स्मैक बरामद किया है।

अपर पुलिस अधीक्षक दीपेंद्र नाथ चौधरी ने मंगलवार को बताया कि कोतवाली थाने और एसटीएफ यूनिट लखनऊ और गोरखपुर की संयुक्त टीम ने टोल प्लाजा के समीप से दो तस्करों मोहम्मद हसीब निवासी ग्राम टिकरा उस्मा थाना जैदपुर थाना बाराबंकी,छबीला यादव निवासी ग्राम पचभेड़िया थाना रामगढ़वा जनपद मोतिहारी बिहार को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से 1 किलो 44 ग्राम स्मैक, दो मोबाइल फोन, दो डेबिट कार्ड,15 हजार रुपया नगद, एक स्विफ्ट कार सहित गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि यह दोनों लोग नेपाल राष्ट्र,बिहार राज्य के बॉर्डर पर मादक पदार्थों की तस्करी का अपना ठिकाना बदल-बदल कर करते थे। इन लोगों का लिंक लखनऊ राजधानी के अगल-बगल के जनपदों बाराबंकी,अयोध्या, सीतापुर सहित अन्य जिलों में था।

जौनपुर में 2175 किसान बांस की करेंगे खेती : उपायुक्त मनरेगा

एजेंसी

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के उपायुक्त मनरेगा भूपेंद्र सिंह ने मंगलवार को बताया कि नदियों के किनारे उपयोग विहीन व गांव में बंजर पड़ी भूमि वाले किसानों के दिन भी बदलेंगे। जिले के 07 ब्लॉक में इस श्रकेणी की चिन्हित जमीनों के मालिक 2175 किसानों ने बांस की खेती करने के लिए सहमति जताई है।

सिंह ने यूनीवार्ता को बताया कि नदी के किनारे कटान को रोकने व किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रशासन की ओर से बांस की खेती को विकल्प के रूप में दिया था। इसके तहत खुटहन ब्लाक के चार गांवों के पांच सौ किसानों का चयन किया गया है। बांस उपलब्ध कराने का जिम्मा प्रयागराज की एक फर्म को दिया जाएगा। जल्द ही इस पूरी योजना की विस्तृत रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने की बात कही जा रही है। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी मनरेगा को सौंपी गई है। हाल ही में प्राप्त सर्वे रिपोर्ट के आधार पर कुछ किसान बांस की खेती करने को आगे आए हैं, जिन्हें सूचीबद्ध किया जा रहा है। प्रथम चरण में खुटहन ब्लाक के पिलकिछा, उदपुर दीपी, डीहिया व शेखपुर सुतौली गांव के पांच सौ किसानों को चिह्नित किया गया है। दूसरे चरण में सुजानगंज, बदलापुर, महराजगंज, सिकरारा, डोभी, व मुफ्तीगंज को शामिल किया जाएगा। किसानों को बांस की उपलब्धता भी मनरेगा के माध्यम से करायी जायेगी। जिसमे असम व जबलपुर के बांस की प्रजातियों को शामिल किया गया है। इस पहल से न सिर्फ बेकार पड़ी भूमि की कीमत अदा हो सकेगी, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर किसानों की दशा भी सुधरेगी।

गोरखपुर में क्राइम कंट्रोल का नया प्लान, जिले में होंगे 9 सर्किल

गोरखपुर। गोरखपुर जिले की पुलिसिंग में एक और बड़ा बदलाव होने जा रहा है। पूरे जिले को अब नौ सर्किल में बांटा जा रहा है। अभी तक यह व्यवस्था आठ ही सर्किल में थी। एसएसपी ने गीडा इलाके को एक अलग सर्किल बनाने का प्रस्ताव भेजा है। जल्द ही इस पर नोटिफिकेशन जारी होने की उम्मीद है। अभी तक गीडा थाना कैम्पियरगंज सर्किल का हिस्सा था। जबकि गीडा के विस्तार को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

दरअसल, पहले तहसील के हिसाब से जिले में सर्किल तय की गई थी। जितनी तहसील उतनी सर्किल जिससे पुलिस और प्रशासनिक आधिकारियों का तालमेल आपस में ठीक बना रहे। प्रशासनिक अधिकारियों की तरफ से एसडीएम और पुलिस की तरफ से सर्किल अफसर यानी सीओ की देखरेख में लॉ-एंड आर्डर पर काम किया जा सके। हालांकि जिले की भौगोलिक स्थिति के हिसाब से इसमें बदलाव किया जाता रहा। हाल के दिनों में गीडा का विस्तार होने के साथ ही यह थाना कैम्पियरगंज सर्किल में आने से इसमें बड़े बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही है।

एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने इसी बदलाव के तहत एक नए सर्किल को जन्म देने का प्रस्ताव तैयार किया है। प्रस्ताव के तहत गीडा को गोरखपुर जिले की नौवीं सर्किल बनाया जा रहा है। वहीं गोरखनाथ सर्किल की जिम्मेदारी बढ़ाकर उसमें पूर्व की तरह गुलरिहा थाना भी शामिल किया जा रहा है जबकि चिलुआताल कैम्पियरगंज सर्किल का हिस्सा रहेगा।

गुलरिहा एसपी नॉर्थ के पास रहेगा या नहीं, इस पर संशय

गुलरिहा थाना पहले की तरह गोरखनाथ सर्किल से जुड़ जाएगा लेकिन यह शहरी इलाके में आएगा या फिर एसपी उत्तरी के पास ही रहेगा इसको लेकर भी आंकलन किया जा रहा है। नए बदलाव में गोरखनाथ सर्किल में आने से थाना शहर में जुड़ सकता है लेकिन एसपी उत्तरी के थानों की संख्या में कमी होने से फिलहाल अभी शायद इसे उनके हिस्से में ही रखा जाएगा। हालांकि आने वाले समय में और थाने बनाने की भी तैयारी है।

गीडा सर्किल में सहजनवां, गीडा और हरपुर बुदहट थाना, खजनी सर्किल में खजनी, सिकरीगंज और बेलघाट थाना, गोला सर्किल में गोला, उरुवा और बड़हलगंज थाना, बांसगांव सर्किल में बांसगांव, गगहा और बेलीपार थाना, कैंट और कोतवाली सर्किल में कोई बदलाव नहीं, गोरखनाथ सर्किल में गोरखनाथ, शाहपुर और गुलरिहा थाना, कैम्पियरगंज में कैम्पियरगंज के अलावा चिलुआताल और पीपीगंज थाना शामिल किया गया है।

एसपी उत्तरी के हिस्से से निकल सकता है सहजनवां

गीडा सर्किल बंटवारे के साथ ही एसपी उत्तरी और दक्षिणी के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव किया जा रहा है। सहजनवां और गीडा थानाक्षेत्र अभी तक एसपी उत्तरी के कार्यक्षेत्र में आता है लेकिन नए बदलाव में अब यह एसपी दक्षिणी के कार्यक्षेत्र में जा सकता है।

पूर्व विधायक सर्वेश सिंह हत्याकांड के सभी आरोपियों को उम्रकैद की सजा

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले की दीवानी न्यायालय के विशेष सत्र न्यायाधीश (गैंगस्टर कोर्ट) रामानंद ने पूर्व विधायक सर्वेश सिंह उर्फ सीपू सिंह हत्याकांड मामले में मंगलवार को सभी सात आरोपियों को हत्या का दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

आजमगढ़ की सगड़ी विधानसभा सीट से पूर्व विधायक सर्वेश सिंह उर्फ सीपू सिंह की हत्या के मामले में अदालत ने 8 वर्ष 9 माह की सुनवाई के बाद फैसला सुनाते हुए डी11 गैंग के मुखिया ध्रुव कुमार सिंह उर्फ कुंटू सिंह सहित 7 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनायी। अदालत ने इन सभी आरोपियों पर 50-50 हज़ार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। हालांकि इस मामले के दो अन्य आरोपी फरार चल रहे हैं, जिनके ऊपर आजमगढ़ रेंज की पुलिस ने 50-50 हजार रुपए इनाम घोषित कर रखा है।

गौरतलब है कि हत्या के इस सनसनीखेज मामले में गैंगस्टर अदालत ने बीते 10 मई को 9 लोगों को दोषी पाया था। पूर्व विधायक सर्वेश सिंह सीपू हत्याकांड के मुख्य आरोपी ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू सिंह कासगंज जेल से, मृत्युंजय सिंह लखनऊ जेल से और दिनेश सिंह उर्फ रम्पत फैसला सुनाये जाते समय बरेली जेल से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये जुड़े थे। वहीं इस मामले में आरोपित संग्राम सिंह ,शिव प्रकाश उर्फ प्रकाश यादव ,राजेंद्र यादव, दुर्ग विजय सिंह, कोर्ट में ही मौजूद थे। इन सभी आरोपितों को सीपू सिंह की हत्या की साजिश रचने और हत्या करने का दोषी पाया गया है ।

अभियोजन पक्ष के अनुसार 19 जुलाई 2013 को आजमगढ़ जिले के जीयनपुर बाजार में सीपू सिंह तथा भरत राय की बाजार स्थित उनके आवास पर ही गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद उग्र हिंसा में 3 लोगों की मौत हो गई थी। इसके विरोध में कई दिनों तक जीयनपुर बाजार में सन्नाटा पसरा रहा था।

इस मामले में प्रथम दृष्टया पुलिस ने ध्रुव सिंह उर्फ कुण्टू सिंह समेत 11 आरोपियों के विरुद्ध आराप पत्र न्यायालय में पेश की। इसी दौरान शासन के निर्देश पर सीबीआई ने भी मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। सीबीआई ने पुलिस की जांच को आगे बढ़ाते हुए दो अन्य आरोपियों दुर्ग विजय तथा शिव प्रकाश का नाम जोड़ते हुए कुल 13 आरोपियों के खिलाफ आराप पत्र न्यायालय में पेश किया।

अभियोजन पक्ष की तरफ से सीपू सिंह की पत्नी वंदना सिंह उनके भाई संतोष सिंह उर्फ टीपू सिंह, यशवंत सिंह उर्फ गप्पू सिंह समेत 20 गवाहों के बयान दर्ज हुए। अदालत ने इस मामले में लंबी बहस के बाद 10 मई को फैसला सुनाते हुए 9 आरोपियों ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू सिंह ,मृत्युंजय सिंह ,दिनेश सिंह उर्फ रंपत, शिव प्रकाश उर्फ प्रकाश राजेंद्र यादव, संग्राम सिंह, दुर्ग विजय, मोहम्मद रिजवान तथा विजय यादव व एक अन्य को हत्या व हत्या की साजिश का दोषी पाया।

नाबालिग टीचर का रेप, अश्लील वीडियो और फिर गर्भपात, डॉक्टर की शर्मनाक करतूत

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरानगर में एक डॉक्टर ने अपने बच्चों को टयूशन पढ़ाने वाली नाबालिग टीचर से दुराचार किया। उसका अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर कई महीने तक टीचर का यौन शोषण करता रहा। टीचर गर्भवती हुई तो उसका गर्भपात करा दिया। डॉक्टर की प्रताड़ना से तंग आकर पीड़िता ने परिवारीजनों को सब कुछ बता दिया। इसके बाद ही पीड़िता ने गाजीपुर थाने में आरोपित बीएमएस डॉ. आशीष कुमार सिंह उर्फ शेखर के खिलाफ सोमवार को एफआईआर दर्ज करायी। एफआईआर दर्ज होने के पांच घंटे के अंदर ही पुलिस ने आरोपित डॉ. शेखर को गिरफ्तार कर लिया। इंदिरानगर की रहने वाली इस पीड़िता के मुताबिक वह डॉ. शेखर के बच्चों को टयूशन पढ़ाने जाती थी। एक दिन डॉक्टर के घर पर कोई नहीं था। वह टयूशन पढ़ाने पहुंची तो शेखर ने उसे बैठा लिया। उसने कहा कि बच्चे बाजार गये हैं, कुछ देर में ही आ जायेंगे। इसके बाद उसे चाय पिलायी। पीड़िता का आरोप है कि चाय में नशे की गोलियां मिला दी गई थी। इससे वह बेसुध हो गई थी। इस दौरान ही डॉक्टर ने उसका अश्लील वीडियो बना लिया था। इसके बाद इस वीडियो को दिखाकर ही वह उसे वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करता रहा। पीड़ित किशोरी ने पुलिस को बताया कि जब वह गर्भवती हो गई तो डॉक्टर ने उसे धमकी दी।

गोरखपुर, नोएडा, कानपुर और आगरा बनेंगे रेडीमेड गारमेंट के हब

लखनऊ। अगले पांच सालों में उत्तर प्रदेश को ग्लोबल टेक्सटाइल हब बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास कर रही योगी सरकार ने कभी पूरब का मैनचेस्टर कहे जाने वाले कानपुर,ताजनगरी आगरा,नोएडा और गोरखपुर में रेडीमेड गारमेंट उद्योग को प्रोत्साहन देने की एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है।

अपर मुख्य सचिव निर्यात प्रोत्साहन, खादी एवं ग्रामोद्योग नवनीत सहगल ने मंगलवार को बताया कि राज्य में बनने वाले हथकरघा और रेडीमेड वस्त्र देश के कोने कोने में लोकप्रिय रहे हैं। योगी सरकार ने इस गौरवशाली परंपरा को और समृद्ध करते हुए प्रदेश के कई जिलों में रेडीमेड गारमेंट उद्योग को बढ़ावा देने की योजना बनाई है जिसके तहत न सिर्फ नई इकाइयां लगेगी बल्कि इन इकाइयों में निर्मित उत्पादों का निर्यात भी किया जायेगा जिससे प्रदेश में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

उन्होने बताया कि औद्योगिक विकास की इस महत्वकांक्षी कार्ययोजना के अनुसार, आगामी 100 दिनों में आगरा, गोरखपुर और कानपुर में फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास कराया जाएगा। इनमें गारमेंट उत्पादन से जुड़ी इकाईयों को स्थापित किया जाना शामिल हैं। सहगल ने बताया कि लोक कल्याण संकल्प पत्र 2022 के अनुसार, आगामी पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश को ग्लोबल टेक्सटाइल हब बना कर, पांच लाख रोजगार या स्व-रोजगार के अवसर प्रदान किये जाएंगे।

केन्द्र सरकार की पीएम मित्र योजना के अंतर्गत विश्व-स्तरीय टेक्सटाइल पार्क का विकास किया जाएगा, जिसमे प्रस्तावित निवेश लक्ष्य 10 हजार करोड़ रूपये है।

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि अगले 100 दिनों में नोएडा में अपैरल पार्क बनाने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी और जुलाई 2022 में इसका शिलान्यास होने की संभावना है। इस क्षेत्र में जून 2022 तक रु 3000 करोड़ के निवेश से लगभग 115 एक्सपोर्ट ऑरिएन्टेड टेक्सटाइल इकाइयां स्थापित की जाएंगी।

साथ ही, पीपीपी मोड पर पांच नए टेक्सटाइल व अपैरल पार्क बनाने की प्रक्रिया तेज की जा रही है। आगामी 5 वर्षों में प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक में हथकरघा और टेक्सटाइल क्लस्टर का विकास प्रस्तावित है।

उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि प्रदेश में वस्त्र उद्योग क्षेत्र में रोजगार सृजन के लिये व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

पिछले पांच वर्षों में, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की प्रमुख योजनाओं के अंतर्गत, 118 एकड़ पर अपैरल पार्क (सेक्टर 29 में), और गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण की प्रमुख योजनाओं में फ्लैट टेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स की 80 इकाईयां और गार्मेंट् पार्क का विकास प्रारंभ किया गया।

इसी विचार के तहत, गत वर्ष, प्रदेश सरकार ने टेक्सटाइल पार्क और अपैरल पार्क के विकास के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किये थे।

सहगल ने बताया कि गौतमबुद्धनगर के जेवर एयरपोर्ट के 50 कि.मी. की परिधि में तथा यूपीडा (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण) द्वारा निर्मित किए जा रहे एक्सप्रेस-वे के किनारे प्रदेश के अन्य स्थानों पर कम से कम 5 अपैरल/गार्मेन्टिंग पार्कों की स्थापना के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होने बताया कि प्रदेश के पूर्वाञ्चल क्षेत्र को विशेष रूप से रेडीमेड गारमेंट्स सेक्टर के केंद्र के रूप में विकसित किये जाने का प्रस्ताव है।

शार्ट न्यूज

डीएलएफ के चौथी तिमाही लाभ में आठ प्रतिशत की गिरावट

नयी दिल्ली। रियल स्टेट क्षेत्र में कारोबार करने वाली कंपनी डीएलएफ ने 31 मार्च 2022 को समाप्त हुयी तिमाही में आठ प्रतिशत की गिरावट के साथ 414 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ अर्जित किया है। डीएलएफ ने मंगलवार को बताया कि कंपनी की जनवरी-मार्च 2022 तिमाही में राजस्व पांच प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,652 करोड़ रुपये रहा। अलोच्य तिमाही में कंपनी का परिचालन लाभ (एबिटडा) 472 करोड़ रुपये रहा। पूरे वित्त 2021-22 में कंपनी ने 38 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1,513 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ कमाया। इस वित्त वर्ष कंपनी का राजस्व तीन प्रतिशत बढ़कर 6,138 करोड़ रुपये रहा जबकि एबिटडा 2,163 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के निदेशक मंडल ने प्रति शेयर तीन रुपये का लाभांश देने का फैसला किया है जोकि वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में 150 प्रतिशत अधिक है।

आरबीआई प्रमुख ने सरकारी बैंकों के प्रमुखों के साथ की समीक्षा बैठक

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांता दास ने मंगलवार को सरकारी बैंकों के प्रमुखों के साथ यहां एक बैठक में बैंकिंग प्रणाली की वर्तमान स्थिति और रुझानों की समीक्षा की। बैठक से जुड़े सूत्रों के अनुसार रिजर्व बैंक के मुख्यालय पर हुई इस बैठक में बैंकों के ऋण कारोबार के विस्तार और सम्पत्तियों की वसूली की स्थिति और मौद्रिक नीतिगत के बाजार पर परिलक्षित हो रहे प्रभावों आदि जैसे मुद्दों पर बैंकों से जानकारी ली गयी। सूत्रों ने बताया कि आरबीआई गवर्नर ने नीतिगत ब्याज दर के प्रभाव का प्रसार ग्राहकों तक पहुंचने के मुद्दे पर विशेष रूप से बात की। गौरतलब है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी प्रमुख नीतिगत ब्याज दर रेपो को चार मई को द्वैमासिक समीक्षा अवधि के बीच में ही चार प्रतिशत से बढ़ा कर 4.40 प्रतिशत कर दिया था। रिजर्व बैंक ने मुद्रास्फीति के दबाव पर अंकुश के लिए यह निर्णय किया है। खुदरा मुद्रा मुद्रास्फीति की दर अप्रैल में बढ़ कर 7.8 प्रतिशत तक पहुंच गयी जो मई 2014 के बाद सबसे उच्च स्तर पर है और रिजर्व बैंक के लिए निर्धारित छह प्रतिशत की उच्चतम सीमा से ऊपर है। मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति 6.95 प्रतिशत थी। रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार 22 अप्रैल को समाप्त दो सप्ताह की अवधि में बैंक ऋण में सालाना आधार पर हल्की नरम हो कर 10.07 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी थी। इस अवधि से पहले के दो सप्ताह के दौरान ऋण वृद्धि दर 10.10 प्रतिशत थी।

आरबीआई ने बैंकिंग लाइसेंस के लिए छह आवेदनों को अनुपयुक्त करार दिया

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने समग्र सेवा (यूनिवर्सल) बैंक और सूक्ष्म ऋण बैंक के लिए ऑन टैप (निरंतर खुली) व्यवस्था के तहत प्राप्त हुए 11 आवेदनों में से छह को उपयुक्त नहीं पाया है। इनमें यूनिवर्सल बैंक के लिए प्राप्त यूएई एक्सचेंज एंड फाइनेंसियल सर्विसेज लिमिटेड, द रिपैट्रिएट्स कोआपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट बैंक लिमिटेड (रेपको बैंक), चैतन्य इंडिया फिन क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड और श्री पंकज वैश और अन्य से प्राप्त कुल चार आवेदन शामिल हैं। ऑन टैप व्यवस्था के तहत प्राप्त वीसॉफ्ट टेक्नोलॉजिज प्राइवेट लिमिटेड और कालीकट सिटी सर्विस को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड से सूक्ष्म ऋण बैंक शुरू करने के लाइसेंस के लिए प्राप्त दो अलग-अलग आवेदनों को भी आरबीआई द्वारा सिद्धांततः लाइसेंस के लिए अनुपयुक्त पाया गया है। आरबीआई की मंगलवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि बाकी आवेदनों की जांच की जा रही है। बयान में कहा गया है कि खारिज किए गए आवेदनों ऑन टैप बैंकिंग लाइसेंस के लिए अगस्त 2016 और दिसंबर 2019 में जारी दिशानिर्देशों के अनुसार जांच के बाद अनुपयुक्त पाए गए हैं। आरबीआई को ऑन टैप व्यवस्था के तहत पिछले वर्ष 15 अप्रैल, 30 अगस्त और 31 दिसंबर को अलग-अलग इकाइयों/व्यक्तियों से संपूर्ण सेवा और सूक्ष्म ऋण बैंक के लाइसेंस के लिए कुल 11 आवेदन मिले थे। भारतीय रिजर्व बैंक के समक्ष अभी सूक्ष्म ऋण बैंक के लाइसेंस के लिए कोसमिया फाइनेंसियल होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड, टैली सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, वेस्ट एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, श्री अखिल कुमार गुप्ता और द्वारा क्षेत्रीय ग्रामीण फाइनेंसियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के आवेदनों की जांच की जा रही है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंसियल करेगी शेयर बायबैक

मुंबई। बाजार मध्यस्थता एवं वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनी मोतीलाल फाइनेंसियल सर्विसेज ने मंगलवार को बायबैक कार्यक्रम की घोषणा की जिसके तहत कंपनी बाजार में अपने शेयरधारकों से 160 करोड़ रुपये के शेयर खरीदेगी। कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि इस शेयर बायबैक कार्यक्रम में अधिकतम 14.55 लाख शेयर वापस खरीदे जाएंगे जो कंपनी की कुल चुक्ता पूंजी के 0.98 प्रतिशत के बराबर हैं। कंपनी ने कहा है कि एक रुपये के अंकित मूल्य वाले प्रत्येक एक्विटी शेयर के लिए 1,100 रुपये की पेशकश की जाएगी। इस तरह बायबैक पर कर और अन्य खर्चों को मिलाकर अधिकतम 160 करोड़ रुपये का व्यय होगा। कंपनी ने कहा कि शेयरों की खरीद निविदा पेशकश जारी की जाएगी। बयान में कहा गया है कि कंपनी के प्रवर्तकों और प्रवर्तक समूह ने भी बायबैक में हिस्सा लेने का संकेत दिया है। बायबैक कार्यक्रम के लिए रिकॉर्ड की तिथि 27 मई 2022 रखी गयी है।

सेल ने स्वदेशी नौसेना युद्धपोतों के लिए विशेष स्टील की आपूर्ति की

नयी दिल्ली। देश के स्वदेशी नौसेना युद्धपोतों आईएनएस 'उदयगिरी' और आईएनएस 'सूरत' के लिए स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने 4300 टन विशेष स्टील की आपूर्ति की है। इस्पात मंत्रालय ने मंगलवार को बयान में कहा कि सेल द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले स्टील में डीएमआर 249-ए ग्रेड चादरें और एचआर चादरें शामिल हैं। स्टील की इस पूरी मात्रा की आपूर्ति सेल के बोकारो, भिलाई और राउरकेला स्टील संयंत्र से की गयी है। यह देश के 'आत्मनिर्भर भारत मिशन' में महत्त्वपूर्ण योगदान देने और आयात को प्रतिस्थापित करने की दिशा में, देश के प्रयासों को मजबूत करने के सेल के निरंतर प्रयासों की दिशा में एक और कदम है। उल्लेखनीय है कि सेल ने इससे पहले भी आईएनएस विक्रांत, आईएनएस कमोर्टा सहित भारत की विभिन्न रक्षा परियोजनाओं के लिए विशेष गुणवत्ता वाले स्टील की आपूर्ति की है।

कीवे ने भारतीय बाजार में 3 दोपहिया वाहन लांच करने की घोषणा

नयी दिल्ली। हंगेरियन मार्क कीवे ने भारत में अपने विस्तार की शुरुआत करते हुये तीन नए विश्व स्तरीय दो पहिया वाहनों के-लाइट 250वी क्रूजर, वीएस्टे 300 मैक्सी स्कूटर और सिक्सटीज़ 300आई रेट्रो क्लासिक स्कूटर को लॉन्च करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में यह ऐलान करते हुये इन तीनों के अलावा साल के अंत से पांच उत्पादों को लॉन्च करने की भी है। कीवे का स्वामित्व क्यूजे समूह के पास है, जो शताब्दी मार्के, बेनेली की मूल कंपनी भी है। कीवे मुख्य रूप से अपने कई तरह के उत्पादों के लिए जाना जाता है जिसमें 125सीसी से लेकर 1200सीसी तक डिस्प्लेसमेंट वाले स्कूटर, मोटरसाइकिल और एटीवी शामिल होते हैं। कीवे के उत्पादों में इंटीग्रेटेड जीपीएस और कीवे कनेक्ट ऐप जैसी कई तरह की अत्याधुनिक कनेक्टिविटी सुविधाओं की व्यवस्था होती है जो ग्राहकों की राइडिंग के अनुभव को बेहतर बनाते हैं। कंपनी ने कहा कि आदिश्वर ऑटो राइड इंडिया के साथ जुड़ने का कीवे का निर्णय उनके लिए अनुकूल साबित होगा क्योंकि देश भर उनका 40 से अधिक डीलरों को शामिल करने वाला अच्छी तरह स्थापित डीलर नेटवर्क है और साथ ही साथ एक असेंबली प्लांट है जिसका लाभ कीवे को मिल सकता है और कीवे भारत में अपने व्यवसाय का विकास करने की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए इनकी बेहतरीन व्यवस्था का अच्छी तरह उपयोग कर सकती है। बेनेली इंडिया के साथ मिलकर काम करते हुए कीवे भारत में स्कूटर, क्रूजर, स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल और रेट्रो स्ट्रीट मोटरसाइकिल जैसे 8 उत्पाद लांच करने की तैयारी कर चुकी है। प्रारंभ में कंपनी के-लाइट 250वी क्रूजर, वीएस्टे 300 मैक्सी-स्कूटर, और सिक्सटीज़ 300आई रेट्रो क्लासिक स्कूटर लॉन्च कर रही है।

एलआईसी शेयर सूचीबद्धता : दीपम सचिव ने कहा, बाजार की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती

मुंबई। शेयर बाजार में तेजी के बावजूद मंगलवार को सूचीबद्धता के दिन भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का शेयर गिरकर बंद होने पर निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडे ने कहा कि बाजार के बारे में भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है।

एलआईसी का बाजार में शेयर आज करीब आठ प्रतिशत गिरावट के साथ सूचीबद्ध हुआ।

बीएसई में एलआईसी का शेयर 867.20 रूपये और एनएसई में 872 रुपये पर खुला। इसका निर्गम मूल्य 949 रुपये था।

पांडे ने कहा, बाजार के बारे में कोई भी व्यक्ति भविष्यवाणी नहीं कर सकता। हम कहते आ रहे है कि इसे (इस शेयर को) किसी एक खास दिन के लिए नहीं बल्कि एक दिन से अधिक समय के लिए लिया जाना चाहिए। हमें एलआईसी को मौका देना चाहिए और इस शेयर को उसी दिन बेचकर खाली नहीं करना चाहिए।

एलआईसी के आईपीओ में प्रस्तुत किए गए शेयरों की तुलना में 2.95 प्रतिशत आवेदन प्राप्त हुए थे। इस निर्गम में कुल 47.83 करोड़ शेयरों के लिए आवेदन मिले थे जबकि बिक्री के लिए 16.2 करोड़ प्रस्तुत किए गए थे। यह निर्गम आम निवेशकों के लिए चार मई को खुला था और इसमें बोली लगाने के लिए नौ मई आखिरी दिन था।

एलआईसी ने कंपनी के पॉलिसीधारकों और रिटेल निवेशकों को 889 रुपये और 904 रुपये प्रति शेयर के भाव पर शेयर आवंटित किए थे।

पांडे ने कहा कि इसमें खुदरा निवेशकों और पॉलिसीधारक वर्ग के निवेशकों के लिए कुछ सुरक्षा है। उन्हें यह शेयर कुछ रियायत पर मिला है।

इससे पहले उन्होंने कहा था कि बाजार के वातावरण को देखते हुए इस आईपीओ के आकार को सही रूप दिया गया है। उन्होंने कहा, बाजार के वातावरण को देखते हुए एलआईसी के आईपीओ के आकार को एक उचित आकार पर रखा गया। इसका उद्देश्य था कि वर्तमान वातावरण में पूंजी और कर्ज की आपूर्ति प्रभावित न हो। हमने अपने प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धताओं के अनुसार एलआईसी को बाजार में सूचीबद्ध कराया है।

उन्होंने कहा कि एलआईसी के आईपीओ को खुदरा निवेशकों और पॉलिसीधारकों का जबरदस्त समर्थन मिला। नवंबर 2021 के बाद से 50 लाख नए डीमैट खाते खोले गए हैं।

एलआईसी के चेयरमैन एम आर कुमार ने कहा, हमें पहले भी किसी बड़े उछाल की उम्मीद नहीं थी। इसका बाजार आगे चढ़ेगा और मुझे भरोसा है कि बहुत से लोग, खासकर वे पॉलिसीधारक जिनको आवंटन नहीं हो सका, वे इस शेयर को बाजार से उठाएंगे। मुझे ऐसा कोई कारण नहीं दिखता कि यह लंबे समय तक नीचे रहे।

एलआईसी का शेयर बीएसई में 7.75 प्रतिशत गिरकर 875.45 रुपये पर बंद हुआ जबकि एनएसई में यह 8.01 प्रतिशत गिरकर 873 रुपये पर बंद हुआ।

एलन मस्क की ट्विटर को बोट्स अकाउंट पर चेतावनी

सैन फ्रांसिस्को। एलन मस्क ने मंगलवार को ट्विटर के साथ अपने 44 अरब डॉलर के सौदे को आगे नहीं बढ़ाने के फैसले की घोषणा की।

मस्क ने इसे उस वक्त तक के लिए टाल दिया है, जब तक ट्विटर अपने प्लेटफॉर्म पर बेनामी (बोट) अकाउंट की संख्या पांच प्रतिशत कम होने का प्रमाण नहीं दे देता।

बिजली वाहन विनिर्माता टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री मस्क ने ट्विटर पर बताया, 20 प्रतिशत फर्जी या बेनामी अकाउंट्स, ट्विटर के दावे से चार गुना अधिक है, यह इससे भी अधिक हो सकते हैं। मेरा प्रस्ताव ट्विटर के अमेरिकी शेयर बाजार नियामक (एसईसी) में उसकी दाखिल जानकारी के सटीक होने पर आधारित था।

उन्होंने कहा, बीते दिन ट्विटर के सीईओ ने पांच प्रतिशत से कम होने का प्रमाण देने से मना कर दिया। जब तक वह इसका प्रमाण नहीं दिखाते यह सौदा नहीं होगा।

यह बयान टेस्ला के सीईओ के ट्विटर को बॉट्स और फर्जी खातों से मुक्त करने के इरादे के बीच आया है। वह आगे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के राजनीतिक संतुलन को इसके बढ़ते वामपंथी पूर्वाग्रह से केंद्र की स्थिति में लाना चाहते हैं और वह मुक्त भाषण का समर्थन करते हैं। अगर उनका अधिग्रहण पूरा हो जाता है तो मस्क अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अकाउंट को भी दोबारा सक्रिय कर सकते हैं।

उन्होंने शनिवार को कहा कि ट्विटर की कानूनी टीम ने उन पर एक गैर-प्रकटीकरण समझौते(एनपीए) का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। इसमें उन पर आरोप है कि उन्होंने स्वचलित उपयोगकर्ताओं का पता लगाने के लिए जांच के नमूने का आकार 100 अकाउंट होने का खुलासा किया है। उन्होंने ट्वीट किया ,ट्विटर की कानूनी टीम ने यह शिकायत की है कि मैनें बोट की जांच करने के लिए नमूने का आकार 100 होने का खुलासा कर उनका एनडीए तोड़ा है। उन्होंने इससे पहले कहा था कि गिने जाने पर बोट्स नाराज हैं।

मस्क ने शुक्रवार को ट्वीट करके कहा था,वास्तव में जबतक यह ब्योरा नहीं आ जाता है की फर्जी अकाउंट कुल उपयोगकर्ताओं के पांच प्रतिशत से कम हैं तबतक ट्विटर के लिए सौदे को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। हाल ही में ट्विटर ने श्री मस्क द्वारा 44 अरब अमेरिकी डॉलर के सौदे में अधिग्रहण के लिए सहमति व्यक्त की थी, हालांकि यह अभी भी शेयरधारक की मंजूरी के अधीन है।

एसएमबी के डिजिटाईज़ेशन के लिए एडब्लूएस ने लांच किया एसएमबी विद्यालय

नयी दिल्ली। एमेज़ॉन वेब सर्विसेज़ (एडब्लूएस) ने एसएमबी विद्यालय के लॉन्च की आज घोषणा की, जो छोटे एवं मध्यम व्यवसायों के लिए एडब्लूएस क्लाउड के माध्यम से अपने संगठन व प्रस्तुतियों को डिजिटाईज़ करने में मदद करने वाला एक व्यापक टेक्नॉलॉजी अपस्किलिंग प्रोग्राम है। एसएमबी विद्यालय में विशेषतया एसएमबी के लिए 50 से ज्यादा टेक्नॉलॉजी एजुकेशन मॉड्यूल और देश में व्यवसायिक वृद्धि लाने के लिए उन्हें उपलब्ध अवसर होंगे। एडब्लूएस ने एमेज़ॉन डिजिटल सूट का विस्तार किए जाने की घोषणा भी की, जो स्थानीय थर्ड पार्टी टेक्नॉलॉजी प्रदाताओं के साथ विकसित किया गया सॉफ्टवेयर समाधानों का संग्रह है, और भारत के एसएमबी को ज्यादा तेजी व ज्यादा आसानी से अपने ऑपरेशंस डिजिटाईज़ करने तथा अपने व्यवसाय को इंटरनेट पर ले जाने में समर्थ बनाता है। एडब्लूएस ने ये घोषणाएं एमेज़ॉन की वार्षिक एमेज़ॉन संभव समिट में की। एसएमबी विद्यालय एक हाईब्रिड ट्रेनिंग मॉडल द्वारा एसएमबी को उपलब्ध है, जिसमें ऑनलाईन एवं ऑफलाईन इन-पर्सन चैनल शामिल हैं। एडब्लूएस एसएमबी-फोकस्ड संगठनों, जैसे वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राईज़ेस (वास्मि) के साथ काम कर रहा है, जो डाउनलोड किए जाने वाले प्रोडक्ट ब्रोचर, शैक्षणिक कोर्स वीडियो, एवं वेबिनार्स के माध्यम से पूरे भारत में एसएमबी के बीच प्रोग्राम के बारे में जागरुकता लाने में मदद करेगा। स्थानीय प्रोफेशनल्स को एडब्लूएस प्रोडक्ट ट्रेनिंग और कोर्सवेयर भी प्रदान करेगा।

एयरटेल का मुनाफा 164 प्रतिशत उछला, ग्राहकों की संख्या भी 4.2 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली। दूरसंचार सेवायें प्रदान करने वाली देश की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल ने मार्च में समाप्त चौथी तिमाही में 2008 करोड़ रुपये का समग्र लाभ अर्जित किया है मार्च 2021 की समान अवधि में अर्जित 759 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 164.4 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद यहां जारी वित्तीय लेखाजोखा में कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 की इस अंतिम तिमाही में उसका कुल राजस्व 31500 करोड़ रुपये रहा है जो मार्च 2021 में समाप्त तिमाही के कुल राजस्व 25747 करोड़ रुपये की तुलना में 22.3 प्रतिशत अधिक है। उसने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में उसका कुल समग्र लाभ 4265 करोड़ रुपये रहा है जबकि वित्त वर्ष 2020-21 में उसको 15084 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। कंपनी का मार्च 2022 में समाप्त वित्त वर्ष में कुल राजस्व 116547 करोड़ रुपये रहा है जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 100616 करोड़ रुपये की तुलना में 15.8 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने कहा कि दिसंबर 2021 में भारत में उसके ग्राहकों की संख्या 35.58 करोड़ थी जो मार्च 2022 में 1.1 प्रतिशत बढ़कर 35.99 करोड़ पर पहुंच गयी जो मार्च 2021 के 35.03 करोड़ की तुलना में 2.7 प्रतिशत अधिक है। दुनिया भर के 16 देशों में सेवायें देने वाली इस कंपनी के कुल ग्राहकों की संख्या मार्च 2021 में 47.13 करोड़ थी जो मार्च 2022 में 4.2 प्रतिशत बढ़कर 49.12 करोड़ पर पहुंच गयी।

एलआईसी का शेयर पहले दिन करीब आठ प्रतिशत घाटे पर बंद

मुंबई। भारतीय जीवन बीमा निगम(एलआईसी) का शेयर सूचीबद्ध होने के पहले दिन मंगलवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में 7.75 प्रतिशत गिरकर 875.45 रुपये पर बंद हुआ जबकि शेयर बाजार कुल मिलाकर जोरदार बढ़त पर था।

बीएसई में एलआईसी का शेयर सुबह करीब आठ प्रतिशत गिरावट के साथ 867.20 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ था। कारोबार के दौरान यह निर्गम मूल्य से बराबर नीचे बना रहा। बीएसई में शेयर ऊपर में 920 रुपये तथा नीचे में 860.10 रुपये तक गया था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में एलआईसी 8.01 प्रतिशत गिरकर 873 रुपये पर बंद हुआ। सुबह एनएसई में यह 872 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ था। समान्य शेयरधारकों को यह शेयर 949 रूपये के भाव पर जारी किया गया था। एलआईसी ने कंपनी के पॉलिसीधारकों और रिटेल निवेशकों को 889 रूपये और 904 रूपये प्रति शेयर के भाव पर शेयर आवंटित किए थे।

बीएसई के आंकड़ों के अनुसार वहां एलआईसी के कुल 245.51 करोड़ रुपये मूल्य के 27.55 लाख शेयरों की खरीद-फरोख्त हुयी। बीएसई में बंद भाव के हिसाब से एलआईसी की बाजार हैसियत 5,53,721.92 करोड़ रुपये है। बाजार में उपलब्ध कंपनी के 10 रुपये अंकित मूल्य के शेयरों का मूल्यांकन 16,611.66 करोड़ रुपये रहा।

एनएसई में एलआईसी के 4,345.59 करोड़ रुपये के सौदों में कुल 4,87,92,877 शेयरों का लेनदेन हुआ। एनएसई में बंद भाव के हिसाब से एलआईसी का कुल बाजार मूल्यांकन 5,52,172.29 करोड़ रुपये तथा बाजार में उपलब्ध इसके शेयरों का मूल्यांकन 16,607.86 करोड़ रुपये रहा।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स आज 1344.63 अंक की उड़ान भरकर पांच दिन बाद 54 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 54318.47 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 434.45 अंक की छलांग लगाकर 16 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर 16276.75 अंक पर पहुंच गया।

उल्लेखनीय है कि भारत की दिग्गज बीमा कंपनी एलआईसी के प्रथम आईपीओ में प्रस्तुत किए गए शेयरों की तुलना में 2.95 प्रतिशत आवेदन प्राप्त हुए थे। यह निर्गम आम निवेशकों के लिए चार मई से खुला था और इसमें बोली लगाने के लिए नौ मई आखिरी दिन था।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार इस निर्गम में कुल 47.83 करोड़ शेयरों के लिए आवेदन मिले थे जबकि बिक्री के लिए 16.2 करोड़ प्रस्तुत किए गए थे।

एलआईसी के पॉलिसीधारकों के लिए आरक्षित वर्ग में अभिदान 6.11 गुना रहा था जबकि कंपनी के कर्मचारियों के लिए आरक्षित शेयरों के लिए 4.39 गुना आवेदन प्राप्त हुए थे। यह देश में अबतक का सबसे बड़ा आईपीओ है।

गवटेक इंडिया सम्मेलन में होगी समाज के लिए टेक्नोलॉजी के प्रयोग पर चर्चा

नयी दिल्ली। महामारी के इस दौर में सरकारों के लिए वित्तीय स्थिति को संतुलित रखना और लोगों की जरूरतों को पूरा करना चुनौती बना हुआ है। इस चुनौती का सामना करने में टेक्नोलॉजी से मदद मिल सकती है। टेक्नोलॉजी के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों से निपटने की इन्हीं संभावनाओं पर विमर्श के लिए ईजीगव की तरफ से दिल्ली में 19 मई को गवटेक इंडिया सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

गवटेक का अर्थ होता है दक्षता एवं सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सरकारों की तरफ से टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना। इसके अलावा सरकारें टेक्नोलॉजी मदद से आम लोगों और उद्योग जगत से भी खुद को जोड़ती है। इन्हीं बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए गवटेक इंडिया सम्मेलन में उन कदमों पर चर्चा होगी, जिनसे सामाजिक सुरक्षा के प्रयासों को सफल किया जा सके। इसमें गवटेक स्टार्टअप के सामने आने वाली चुनौतियों और उनके समक्ष संभावनाओं पर भी चर्चा होगी। यह भारत में अपनी तरह का पहला आयोजन है, जिसमें सरकारी अधिकारिशें के साथ ही निवेशक, औद्योगिक इकाइयों से जुड़े लोग और स्टार्टअप एक मंच पर आएंगे। यहां इस बात पर विमर्श होगा कि कैसे सही योजनाओं का लाभ सही व जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचाया जाए।

इसमें नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत भी भाग लेंगे। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के चीफ नॉलेज ऑफिसर राजीव चावला, माईगव के सीईओ और एनईजीडी के अध्यक्ष एवं सीईओ अभिषेक सिंह और यूआईडीएआई के डिप्टी डायरेक्टर जनरल आमोद कुमार भी इसमें उपस्थित रहेंगे। उद्योग जगत से आन वाली हस्तियों में सेंटर ऑफ डिजिटल इकोनॉमी पॉलिसी एंड रिसर्च के अध्यक्ष जयजीत भट्टाचार्य, नैसकॉम फाउंडेशन की सीईओ निधि भसीन और आईबीएम के एक्जीक्यूटिव आर्किटेक्ट, एआई एंड एनालिटिक्स अनुज गुप्ता शामिल हैं।

इसके आयोजन को लेकर श्री चावला ने कहा, मैं भारत में अपनी तरह के इस पहले सम्मेलन के आयोजन के लिए ईजीगव को बधाई देता हूं। सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं में सही व्यक्ति का उस सुरक्षा दायरे से बाहर रह जाना चिंता का विषय है। इस दिशा में टेक्नोलॉजी से नई राह निकल सकती है।

सिंह ने कहा कि डाटा को सभी स्टार्टअप एवं टेक उद्यमियों के लिए ओपन और एक्सेसिबल करने की दिशा में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कई कदम उठाए हैं। भारत ने गवटेक के क्षेत्र में कई इनोवेटिव सॉल्यूशन तैयार किए हैं, जिन्हें दुनियाभर में अपनाया जा सकता है। पहले गवटेक इंडिया सम्मेलन में संबंधित पक्षों से विमर्श के लिए हम उत्साहित हैं।

पीजी टेक्नोप्लास्ट के अहमदनगर स्थित नये संयंत्र में एसी विनिर्माण शुरू

एजेंसी

नयी दिल्ली। पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट लिमिटेड (पीजीईएल) की अनुषंगी कंपनी पीजी टेक्नोप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड ने महाराष्ट्र के अहमदनगर के सुपा में स्थित अपनी प्रमुख एसी मैन्युफैक्चरिंग इकाई में उत्पादन शुरू करने की घोषणा की है।

महाराष्ट्र के अतिरिक्त मुख्य सचिव बलदेव सिंह ने इस संयंत्र का उद्घाटन किया है। फैक्ट्री ने इस साल की शुरुआत में जनवरी के दौरान ही कॉमर्शियल उत्पादन शुरू कर दिया था और यह एसी के कल-पुर्जों की पीएलआई स्कीम के तहत उत्पादन करने वाली यह पहली ग्रीनफील्ड इकाई है।

यह इकाई 15 लाख आईडीयूज और 1 लाख ओडीयूज की स्थापित वार्षिक क्षमता के दम पर 0.75टन से लेकर 2.0टन वाले सभी प्रकार के स्प्लिट एसी का निर्माण कर रही है।

पीजीईएल के प्रबंध निदेशक (ऑपरेशंस) विकास गुप्ता ने कहा, यह इकाई देश में घरेलू कल-पुर्जों का एक मजबूत इकोसिस्टम खड़ा करने की दिशा में किए जा रहे हमारे प्रयासों में शामिल एक और कदम है।

अपनी सभी टीमों की सख्त प्लानिंग और बेहतरीन क्रियान्वयन के माध्यम से हमारा पहला सीजन बेहद कामयाब रहा।

हमारी इंडस्ट्री में कामयाबी के प्रमुख हालमार्क हैं- लागत, गुणवत्ता और डिलिवरी। इस इकाई के पास पश्चिमी भारत में एसी और एसी के कल-पुर्जों की सबसे बड़ी सामर्थ्य मौजूद है, और यह देश की सबसे बैकवार्ड्स इंटीग्रेटेड इकाइयों में शामिल है।

हमें गर्व है कि हम आरएसी इंडस्ट्री की अपेक्षाओं पर पूरी तरह से खरा उतरने के काबिल रहे और अपने परिचालन के पहले वर्ष में ही कई प्रमुख भारतीय और बहुराष्ट्रीय ब्रांडों के ऑर्डर प्राप्त हुये हैं।

कंपनी को पीएलआई स्कीम के तहत सरकार की मंजूरी नवंबर 2021 में ही मिल गई थी। कंपनी ने इस पहल के माध्यम से पांच वर्षों के दौरान 321 करोड़ रुपये के निवेश का वादा किया था।

पीजीटीएल ने इस प्रोजेक्ट के पहले चरण को परिचालन योग्य बनाने में 160 करोड़ रुपये का निवेश किया है और 1,000 से ज्यादा नई नौकरियां पैदा की हैं।

यह इकाई रूम एसी इंडोर यूनिट्स, आउटडोर यूनिट्स, प्लास्टिक मोल्डेड कंपोनेंट्स, पेंटेड शीट मेटल कंपोनेंट्स, हीट एक्सचेंजर्स, क्रॉस फ्लो फैन्स का निर्माण कर रही है तथा विभिन्न उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोगों के लिए पीसीबी कंट्रोलर्स की मैन्युफैक्चरिंग क्षमताएं स्थापित करने की प्रक्रिया में जुटी है।

शेयर बाजार हुआ गुलजार, सेंसेक्स-निफ्टी में ढाई प्रतिशत से अधिक की तेजी

मुंबई। चीन में कोविड प्रतिबंधों में ढील दिये जाने की तैयारी से वैश्विक स्तर पर मांग बढ़ने की उम्मीद में विदेशी बाजारों में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर चौतरफा लिवाली से शेयर बाजार आज गुलजार हो गया और सेंसेक्स एवं निफ्टी ढाई प्रतिशत से अधिक की तेजी पर रहे।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1344.63 अंक की उड़ान भरकर पांच दिन बाद 54 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 54318.47 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 417 अंक की छलांग लगाकर 16 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर 16259.30 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 2.51 प्रतिशत चढ़कर 22,700.87 अंक और स्मॉलकैप 2.78 प्रतिशत मजबूत होकर 26,318.08 अंक पर रहा।

वैश्विक रुख ने निवेशकों की निवेश धारणा को मजबूती दी वहीं स्थानीय स्तर पर सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के शयरों ने निर्गम मूल्य से आठ प्रतिशत से अधिक के डिस्काउंट पर खुलकर बाजार को निराश किया।

बीएसई में एलआईसी का शेयर 867.20 रुपये पर खुला, जो उसके 949 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य से 8.62 प्रतिशत कम है। साथ ही एनएसई में 8.11 प्रतिशत गिरकर 872 रुपये प्रति शेयर पर खुला।

इस दौरान नीचे भाव पर हुई चौतरफा लिवाली से बीएसई के सभी 19 समूहों में जबरदस्त तेजी रही।

बेसिक मैटेरियल्स 4.26, सीडीजीएस 2.29, ऊर्जा 4.13, एफएमसीजी 2.13, वित्त 2.05, इंडस्ट्रियल्स 3.14, आईटी 2.60, दूरसंचार 3.31, यूटिलिटीज 2.49, ऑटो 2.36, बैंकिंग 2.21, कैपिटल गुड्स 3.08, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.50, धातु 7.62, तेल एवं गैस 3.52, पावर 2.31 और टेक समूह के शेयरों ने 2.43 प्रतिशत की छलांग लगाई। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तेजी का रुख रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.75, जर्मनी का डैक्स 1.58, जापान का निक्केई 0.42, हांगकांग का हैंगसेंग 3.27 और चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.65 प्रतिशत की उछाल रही।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 311 अंक की तेजी के साथ 53,285.19 अंक पर खुला और मामूली बिकवाली के दबाव में थोड़ी देर बाद 53,176.02 अंक के निचले स्तर तक फिसला। इसके बाद शुरू हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत यह लगातार चढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 54,399.42 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 52,973.84 अंक के मुकाबले 2.54 प्रतिशत की छलांग लगाकर 54,318.47 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 3462 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2624 में तेजी जबकि 714 में गिरावट रही वहीं 124 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

निफ्टी की शुरुआत भी मजबूत रही और यह 70 अंक बढ़कर 15,912.60 अंक पर खुला।

सत्र के दौरान 15,900.80 अंक के न्यूनतम जबकि 16,284.25 अंक के उच्चतम स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 15,842.30 अंक की तुलना में 2.63 प्रतिशत की तेजी लेकर 16,259.30 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान एनएसई की सभी 50 कंपनियों में लिवाली हुई।

इस दौरान सेंसेक्स की सभी 30 कंपनियों में तेजी रही। टाटा स्टील ने सबसे अधिक 7.62 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

साथ ही रिलायंस 4.26, आईटीसी 4.15, विप्रो 3.97, आईसीआईसीआई बैंक 3.97, एलटी 3.80, एचसीएल टेक 3.77, मारुति 3.76, बजाज फाइनेंस 3.38, टाइटन 3.10, एसबीआई 2.68, एक्सिस बैंक 2.50, बजाज फिनसर्व 2.49, टीसीएस 2.24 और इंडसइंड बैंक के शेयर 2.12 प्रतिशत चढ़े।

शार्ट न्यूज

अजिंक्या रहाणे भी आईपीएल 2022 से बाहर

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 के बाक़ी बचे मैचों में अजिंक्या रहाणे हिस्सा नहीं ले पाएंगे। सनराइज़र्स हैदराबाद के विरुद्ध कोलकाता नाइट राइडर्स के पिछले मैच में हैमस्ट्रिंग की चोट लगने के बाद वह इस प्रतियोगिता से बाहर हो गए हैं। हैदराबाद के विरुद्ध रहाणे ने तीन छक्कों की मदद से 24 गेंदों पर 28 रन बनाए थे। हालांकि इस दौरान उन्हें सिंगल लेने में परेशानी हो रही थी। वह अपनी हैमस्ट्रिंग को पकड़े हुए थे और ओवरों के बीच में फ़िज़ियो को भी मैदान पर उतरना पड़ा था। चोटिल होने के बावजूद रहाणे ने बल्लेबाज़ी जारी रखी और आठवें ओवर में उमरान मलिक ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया। कुल मिलाकर आईपीएल 2022 में रहाणे ने सात मैच खेले और उनके बल्ले से केवल 133 रन निकले। इस दौरान उनकी औसत केवल 19 की रही और उनका स्ट्राइक रेट 103.90 का था। कोलकाता के लिए इस सीज़न के पहले मैच में रहाणे ने 44 रनों की पारी खेली थी। हालांकि अगले चार मैचों में वह एक बार भी 15 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाए। इस कारण उन्हें टीम से ड्रॉप कर दिया गया और कोलकाता ने चार अलग सलामी जोड़ियों को आज़माया। सफलता नहीं मिलने के कारण रहाणे को दोबारा एकादश में स्थान दिया गया। हैदराबाद को हराकर कोलकाता ने प्लेऑफ़ में जाने की उम्मीदों को बरक़रार रखा है। हालांकि इसके लिए उन्हें अपना अंतिम मैच जीतना होगा और साथ ही कामना करनी होगी कि अन्य टीमों के परिणाम उनके हक़ में जाए।

नोर्त्जे की दक्षिण अफ़्रीकी टीम में वापसी, स्टब्स नया चेहरा

जोहानसबर्ग। दक्षिण अफ़्रीका के घरेलू टी20 चैलेंज में सबसे ज़्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर रहे ट्रिस्टन स्टब्स को पहली बार राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। उन्हें भारत के ख़िलाफ़ जून में होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज़ के लिए टीम में शामिल किया गया है। दक्षिण अफ़्रीका के लिए पिछले साले टी20 विश्व कप से नहीं खेले एनरिक नोर्त्जे की भी टीम में वापसी हुई है। उन्होंने आईपीएल में अपनी फ़िटनेस को दोबारा पा लिया है। दक्षिण अफ़्रीका के चयनकर्ता विक्टर पिटसांग ने कहा, यह वह प्रोटियाज़ टीम है जिसे हमने लंबे समय से नहीं देखा है। आईपीएल में खेलने से खिलाड़ियों को ऊर्जा मिली है और अब वह इसका इस्तेमाल आगामी सीरीज़ में कर सकते हैं और उन परिस्थितियों का फ़ायदा उठा सकते हैं जहां वह पहले से मौजूद हैं। नोर्त्जे भी अब टीम में वापस आ चुके हैं। राष्ट्रीय चयनकर्ता पैनल और मैं टीम को मैदान पर उतरता देखने के लिए उत्साहित हैं। टीम के कोच मार्क बाउचर होंगे, जिनका कार्यकाल 2023 तक है। आईपीएल खेल रहे दो ही दक्षिण अफ़्रीकी खिलाड़ी फ़ाफ़ डुप्लेसी और डेवाल्ड ब्रेविस को टीम में जगह नहीं मिली है। डुप्लेसी पिछले साल टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं लेकिन वह सफ़ेद गेंद क्रिकेट के लिए उपलब्ध हैं। हालांकि उन्हें चुना नहीं गया है। वह अभी आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान हैं और यहां रन बनाने के मामले में सातवें नंबर पर हैं। ब्रेविस ने अंडर 19 विश्व कप में प्रसिद्धि पाई थी और उन्हें मुंबई इंडियंस ने अपने साथ जोड़ा था। उन्होंने आईपीएल में छह मैच खेले और पंजाब किंग्स के ख़िलाफ़ 25 गेंद में 49 रनों की प्रभावित करने वाली पारी खेली, लेकिन उन्हें हरी जर्सी के लिए अभी थोड़ा इंतज़ार करना होगा।

कोरोना के कारण स्थगित हुए पैरा एशियाई खेल

बीजिंग। चीन के हांगझोऊ में नौ से 15 अक्टूबर के बीच होने वाले 2022 पैरा एशियाई खेल स्थगित कर दिये गये हैं। हांगझोऊ 2022 एशियाई पैरा खेल आयोजन समिति (हापगोक) और एशियाई पैरालिंपिक समिति (एपीसी) ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। आयोजकों ने हांगझोऊ 2022 एशियाई खेलों को स्थगित करने का फैसला खेलों के आकार और कोविड-19 महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखकर लिया है। एपीसी, चीनी पैरालिंपिक समिति और हापगोक की एक संयुक्त टीम अब 2023 में होने वाले खेलों की तिथियां पुन:निर्धारित करने पर काम करेगी। निकट भविष्य में इसकी घोषणा हो सकती है। आयोजकों ने बताया कि पैरालिंपिक्स का प्रतीक, स्लोगन और साल बदला नहीं जाएगा। एपीसी के अध्यक्ष मजीद राशिद ने कहा, खेलों की तैयारी बहुत अच्छी चल रही है और हापगोक भी बेहतरीन आयोजन के लिये तैयार था। उन्होंने कहा, यह हमारे लिये आसाना फ़ैसला नहीं था मगर हमने खेलों में हिस्सा लेने वाले आईएफ़, एनपीसी और खिलाड़ियों को आश्वस्त करने के लिये ऐसा किया है। अब हम आयोजन समितियों के साथ काम कर नयी तिथियों का निर्धारण करेंगे जो पैरा-स्पोर्ट्स के लिये सुविधाजनक होंगी।

इंग्लैंड के सफ़ेद गेंद क्रिकेट कोच बनने के प्रबल दावेदार हैं मैथ्यू मॉट

लंदन। ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम के कोच मैथ्यू मॉट इंग्लैंड के सीमित ओवर कोच बनने के लिए प्रबल दावेदार बनकर उभर चुके हैं और ऐसा हो सकता है उनकी नियुक्ति इसी हफ़्ते में की जाए। क्रिकइंफ़ो को पता चला है कि साक्षात्कार के दौरान उनकी उम्मीदवारी पूर्व इंग्लैंड ऑलराउंडर पॉल कॉलिंगवुड से बेहतर मानी गई। कॉलिंगवुड हालिया समय में वेस्टइंडीज़ में अंतरिम कोच का काम कर चुके थे। रॉब की के पुरुष क्रिकेट निदेशक नियुक्त होने के बाद इंग्लैंड ने टेस्ट और सीमित ओवर में कोचिंग भूमिकाओं को विभाजित करने का फ़ैसला किया था। पिछले हफ़्ते कोलकाता नाइट राइडर्स कोच और पूर्व न्यूज़ीलैंड कप्तान ब्रेंडन मैकुलम को टेस्ट टीम का कोच नियुक्त किया गया था। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) सलाहकार ऐंड्र्यू स्ट्रॉस और सीईओ टॉम हैरिसन उनके साक्षात्कार करने वाले पैनल के सदस्य थे। सफ़ेद गेंद कोच के चयन प्रक्रिया में समझा जा रहा है कि कप्तान इयोन मॉर्गन की सलाह भी ली गई है। संयोग से मैकुलम ने लगभग 10 साल पहले मॉट की सिफ़ारिश न्यूज़ीलैंड के पुरुष टीम के मुख्य कोच पद के लिए की थी। उस वक़्त यह पद आख़िरकार माइक हेसन के पास गया था। 48 वर्षीय मॉट 2015 से ऑस्ट्रेलिया महिला टीम के साथ हैं। इस दौरान उन्होंने कप्तान मेग लानिंग के साथ इस टीम को इतना मज़बूत बनाया है कि उन्हें इंविंसीबल्स यानी अजेय के नाम से पुकारा जाने लगा है। 2017 में भारत के हाथ वनडे विश्व कप में हार मिलने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने अगले 42 मैचों में केवल दो हारे हैं और जीतने के सिलसिले में उन्होंने इस साल विश्व कप में भी सारे मैच जीते। ख़ुद क्वींसलैंड और विक्टोरिया के शीर्ष क्रम बल्लेबाज़ रह चुके मॉट ने पुरुष क्रिकेट में न्यू साउथ वेल्स और ग्लेमोर्गन के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ए के मुख्य कोच की भूमिका भी निभाई है। 2009 में वह कोलकाता नाइट राइडर्स के सहायक कोच भी थे। महिला विश्व कप के दौरान उनका नाम जस्टिन लैंगर की जगह पुरुष टीम में मुख्य कोच के पद के साथ भी जोड़ा गया था लेकिन उन्होंने तब कहा था कि वह महिला टीम के साथ ही जुड़े रहना चाहेंगे।

पोंटिंग ने मुझसे कहा मौके का पूरा फायदा उठाओः सरफ़राज़

नयी दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज़ सरफ़राज़ खान ने कहा है कि पंजाब किंग्स के खिलाफ सोमवार को दिल्ली के मुकाबले से पहले कोच रिकी पॉन्टिंग ने उन्हें मौके का पूरा फ़ायदा उठाने के लिये कहा था। दिल्ली के लिये पहली बार ओपनिंग करने वाले सरफ़राज़ के लिये इस साल का आईपीएल बहुत अच्छा नहीं रहा था। सोमवार के मुकाबले से पहले उन्हें आईपीएल 2022 में सिर्फ चार मुकाबले खेलने का मौका मिला था जिनकी तीन पारियों में उन्होंने 49 रन बनाये थे। पृथ्वी शॉ के अस्वस्थ्य होने के कारण दिल्ली को एक सलामी बल्लेबाज़ की ज़रूरत थी और पिछले दो मैचों में श्रीकर भरत की असफ़लता के बाद टीम ने सरफ़राज़ को मौका दिया। सरफ़राज़ ने मैच के बाद शार्दुल ठाकुर के साथ बातचीत में कहा, रिकी पोंटिंग ने मुझसे कहा कि मैं इस मौके का फायदा उठाऊं। जब हमने पहली बॉल पर डेविड वॉर्नर का विकेट खो दिया तो मैंने अपने दिमाग में सोचा कि मैं तेज़ी से रन बनाना जारी रखूंगा। पावरप्ले बहुत ज़रूरी होते हैं और टीम को आवश्यक शुरुआत दे सकते हैं, इसलिये मैंने ज़्यादा से ज़्यादा रन बनाने की कोशिश की।

हमारे अंदर एक-दूसरे की मदद करने की भूख और इच्छा है : डेविड वॉर्नर

मुम्बई। जेएसडब्लू-जीएमआर के सह-स्वामित्व वाली दिल्ली कैपिटल्स सोमवार रात को मुंबई स्थित डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी मैदान पर खेले गए मुकाबले में पंजाब किंग्स पर 17 रन जीत दर्ज करके टाटा आईपीएल 2022 की अंक तालिका के शीर्ष चार में पहुंच गई है। इस मैच में अपनी टीम के प्रदर्शन पर दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा, टीम का रवैया कभी ना हार मानना वाला है। हम लड़ने-जूझने वाली टीम हैं और हम अपनी क्षमताओं के अनुसार सर्वश्रेष्ठ खेलते हैं, चाहे वो गेंद से हो या फिर बल्ले से। हमारे अंदर एक-दूसरे की मदद करने की भूख और इच्छा है क्योंकि हम एक-दूसरे की परवाह करते हैं। वार्नर कल पंजाब के खिलाफ भले ही बैट से योगदान नहीं कर सके, लेकिन उन्होंने क्षेत्ररक्षण में अपनी छाप छोड़ी। जब ऑस्ट्रेलियाई स्टार से उनकी शानदार फील्डिंग के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मेरे लिए क्रिकेट के दो पहलू हैं – बल्लेबाजी और फील्डिंग। मैं इनर सर्किल में एक-एक रन रोकना चाहता हूं और बाउंड्री पर कुछ कैच लपकना चाहता हूं। सौभाग्य से, मै एक कैच पकड़ने में सफल रहा और यह हमारे लिए शानदार परिणाम था। मुझे क्षेत्ररक्षण में जहां भी लगाया जाता है, तो मैं गेंदबाजों के लिए रन बचाने की कोशिश करता हूं।

सरफराज खान ने सलामी बल्लेबाज की भूमिका का आनंद उठाते हुए 16 गेंदों में 32 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने कहा, मैंने पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले से पहले कभी ओपनिंग नहीं की थी, इसलिए मैं इस स्थिति का आनंद लेना चाह रहा था। ये मौका मिलने से पहले मुझे लगता था कि मैं एक ओपनर के रूप में अच्छी बल्लेबाजी कर सकता हूं और पंजाब के खिलाफ चीजें योजना के अनुसार होती चली गईं।

इस बल्लेबाज ने अपनी पारी के बाद भी टीम को प्रेरित किया। उन्होंने कहा, अगर मेरी पारी से टीम को जीत नहीं मिलती है, तो मुझे खुशी नहीं होती है। टीम के भीतर माहौल अच्छा है और हमें प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लिए एक और मैच में अच्छा खेलने की जरूरत है। मैं हमारी बल्लेबाजी के बाद टीम में अपने सभी साथियों से कहता रहा कि केवल एक विकेट की बात है। अगर हमें एक विकेट मिलता है तो हम मैच हमारी गिरफ्त में होगा और हम पंजाब की पूरी पारी में विकेट लेते रहे।

सरफराज ने अपने क्रिकेट करियर पर अपने पिता के प्रभाव के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, आज मैं जो कुछ भी हूं, उसका श्रेय मेरे पिता को जाता है। उन्होंने मुझे मैचों के लिए मुंबई से उत्तर प्रदेश तक जाने के लिए प्रेरित किया। हम विभिन्न स्थानों पर रुके, जिससे कि मैं मध्य प्रदेश, गाजियाबाद, मथुरा और दिल्ली में मैच खेल सकूं और मेरे पिता ने मेरे लिए लगभग 2500 किमी ड्राइव किया है।

शोएब अख्तर जानते थे कि वह चक करते हैं : सहवाग

नयी दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान वीरेंद्र सहवाग ने दावा किया है कि पूर्व पाकिस्तानी तेज़ गेंदबाज़ शोएब अख़्तर जानते थे कि वह चक करते थे और अपने हिसाब से उन्होंने उन्हें %बाउंड्री गेंदबाज़ की उपाधि भी दी है।

सहवाग ने स्पोर्ट्स18 चैनल के एक कार्यक्रम में कहा, शोएब जानते थे कि उनकी कोहनी मुड़ती थी और यह भी जानते थे कि वह चक करते थे। नहीं तो आईसीसी उन पर प्रतिबंध क्यों लगाता? ब्रेट ली का हाथ सीधा आता था और इसीलिए उनको पढ़ना उतना मुश्किल नहीं था लेकिन शोएब के ख़िलाफ़ आप अंदाज़ा नहीं लगा सकते थे कि गेंद कहां से आएगी और कहां जाएगी। ग़ौरतलब है कि दिसंबर 1999 में पहली बार आईसीसी ने अख़्तर के एक्शन पर सवाल ज़रूर उठाए थे और अगले दो सालों में उन्हें कई बार मेडिकल टेस्ट भी करवाने पड़े थे लेकिन क्रिकेट के शासी निकाय ने कभी भी उन पर गेंदबाज़ी के आधार पर औपचारिक प्रतिबंध नहीं लगाए थे। अख़्तर के जीवन में अनुशासनहीनता के कई और अवसर घटे थे। साथ ही अक्सर चोटग्रस्त रहने के चलते उन्होंने 14 साल के करियर में पाकिस्तान के लिए केवल 224 अंतर्राष्ट्रीय मैच ही खेले जिनमें 46 टेस्ट में उन्होंने 178 विकेट झटके। सहवाग ने अपने जीवन में शोएब और ली को सबसे तेज़ रफ़्तार के गेंदबाज़ों का दर्जा ज़रूर दिया लेकिन उन्होंने न्यूज़ीलैंड के शेन बॉन्ड को सर्वश्रेष्ठ विपक्षी तेज़ गेंदबाज़ माना। उन्होंने कहा, उनकी गेंदें अंदर आती थी, भले ही उन्होंने गेंद ऑफ़ स्टंप के बाहर गेंद डाली हो। मैंने कभी ब्रेट को खेलने में सहजता महसूस नहीं की लेकिन शोएब को अगर मैं दो बाउंड्री मार देता था तो फिर पता नहीं रहता था कि उनकी प्रतिक्रिया क्या होती। वह बीमर भी डाल सकते थे और पैरों पर यॉर्कर भी मार सकते थे। नजफ़गढ़ के नवाब कहे जाने वाले सहवाग ने 104 टेस्ट मैच में भारत के लिए 8586 रन बनाए और अपने आख़िरी मैचों में जाकर उनका औसत 50 से नीचे आकर 49.34 पर रुका। उनकी ख़ासियत थी कि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 82.23 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए और इसके चलते उनकी उपस्थिति में भारत ने सिर्फ़ अपने घर पर ही नहीं बल्कि विदेशी धरती पर भी कई यादगार जीत हासिल की।

प्लेऑफ का टिकट कटाने उतरेंगे लखनऊ सुपर जायंट्स

मुम्बई। लखनऊ सुपर जायंट्स अपने पिछले दो मैच लगातार हार जाने के बावजूद बुधवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ डीवाई पाटिल स्टेडियम में होने वाले आईपीएल मुकाबले में प्लेऑफ का टिकट कटाने के इरादे से उतरेगी। लखनऊ इस समय 13 मैचों में 16 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है और इस मुकाबले में जीत उसे 18 अंकों पर पहुंचकर उसका स्थान प्लेऑफ में सुनिश्चित कर देगी।

कोलकाता ने अपना पिछले मुकाबला जीता था और वह 13 मैचों में 12 अंकों के साथ तालिका में छठे स्थान पर है। कोलकाता भी जीत हासिल कर चौथे स्थान पर पहुंचने की कोशिश करेगा लेकिन उसे साथ ही दूसरी टीमों के परिणामों को भी देखना होगा। कोलकाता को अपना नेट रन रेट भी सुधारना होगा ताकि वह 14 अंकों पर कई टीमों की स्थिति में बेहतर स्थिति में रह सके। हालांकि कोलकाता की संभावना कम नजर आती है क्योंकि दिल्ली और पंजाब पहले ही 14-14 अंकों पर मौजूद हैं।

लखनऊ को अपनी बल्लेबाजी को सुधारना होगा क्योंकि पिछले दोनों मैच उसने कमजोर बल्लेबाजी के कारण गंवाए हैं। दीपक हुड्डा पर टीम की उम्मीदों का दारोमदार रहेगा। जब से लखनऊ ने दीपक हुड्डा को नंबर तीन पर खिलाना शुरू किया है वह एकदम अलग बल्लेबाज़ लगे हैं। उन्होंने नंबर तीन पर खेलते हुए 59, 27, 41, 52 और 34 का स्कोर किया है। वह टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा रन बनाने के मामले में पांचवें नंबर पर भी हैं, जहां उन्होंने 13 मैचों में 406 रन बनाए हैं। 33 वर्ष के टिम साउदी ने इस सीज़न लगातार विकेट लेने की क़ाबिलियत दिखाई है। उन्होंने आठ मैचों में 15.57 की बेहतरीन औसत से 14 विकेट लिए हैं।

डीवाई पाटिल स्टेडियम उन्हें रास भी आ रहा हैं, जहां उन्होंने तीन मैच में 4.9 की इकॉनमी से सात विकेट लिए हैं। लखनऊ के लिए तेज गेंदबाज आवेश ने 11 मैचों में सबसे ज़्यादा 17 विकेट लिए हैं और उन्होंने पिछले सीज़न की ही तरह इस बार भी अच्छा प्रदर्शन किया है। कोलकाता को उनकी गति के सामने जूझना पड़ता है। उन्होंने इस टीम के ख़िलाफ़ पांच मैचों में 6.33 की इकॉनमी से 10 विकेट लिए हैं।

कोलकाता के आंद्रे रसेल इस इस सत्र में सबकी पसंद बने हुए हैं। उन्होंने 13 मैच में 182.32 के स्ट्राइक रेट से 330 रन तो बनाए ही हैं, बल्कि 17 विकेट भी लिए हैं। रवि बिश्नोई के लिए यह सीज़न मिलाजुला रहा है। उन्होंने 12 मैच में 8.19 की इकॉनमी से 11 विकेट लिए हैं। हालांकि कोलकाता की टीम कलाई के स्पिनरों के ख़िलाफ़ जूझती नज़र आती है, ऐसे में वह विकेट ले सकते हैं।

कच्चे तेल की कमी से जूझ रहा अमेरिका

35 सालों के निचले स्तर पर रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार

वॉशिंगटन। अमेरिका में आपातकालीन उपयोग के लिए संग्रहीत कच्चे तेल की मात्रा 35 साल के निचले स्तर पर पहुंच गई है क्योंकि देश में ईंधन की कमी को दूर करने के लिए जो बाइडेन प्रशासन ने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार (एसपीआर) से कच्चा तेल सप्लाई का फैसला किया था। अमेरिकी ऊर्जा विभाग से मिले आंकड़ों में यह बात सामने आई है।

ऊर्जा विभाग की ओर से संग्रहीत तेल पर जारी हालिया आंकड़ों के अनुसार, एसपीआर में कच्चे तेल की मात्रा में इस सप्ताह के दौरान 13 मई तक 50 लाख बैरल की कमी आई है, इससे अब यह गिरकर 53.8 करोड़ बैरल तक पहुंच गई है।

यह दिखाता है कि अमेरिका में आपातकालीन इस्तेमाल के लिए कच्चे तेल का भंडार वर्ष 1987 के बाद से सबसे निचले स्तर पर है।

गौरतलब है कि इस सप्ताह के दौरान 13 मई तक भंडार से निकाले गए 50 लाख बैरल में से कुछ 39 लाख बैरल निम्न स्तर का कच्चा तेल था जबकि बाकी 11 लाख बैरल उच्च स्तर का कच्चा तेल था। निम्न स्तर का कच्चा तेल मध्यम किस्म का तेल होता है जिसमें सल्फर की मात्रा अधिक होती है और यह उच्च स्तर के कच्चे तेल की तुलना में अधिक चिपचिपा होता है। आमतौर पर ट्रक, बस और ट्रेन के साथ-साथ जेट के संचालन के लिए निम्न स्तर के कच्चे तेल की आवश्यकता होती है। दूसरी ओर, उच्च स्तर के कच्चे तेल में सल्फर की मात्रा बहुत कम होती है। इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से गैसोलीन बनाने के लिए किया जाता है, जिसे अमेरिका के बाहर पेट्रोल के रूप में भी जाना जाता है।

यूक्रेन में रूस के विशेष सैन्य अभियान के कारण मॉस्को पर अधिकांश पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंध से कच्चे तेल के निर्यात में भारी कमी आई है। इसके अलावा, कोरोना वायरस महामारी के दौरान कई रिफाइनरियों के बंद होने से भी अमेरिका की तेल शोधन क्षमता में कमी आई है, जिससे समस्या बढ़ गई है। ईंधन की इसी कमी से निपटने के लिए बाइडेन प्रशासन ने नवंबर से कई चरणों में एसपीआर से तेल जारी करना बरकरार रखा।

फरवरी से अप्रैल के महीने के दौरान घरेलू रिफाइनरों की कच्चे तेल की मांग को पूरा करने में मदद करने के लिए प्रशासन ने हर हफ्ते एसपीआर से औसतन 30 लाख बैरल तेल निकाला। एसपीआर से बाइडेन प्रशासन की सबसे बड़ी रिलीज इसी महीने होगी, जब रिजर्व भंडार से से कुल 18 करोड़ बैरल-या 180 दिनों की अवधि में प्रतिदिन 10 लाख बैरल कच्चा तेल जारी किया जाएगा।

अमेरिका का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार 35 सालों में सबसे निचले स्तर पर

वाशिंगटन। अमेरिका में आपातकालीन उपयोग के लिए संग्रहीत कच्चे तेल की मात्रा 35 साल के निचले स्तर पर पहुंच गई है क्योंकि देश में ईंधन की कमी को दूर करने के लिए जो बाइडेन प्रशासन ने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार से कच्चा तेल जारी करने का फैसला किया था। अमेरिकी ऊर्जा विभाग से प्राप्त आंकड़ों से इस तथ्य का खुलासा हुआ। ऊर्जा विभाग की ओर से संग्रहीत तेल पर जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, एसपीआर में कच्चे तेल की मात्रा में इस सप्ताह के दौरान 13 मई तक 50 लाख बैरल की कमी आई है, इससे अब यह गिरकर 53.8 करोड़ बैरल तक पहुंच गई है। यह दर्शाता है कि अमेरिका में आपातकालीन इस्तेमाल के लिए कच्चे तेल का भंडार वर्ष 1987 के बाद से सबसे निचले स्तर पर है। उल्लेखनीय है कि इस सप्ताह के दौरान 13 मई तक भंडार से निकाले गए 50 लाख बैरल में से कुछ 39 लाख बैरल कच्चे तेल था जबकि शेष 11 लाख बैरल उच्च स्तर का कच्चा तेल था।

चीन में कोविड लॉकडाउन से पूरी दुनिया पर पड़ रहा है असर

बीजिंग। चीन में कोरोना वायरस से बुरा हाल है। शंघाई सहित चीन के कई शहरों में लॉकडाउन लगा हुआ है। चीन में कोविड के बढ़ते प्रकोप का असर दुनिया पर दिखने लगा है। दुनिया में जूते-चप्पल, गैजेट्स, ऑटो सेक्टर की आपूर्ति प्रभावित हुई है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक के अस्पताल एक्स-रे में इस्तेमाल होने वाले रसायनों की कमी से जूझ रहे हैं। लक्जरी बाथरूम और रसोई काउंटरटॉप्स शिपमेंट के लिए दुनिया में महीनों की देरी देखी जा रही है। कंपनियों का कहना है कि सप्लाई चेन पहले से ही बिगड़ी हुई है और चीन में कोविड के कारण सप्लाई चेन का मामला और बिगड़ गया है।

हेल्थकेयर सेक्टर पर भी पड़ रहा असर

ग्रेटर न्यूयॉर्क हॉस्पिटल एसोसिएशन ने कहा है कि स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में एक आयोडीन युक्त कंट्रास्ट मीडियम की कमी देखी गई है जिसे ओमनीपैक के नाम से जाना जाता है, जो शंघाई में जीई हेल्थकेयर फैक्ट्री में उत्पादित होता है। इस रासायनिक एजेंट का व्यापक रूप से एक्स-रे, रेडियोग्राफी और सीटी स्कैन में इस्तेमाल किया जाता है। हॉस्पिटल एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि अगले दो महीनों के लिए आपूर्ति में 80 फीसद तक की कटौती की जा सकती है, भले ही कारखाने ने अब उत्पादन फिर से शुरू कर दिया हो।

चीन से बाहर के बाजारों की भी बढ़ी दिक्कतें

लक्जरी स्टीरियो और टीवी सेट बनाने वाली कंपनियों ने कहा है कि लॉकडाउन न सिर्फ स्थानीय बिक्री को नुकसान पहुंचा रहा है बल्कि चीन के बाहर के बाजारों में भी फैल रहा है क्योंकि गोदामों तक सीमित पहुंच के कारण लॉजिस्टिक की समस्या बढ़ती जा रही है। वोक्सवैगन एजी से लेकर टोयोटा मोटर कॉर्प तक कई कार निर्माताओं ने फिर से उत्पादन शुरू कर दिया है हालांकि उन्हें कई दिक्कतों का सामान करना पड़ रहा है।

वियतनाम जैसे देशों की दिक्कतें बढ़ीं

चीन के बाहर के कार निर्माताओं की भी दिक्कतें बढ़ी हुई हैं क्योंकि चीन से उत्पादित पुर्जे नहीं आ रहे हैं। इसके साथ ही वियतनाम जैसे देश कपड़े और जूते के कारखाने ऑर्डर पूरा करने के लिए दिक्कतों का सामना कर रहे हैं क्योंकि स्नीकर्स से लेकर पैंट तक सब कुछ बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली चीनी सामग्री की आपूर्ति अटकी हुई है।

तालिबान ने मानवाधिकार आयोग को किया भंग

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा जमाने वाले तालिबान ने मानवाधिकार आयोग सहित पांच अहम विभागों को भंग कर दिया है। मानवाधिकार आयोग के अलावा राष्ट्रीय सुलह के लिए उच्च परिषद (एचसीएनआर) को भी भंग कर दिया गया, जिसकी अध्यक्षता आखिरी बार अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला अब्दुल्ला ने की थी। तालिबान सरकार के उप-प्रवक्ता इनामुल्लाह समांगनी ने कहा, ये विभाग बहुत जरूरी नहीं थे और इन्हें बजट में शामिल नहीं किया गया था। इसलिए इन्हें भंग कर दिया गया है। तालिबान ने हालांकि मानवाधिकार और संविधान से जुड़े विभागों को भंग कर तालिबान ने अपने इरादे साफ जाहिर कर दिए हैं। समाचार एजेंसी खामा की रिपोर्ट के मुताबिक तालिबान सरकार के द्वारा खत्म किए गए अन्य विभागों में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, संविधान के कार्यान्वयन की देखरेख के लिए स्वतंत्र आयोग (आईसीओआईसी) और वोलेसी जिरगा (निचला सदन) और मिश्रानो जिरगा (उच्च सदन) के विभाग भी शामिल हैं।

उत्तर कोरिया में कोरोना संक्रमण के 269,510 नए मामले, छह की मौत

सोल। उत्तर करिया में मंगलवार को कोरोना संक्रमण के 269,510 नए मामले सामने आये, जबकि संक्रमण से छह लोगों की मौत हो गयी। राज्य आपातकाल महामारी रोकथाम मुख्यालय के अनुसार सोमवार शाम छह बजे तक 269,510 लोगों में बुखार के लक्षण दिखे और उन में से छह लोगों की मौत हो गयी, जिसके बाद इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 56 हो गयी है। उत्तर कोरिया की न्यूज एजेंसी 'योनहाप' केअनुसार राष्ट्रपति किम जोंग उन ने इस महामारी से निपटने के लिए सेना को काम पर लगाने का निर्देश दिया है। एजेंसी ने कहा, कोरिया केंद्रीय सैन्य आयोग के वर्कर्स पार्टी ने एक विशेष आदेश पर पीपुल्स आर्मी ने प्योंगयांग के सभी दवा की दुकानों पर तत्काल सैन्य बल को तैनात कर दिया और 24 घंटे दवाओं की आपूर्ति शुरु कर दी। गौरतलब है कि सभी शहरों में 12 मई से लॉकडाउन लगा है। देश में सोमवार तक बुखार से पीड़ित लोगों की संख्या 14 लाख 80 हजार से अधिक थी, जिनमें से 819,090 से अधिक लोग पूरी तरह से स्वस्थ हो गए हैं जबकि 663,910 लोगों का उपचार किया जा रहा है।

फिलीपींस में कोरोना के ओमिक्रॉन स्वरूप से संक्रमित 17 नए मामलों की पुष्टि

मनीला। दक्षिण-पूर्व एशियाई देश फिलीपींस में कोरोना वायरस (कोविड-19) के नए स्वरूप ओमिक्रॉन से संक्रमित 17 नए मामलों की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य अपर सचिव मारिया वेर्गेयर ने एक वर्चुअल मीडिया वार्ता में कहा कि फिलीपींस में कोरोना के नए स्वरूप ओमिक्रॉन के 17 नए मामले सामने आए है। जिन इलाकों में कोरोना के नए मामले पाए गए है वहां संक्रमितों का विदेशों से आए लोगों से कोई संपर्क में नहीं हुआ था। सुश्री वेर्गेयर ने कहा कि ओमिक्रॉन वेरिएंट के मामले स्थानीय समूहों से पाये गये हैं। जिनमें मेट्रो मनीला, मध्य फिलीपींस में पश्चिमी विसायस क्षेत्र और पलावन प्रांत के प्यूर्टो प्रिंसेसा शहर प्रमुख हैं। उन्होंने सरकारी इकाईयों से आग्रह किया कि देश में ओमिक्रॉन के सक्रिय मामलों की जल्द से जल्द पुष्टि की जाए, जिससे उचित समय उनका इलाज किया जा सके। उन्होंने कहा कि देश में सामुदायिक प्रसार नहीं हुआ है।

दोषी व्यक्ति सार्वजनिक पद पर नहीं रह सकता

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के श्री हनीफ अब्बासी के प्रधानमंत्री के विशेष सहायक पद पर नियुक्ति के संदर्भ में मंगलवार को कहा कि जिस व्यक्ति को किसी भी मामले में सजा सुनाई गई है, उसे पाकिस्तान में किसी भी सार्वजनिक पद के लिए अयोग्य माना जाएगा। 'द न्यूज इंटरनेशनल' के अनुसार, अवामी मुस्लिम लीग (एएमएल) के प्रमुख और पूर्व गृह मंत्री शेख रशीद अहमद ने एसएपीएम के रूप में हनीफ अब्बासी की नियुक्ति को चुनौती देते हुए छह मई को आईएचसी का रुख किया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. -DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

चाइल्ड काउंसलर बनकर संवारें अपना भविष्य

एक चाइल्ड काउंसलर के पास संभावनाओं की कमी नहीं है। वह स्कूल से लेकर हॉस्पिटल्स तक में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न एनजीओ व बच्चों के लिए काम कर रही संस्थाओं में उनकी आवश्यकता होती है। वहीं आप स्पेशल स्कूल्स या बाल सुधार गृह में भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आज के तनावपूर्ण जीवन में सिर्फ बड़े ही नहीं, बल्कि बच्चे भी कई तरह की परेशानियों जैसे माता-पिता व अन्य लोगों से रिश्ते, एग्जाम प्रेशर व पीयर प्रेशर आदि से दो-चार होते हैं। यहां सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि वह अपनी परेशानी किसी से शेयर नहीं करते और कई बार तो अपनी परेशानियों को मन में ही रखने के कारण वह अवसादग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे में उनकी परेशानियों को समझकर उन्हें अंधेरे से निकालकर उजाले में लाने का काम करते है चाइल्ड काउंसलर। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पर व्यक्ति को दूसरों की सहायता करके एक अजीब सी संतुष्टि का अनुभव होता है।

क्या होता है काम

एक चाइल्ड काउंसलर बच्चों के व्यवहार और भावनात्मक मुद्दों पर उनकी सहायता प्रदान करते हैं। साथ ही वह बच्चों के डेवलपमेंट मुद्दों जैसे चिंता, नींद, पर्सनैलिटी डिसआर्डर व ईटिंग डिसआर्डर को भी दूर करते हैं। उनका मुख्य काम पहले बच्चों के साथ एक रिश्ता विकसित करना होता है ताकि वह अपने मन की उन बातों को भी साझा करें, जिसे वह किसी से भी नहीं कह पाते। इसके बाद वह उनकी बातों को सुनकर व उसके हाव-भावों के जरिए उसके मन की परेशानी को गहराई से समझते हैं। वह न सिर्फ बच्चों को काउंसिल करता है, बल्कि समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए पैरेंट्स को भी काउंसिल करते हैं। जिससे माता-पिता बच्चों के मन की बात समझकर उनके लिए सपोर्ट सिस्टम बन सकें।

स्किल्स

जो लोग एक सफल चाइल्ड काउंसलर बनना चाहते हैं, उनमें कम्युनिकेशन स्किल्स व इंटरपर्सनल स्किल्स काफी अच्छे होने चाहिए। इसके अतिरिक्त उसमें बच्चे को आसानी से सहज करने व बेहतरीन तालमेल बिठाने की भी क्षमता होनी चाहिए। अगर आप सच में एक बेहतरीन चाइल्ड काउंसलर बनने की इच्छा रखते हैं तो आपको तटस्थ व निष्पक्ष होकर बच्चे की बातों को सुनना व समझना चाहिए। अधिकतर बच्चे अपने दोस्तों या माता-पिता को महज इसलिए अपनी बात नहीं बताते क्योंकि उन्हें लगता है कि वह उनकी बात नहीं समझेंगे या फिर उन्हें गलत समझेंगे। ऐसा अनुभव उन्हें चाइल्ड काउंसलर की बातों से नहीं होना चाहिए। आपके भीतर यह क्षमता होनी चाहिए कि आप बच्चों को यह विश्वास दिला सके कि आप उनकी बातों को सुनेंगे, जज नहीं करेंगे।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए 12वीं के बाद साइकोलॉजी में बैचलर डिग्री कर सकते हैं। साइकोलॉजी में ग्रेजुएशन करने के बाद आप साइकोलॉजी में मास्टर डिग्री या पीजी डिप्लोमा इन गाइडेस व काउंसिलिंग कर सकते है। इसके बाद एमफिल या पीएचडी भी की जा सकती है।

संभावनाएं

एक चाइल्ड काउंसलर के पास संभावनाओं की कमी नहीं है। वह स्कूल से लेकर हॉस्पिटल्स तक में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न एनजीओ व बच्चों के लिए काम कर रही संस्थाओं में उनकी आवश्यकता होती है। वहीं आप स्पेशल स्कूल्स या बाल सुधार गृह में भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं। वहीं आप खुद का सेंटर भी खोलकर काम कर सकते हैं।

आमदनी

अगर वेतन की बात की जाए तो इसमें सैलरी से अधिक मानसिक संतुष्टि को महत्व दिया जाता है। वहीं एक स्कूल में नियुक्त काउंसलर 15000 से 20000 रूपए प्रतिमाह कमा सकता है। वहीं एक अनुभवी चाइल्ड काउंसलर की सैलरी एक बड़े स्कूल में 25000 से 30000 तक हो सकती है। इसके अतिरिक्त अगर आप किसी प्रतिष्ठित प्राइवेट हॉस्पिटल में काम कर रहे हैं तो आपकी सैलरी 30000 या उससे अधिक हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- अंबेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- पंजाब यूनिवर्सिटी, पंजाब
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ काउंसिलिंग, नई दिल्ली

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी के अवसर और स्कोप

नैनोटेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है।

नैनोटेक्नोलॉजी क्या होती है?

नैनोटेक्नोलॉजी विज्ञान और प्रौद्योगिकी का वह फील्ड है जिसमें नैनोकणों और सामग्रियों को विकसित किया जाता है, जिनका आकार नैनोमीटर की सीमा के भीतर होता है। नैनोटेक्नोलॉजी एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो लगभग हर तकनीकी अनुशासन – रसायन विज्ञान से लेकर कंप्यूटर विज्ञान तक – अत्यंत सूक्ष्म सामग्रियों के अध्ययन और अनुप्रयोग में संलग्न है। यह अकादमिक और शोध से संबंधित शीर्ष रैंक वाले विषयों में से एक है। नैनोटेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है। यह हमारे जीवन में क्रांति लाने और कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण और चिकित्सा में हमारी समस्याओं के तकनीकी समाधान प्रदान करने की विशाल क्षमता के साथ अनुसंधान के क्षेत्र का तेजी से विस्तार कर रहा है।

मास्टर पाठ्यक्रम

- नैनोटेक्नोलॉजी में एमएससी
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एमएससी
- नैनोटेक्नोलॉजी में एमटेक
- सामग्री विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी में एमटेक
- नैनो प्रौद्योगिकी और नैनो सामग्री में एमटेक

डॉक्टरेट पाठ्यक्रम

- नैनोटेक्नोलॉजी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी

नैनोटेक्नोलॉजी डिग्री क्या है?

यह भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और आणविक जीव विज्ञान के साथ एक बहु-विषयक प्राकृतिक विज्ञान पाठ्यक्रम है।

पाठ्यक्रम और पात्रता

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में शिक्षा स्नातकोत्तर स्तर और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। भारत में कोई भी संस्थान नैनोटेक्नोलॉजी में स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान नहीं करता है। मैटेरियल साइंस, मैकेनिकल, बायोमेडिकल, केमिकल, बायोटेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर साइंस में बीटेक डिग्री या भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बीएससी रखने वाले उम्मीदवार नैनो टेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं। नैनोटेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बीएससी या सामग्री विज्ञान / यांत्रिक / जैव चिकित्सा / रसायन / जैव प्रौद्योगिकी / इलेक्ट्रॉनिक्स / कंप्यूटर विज्ञान में बीटेक उत्तीर्ण होना चाहिए।

पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को मैकेनिकल, केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस आदि में एमटेक या फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैटेरियल साइंस, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस आदि में एम.एससी पास होना चाहिए। उम्मीदवार 5 साल की अवधि के लिए नैनो टेक्नोलॉजी (डुअल डिग्री) में बीटेक + एमटेक भी चुन सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी का स्कोप क्या है?

आने वाली पीढ़ियों में इसका बहुत बड़ा स्कोप है। आईटी और इंटरनेट की तुलना में यह तीसरा सबसे अधिक फलता-फूलता क्षेत्र है। भारत में बैंगलोर और चेन्नई आईटी और मेडिसिन के विनिर्माण केंद्र हैं। भारत सरकार ने पहले ही नैनोसाइंस और नैनो टेक्नोलॉजी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग जैसी विभिन्न फंडिंग एजेंसियों को शुरू कर दिया है।

नैनोटेक्नोलॉजी के लिए करियर विकल्प क्या हैं?

नैनोटेक्नोलॉजी में विशेषज्ञ या वैज्ञानिकके के रूप में नौकरी मिल सकती है। जिन क्षेत्रों में नैनोटेक्नोलॉजिस्ट रोजगार की तलाश कर सकते हैं उनमें जैव प्रौद्योगिकी, कृषि, भोजन, आनुवंशिकी, अंतरिक्ष अनुसंधान, चिकित्सा आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान आदि में भी नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं। पीएचडी वाले उम्मीदवार विश्वविद्यालयों और कॉलेजों या अनुसंधान क्षेत्रों में संकाय सदस्यों के रूप में भी शामिल हो सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी में जॉब रोल्स क्या हैं?

- नैनोटेक्नोलॉजिस्ट
- वैज्ञानिक
- शोधकर्ता
- प्रोफेसर
- खाद्य वैज्ञानिक
- इंजीनियर चिकित्सा वैज्ञानिक

उद्योग / कंपनियां / जो इन पेशेवरों को नियुक्त करते हैं :

- इलेक्ट्रॉनिक्स / सेमीकंडक्टर उद्योग
- विनिर्माण उदयोग
- जैव प्रौद्योगिकी
- दवाइयों
- चिकित्सा क्षेत्र
- पर्यावरण
- विश्वविद्यालयों
- उत्पाद आधारित कंपनियां (खाद्य)
- अनुसंधान प्रयोगशाला

वेतन

फ्रेशर के लिए लगभग 20,000/- से 30,000 रुपये प्रति माह और अनुभवी उम्मीदवारों के लिए 1 लाख रुपये प्रति माह के वेतन की उम्मीद की जा सकती है।

नैनोटेक्नोलॉजी ऑफर करने वाले भारत के शीर्ष कॉलेज :

- भौतिकी विभाग, आईआईएससी, बैंगलोर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्कूल, एनआईटी, कालीकट
- एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो-टेक्नोलॉजी, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा

सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस सेक्रेटरी से मैनेजर तक

सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और पर्सनल सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस कोर्स करके आप महत्त्वपूर्ण पदों पर बैठे अधिकारियों के पर्सनल सेक्रेटरी बनने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए अनेक शॉर्ट टर्म और डिग्री कोर्स उपलब्ध हैं।

वैश्वीकरण के बाद जिस तेजी से ऑफिस की कार्यप्रणाली और स्वरूप बदला है, ऑफिस सेकेट्ररी और पर्सनल सेक्रेटरी की भूमिका भी अहम होती जा रही है। सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और पर्सनल सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस कोर्स में दाखिला लेकर आप ऑफिस सेकेट्ररी या पर्सनल सेकेट्ररी बन कर एक अच्छा करियर बना सकते हैं। ऑफिस सेकेट्ररी किसी ऑफिस में प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों को मैनेज करने में अहम भूमिका निभाता है। महत्त्वपूर्ण पदों पर बैठे व्यक्तियों के पर्सनल सेक्रेटरी बन कर आप उनके डेली रूटीन तथा ऑफिस शड्यूल को मैनेज करते हैं। देश के विभिन्न विश्वविद्यालय और प्राइवेट संस्थान सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा तथा डिग्री कोर्स ऑफर करते हैं।

योग्यता तथा पढ़ाई

शॉर्ट टर्म कोर्स में प्रवेश लेने के लिए दसवीं तथा कुछ संस्थानों के लिए बारहवीं पास होना आवश्यक है। इस क्षेत्र में आगे की पढ़ाई मसलन डिग्री तथा डिप्लोमा कोर्स करने के लिए बारहवीं पास होना अनिवार्य योग्यता है। इन कोर्सों के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल का होना अतिआवश्यक है। इन कोर्सों का मुख्य उद्देश्य छात्र को सेक्रेटरी के उत्तरदायित्वों को समझाना, सेक्रेटेरियल कार्यों के लिए गुणों का विकास करना, संगठन या ऑफिस की कार्यप्रणाली को समझाना तथा कंप्यूटर, इंटरनेट, फैक्स आदि ऑफिस में प्रयोग होने वाले उपकरणों को ऑपरेट करना सिखाया जाता है। शॉर्ट टर्म कोर्स में शॉर्ट हैंड, टाइपराइटिंग, कंप्यूटर बेसिक्स, बिजनेस कम्युनिकेशन तथा पर्सनेलिटी डेवलपमेंट विषय पढ़ाए जाते हैं। लेकिन डिप्लोमा तथा डिग्री कोर्सों में इन विषयों के अलावा मैनेजमेंट, अकाउंट, कंपनी लॉ और बैंकिंग सर्विसेज विषयों के बारे में जानकारी दी जाती है।

संभावनाएं

कोर्स करने के बाद सरकारी तथा प्राइवेट क्षेत्रों में सभी तरह के दफ्तरों में सेक्रेटरी की जॉब मिलती है। लेकिन हाल में मल्टीनेशनल, पब्लिक सेक्टर कंपनियों तथा होटल्स में स्किल्ड सेकेट्ररी और ऑफिस सेकेट्ररी के जॉब की अपार संभावनाएं हैं। बैकों, वित्तीय संस्थानों, लॉजिस्टिक फर्म तथा ट्रैवल एजेंसी में भी सेक्रेटरी के रूप में जॉब कर सकते हैं। अपनी योग्यता तथा अनुभव से आप सेक्रेटरी से जॉब शुरू करके ऑफिस मैनेजर बन सकते हैं।